मुस्लिम आरक्षण के लिए सुप्रीम.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार.. 11

वर्ष - 02, अंक - 96 | गाजियाबाद / गुरूवार 09 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान का कार्गो प्लेन कराची के पास गायब हुआ

नेविगेशन सिस्टम में खराबी आई, 5 क्रू मेंबर सवार थे, अरब सागर में सर्च ऑपरेशन जारी

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान का एक कार्गो विमान मंगलवार रात कराची पहुंचने से पहले लापता हो गया। विमान शारजाह से कराची आ रहा था और उसमें 5 क्रू मेंबर सवार थे।

पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के मुताबिक, रात 9 :18 बजे पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी। कंट्रोल रूम ने विमान को गाइड करने की कोशिश की, लेकिन करीब तीन मिनट बाद उसका संपर्क टूट

गया। आखिरी बार विमान कराची से 155 नॉटिकल मील (287 किमी) पश्चिम में ट्रैक किया गया। विमान के लापता होने के बाद अरब सागर में बड़े स्तर पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। पाकिस्तान नेवी, एयर फोर्स और अन्य एजेंसियां खोज अभियान में जुटी हैं। अधिकारियों ने अभी तक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने या किसी हताहत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर कमांडर जाकिर अहमद ढेर

पहलगाम हमले के बाद बनी हिट लिस्ट में शामिल था; शोपियां में 5 दिन से ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का टॉप कमांडर जाकिर अहमद गनी मारा गया। बुधवार को सुरक्षाबलों ने उसका शव बरामद किया।

आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सेना ने शनिवार शाम चनापोरा इलाके में ऑपरेशन

शुरू किया था। ऑपरेशन के पांचवें दिन जाकिर गनी का शव बरामद हुआ। एक और आंतकी लतीफ भट के छिपे होने की आशंका है। जाकिर गनी उन 14 आतंकियों की सूची में शामिल था, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया था। यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने मिलकर चलाया।

मुंबई एयरपोर्ट में रनवे पर आमने-सामने आए प्लेन

एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद खड़ा था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार रात को हादसा टल गया। एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के दो विमान एक ही रनवे पर आमने-सामने आ गए। घटना रात 10 बजे की बताई गई है। मीडिया सूत्रों के

मुताबिक, एअर इंडिया के विमान ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के निर्देश पर टेक-ऑफ रन रोक दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद रनवे से हटा नहीं था, तभी दिल्ली जाने वाला एयर इंडिया का विमान उसी रनवे से उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि सिलिगुड़ी से आई एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट रनवे खाली कर ही रही थी।

● *अभी यात्रा के 5 दिन ही हुए, करीब 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी*

अमरनाथ गुफा

प्राकृतिक शिवलिंग पूरी तरह पिघला

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघल गया है। अभी यात्रा के पांच दिन ही बीते हैं। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। यात्रा के पहले चार दिनों में करीब 86 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को पांचवें दिन यह संख्या 1 लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है।

यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यानी कि अभी 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी है।

23 मई को 7 फीट का था शिवलिंग

23 मई को बीएसएफ के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90 प्रतिशत गायब हो चुका है। 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है। इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है। यही इसकी सबसे अनोखी विशेषता है।

रिटायर्ड एआरटीओ के घर 22 किलो सोना-चांदी मिला

● दीवारों और पैकटों में छिपाए थे 1.62 करोड़

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में आगरा के तत्कालीन सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) ललित कुमार के लखनऊ स्थित आवास पर दो दिन तक सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान टीम को करीब 1.62 करोड़ रुपए नकद, 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और करोड़ों रुपये के निवेश व संपत्तियों के दस्तावेज मिले। विजिलेंस ने बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 35 करोड़ रुपए आंकी है।

पुणे में इमारत पर कचरे का पहाड़ गिरा, 16 दबे

● सूरत में 19 इंच बारिश, 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा ● जम्मू-कश्मीर में पत्थरों का सैलाब, नासिक में पुल बहा, जोधपुर बाजार में नदी जैसी धार बही

जयपुर/पटना/अहमदाबाद/मुंबई/भोपाल(एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को भारी बारिश से कचरे का पहाड़ 3 मंजिला इमारत पर गिर गया। इससे इमारत ढह गई। 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मीडियासूत्रों के अनुसार बताया कि पुणे के पिंपरी-चिंचवाड़ में कचरे का पहाड़ जैसा ढेर था, यह वहां मौजूद कचरा प्रबंधन की बिल्डिंग पर गिर पड़ा।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। जम्मू-कश्मीर के डोडा में बाढ़ के साथ बड़े-बड़े पत्थरों का सैलाब आ गया। कई गाड़ियां, घर और दुकानें मलबे में दब गईं।

महाराष्ट्र के नासिक, मुंबई और पुणे में भी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। पुणे के खड़कवासला डैम से 27,303 क्यूसेक पानी मुथा नदी में छोड़ा गया है। नदी के किनारे बसे गांवों में हाई अलर्ट है।

नासिक में त्र्यंबकेश्वर के दो गांवों को जोड़ने वाला पुल बह गया। यह मंदिर का परिक्रमा मार्ग भी था। श्रद्धालुओं की एंट्री दो दिन के लिए रोक दी गई है। कई अन्य शहरों में भी बाढ़ की स्थिति है। इधर, गुजरात के सूरत में 36 घंटे में 11 से 19 इंच तक बारिश हुई। यहां जुलाई 1941 में दर्ज हुई 18 इंच बारिश का 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। शहर में बाढ़ आ गई, शॉपिंग मॉल की एक मंजिल पानी में डूब गई।

पीएम मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े प्रम्बानन हिंदू मंदिर पहुंचे

● बोले- हमेशा शिव से जुड़ने का सौभाग्य मिला; पीएम ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए

जकार्ता (एजेंसी)। पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए। उन्होंने मंदिर परिसर में

अपने संबोधन में कहा- मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है।

पीएम बोले-

2029 में जीर्णोद्धार पूरा होने पर फिर इंडोनेशिया आऊंगा- पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के किसी भी कोने में चले जाइए, वहां भारत की सांस्कृतिक विरासत की झलक जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रम्बानन दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय विरासत की दूसरी सबसे बड़ी पहचान है। यहां भगवान शिव, मां दुर्गा और भगवान गणेश की प्रतिमाएं हैं और सदियों से पूजा होती आ रही है।पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति प्रबोवो ने उनसे 2029 तक मंदिर के जीर्णोद्धार का काम पूरा करने का वादा लिया है और वह भी वादा करते हैं कि जीर्णोद्धार पूरा होने के बाद दोबारा इंडोनेशिया आकर इसका जश्न मनाएंगे। उन्होंने इंडोनेशिया के लोगों और शासकों का इस सांस्कृतिक विरासत को सहेजकर रखने के लिए आभार भी जताया।

बंगाल में बच्ची से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

● पुलिस बोली- राइफल छीनकर भाग रहा था; तालाब से मिला था नाबालिग का शव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में नाबालिग से रेप और मर्डर का एक आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था। मीडिया के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान प्रभास मंडल ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें प्रभास को गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बारुईपुर में 12 साल की लड़की 4 जुलाई को लापता हो गई थी। 5 जुलाई को उसका शव एक तालाब से मिला। पोस्टमॉर्टम में रेप की पुष्टि हुई, जिसके बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने रेप-मर्डर के आरोप में प्रभास सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दूसरा आरोपी आनंद सरदार है।

मां ने ठुकराया शव, बोली- उसने जो किया, उसकी सजा मिली- प्रभास मंडल की मुठभेड़ में मौत के बाद उसकी मां संध्या मंडल ने शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा- उसने जो किया, उसकी सजा उसे मिल गई। मैं उसका चेहरा भी नहीं देखना चाहती और परिवार का कोई सदस्य भी शव लेने नहीं जाएगा।

नॉटो समिट में ट्रम्प बोले: ईरान से सीजफायर खत्म

● अमेरिका ने 80 ठिकानों पर हमले किए, होर्मुज में जहाजों पर ईरानी हमले के बाद एक्शन

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नॉटो समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते। ट्रम्प ने कहा,हमने पिछली रात ईरान पर जोरदार हमला किया। खतरनाक लोगों को निशाना बनाया। हर बार वे हमला करेंगे, हम जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है। ट्रम्प ने नॉटो पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने दुनिया के सबसे बड़े आतंक समर्थक देश ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दिया।

● **ईरान ने होर्मुज में 3 टैंकरों को निशाना बनाया-** खामेनेई के अंतिम संस्कार के बीच ईरान ने होर्मुज में 3 टैंकरों को निशाना बनाया, जिसमें एक टैंकर कतर का था। ईरान ने चेतावनी दी कि हमारी तरफ से तय रुट इस्तेमाल नहीं होने पर सुरक्षा की गारंटी नहीं रहेगी।

अमेरिका -ईरान सीजफायर खत्म के बाद

भारत में शेयर मार्केट लहूलुहान, सेंसेक्स 1,900 अंक टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में आज भारी गिरावट आई। बाजार सुबह गिरावट के साथ खुला था लेकिन दोपहर बाद इसमें भारी गिरावट आई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। उनका कहना है कि ईरान के साथ सीजफायर खत्म हो गया है। इसके बाद अमेरिका ईरानी 80 ठिकानों पर बमवारी की। इससे कच्चे तेल की कीमत में भारी तेजी आई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, कमजोर ग्लोबल संकेतों और जियोपॉलिटिकल तनाव बढ़ने से निवेशकों का भरोसा डगमगा गया। इससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 2 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट आई। दोपहर बाद के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,914 अंक गिरकर 76,266 पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 में 581 अंकों की गिरावट आई और यह 23,900 के स्तर से नीचे चला गया। इस गिरावट से निवेशकों को 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की चपत लगी।

राम मंदिर चोरी-पुलिस को चंदे की फर्जी रसीद बुक मिली

● आरोपियों ने पैसे ऐंठने की बात कबूली, गोपाल राव का दावा- ट्रस्ट से नहीं हटाया गया

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के तीन आरोपियों लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय को पुलिस ने 40 घंटे की रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपियों से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की पुरानी फर्जी रसीद बुक मिली है। यह रसीद हूबहू असली की तरह दिखती है। इस पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का लोगो बना है।

सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने पूछताछ में कबूला है कि वे फर्जी रसीद काटकर चंदा देने वालों से पैसे भी ऐंठ लेते थे। शुरुआत में टिन्नू यादव, लवकुश, करुणेश, अनुकल्प समेत अन्य आरोपी जब कोई मंदिर में दान देने की इच्छा जताता था, तो उसे रसीद के तौर पर यह फर्जी रसीद दे देते थे, ताकि किसी को शक न हो। अब नई व्यवस्था के तहत रसीद ऑनलाइन मिलती है, इसलिए इन लोगों ने इन रसीदों का इस्तेमाल करना बंद कर दिया था।

गोपाल राव ने ट्रस्ट के प्रेस नोट को खारिज किया, बोले- हटाने की बात गलत- ट्रस्ट से हटाए गए गोपाल राव ने दावा किया है कि वह अभी भी ट्रस्टी हैं। उन्हें हटाया नहीं गया है। हटाने की खबरें गलत संदेश है। जबकि सोमवार को ट्रस्ट की बैठक के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से जारी किए गए प्रेस नोट में लिखा गया है कि विशिष्ट आमंत्रित सदस्य की सूची से हटा दिया गया है। गोपाल राव का वास्तविक नाम गोपाल नगरकोटे हैं, इसी नाम से उन्हें ट्रस्ट में विशिष्ट आमंत्रित सदस्य बनाया गया था।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से सोमवार को जारी किए गए प्रेसनोट का वह हिस्सा, जिसमें गोपाल राव यानी गोपाल नगरकोटे को ट्रस्ट से हटाने की जानकारी दी गई थी।

● **सर्राफा कारोबारी और एक बिल्डिंग मटेरियल कारोबारी के घर भी दबिश-** पुलिस टीम बुधवार सुबह 7 :36 बजे फैजाबाद जेल पहुंची। तीनों आरोपियों को पुलिस लाइन लेकर गई। तब से उनसे पूछताछ जारी है। एसआईटी रिपोर्ट के अनुसार, तीनों आरोपी सीसीटीवी फुटेज में नोटों को जेब में रखते हुए नजर आए थे। अयोध्या पुलिस ने मिल्कीपुर क्षेत्र में भी छापेमारी की। पुलिस ने आरोपी अनुकल्प मिश्रा के चाचा के साथ इनायतनगर के एक के यहां भी दबिश दी। जांच टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों ने जो प्रॉपर्टी या सामान खरीदा था, उसका भुगतान ऑनलाइन किया था या नकद।

● **एसआईटी ने ट्रस्ट के बड़े आयोजनों के खर्च की जांच शुरू की-** एसआईटी ने अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बड़े आयोजनों के खर्च की जांच शुरू कर दी है। एसआईटी 22 जनवरी 2024 के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और 25 नवंबर 2025 के ध्वजारोहण के बिल और वाउचर खंगाल रही है। रिकॉर्ड के मुताबिक, प्राण-प्रतिष्ठा पर 113 करोड़ रुपए खर्च हुए। इसमें 8 हजार मेहमान आए थे। ध्वजारोहण पर 10.12 करोड़ खर्च हुए।

बारुईपुर में बच्ची से दुष्कर्म और हत्या का आरोपी प्रभाव मुठभेड़ में ढेर

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के बारुईपुर दुष्कर्म और हत्या मामले के आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। बंगाल पुलिस ने सोमवार आरोपी को गिरफ्तार किया था। बारुईपुर एसपी के मुताबिक आरोपी प्रभास मंडल की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। क्राइम सीन को फिर से बनाने में, उसने पुलिस से हथियार छीनने और उन पर गोली चलाने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जो प्रभास को लगी अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि बारुईपुर में लड़की के दुष्कर्म और हत्या के बाद सरकार और पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। 11 साल की नाबालिग की हत्या मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने घटना की हैवानियत की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता के शरीर पर गंभीर चोट, यौन उत्पीड़न और शारीरिक यातनाओं के स्पष्ट संकेत मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता के सिर पर किसी भारी चीज से वार किया गया। इसके बाद उसे बोरी में भरकर तालाब में फेंक दिया। रिपोर्ट में उल्लेख है कि तालाब में फेंके जाने के समय वह जीवित थी। सिर पर गहरे घाव, शरीर पर खरोंच और काटने के निशान मिले हैं। गुप्तांगों पर भी गंभीर चोटों के निशान मिले। पानी शरीर के भीतर जाने से फेफड़ों और पेट में सूजन आ गई और डूबने से उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक घटना बारुईपुर थाना क्षेत्र के धपधपी-2 पंचायत के सूर्यपुर हाट की है। पीड़िता शनिवार शाम घर से खाने का सामान लेने निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। रविवार सुबह घर के पास एक तालाब से उसका शव मिला। उसी रात सीसीटीवी फुटेज में चार लोग नाबालिग को अपने साथ ले जाते दिखे। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

स्कूल बस इंतजार कर रहे थे बच्चों को कार सीख रही महिला ने मारी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के ग्रेटर नोएडा के पंचशील ग्रीन्स-2 सोसायटी के बाहर बुधवार सुबह कार चलाना सीख रही एक महिला की गाड़ी अनियंत्रित होकर स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों पर चढ़ गई जिससे पांच बच्चे को मामूली चोटें आईं हैं। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। घटना उस वक्त हुई जब सोसायटी में रहने वाले कुछ बच्चे स्कूल बस का इंतजार कर रहे थे तभी एक महिला कार लेकर वहां से गुजरी। पुलिस के मुताबिक महिला अभी कार चलाना सीख ही रही थी और उसे गाड़ी चलाने का ज्यादा अनुभव भी नहीं था। इसी दौरान उसका कार से नियंत्रण छूट गया और गाड़ी सीधे बच्चों से टकरा गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और कार्रवाई शुरू की। फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि महिला के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की जाएगी या नहीं, लेकिन पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है ताकि पूरी घटना का सही कारण सामने आ सके।

जमीन विवाद में युवक की चाकू से गोदकर हत्या, आरोपियों को तलाश रही पुलिस

आरा (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बड़की खड़ाव गांव में बुधवार सुबह जमीन विवाद में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान बड़की खड़ाव गांव निवासी बीरेन्द्र कुमार सिंह (34) के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि घर के बगल की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बुधवार सुबह इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जानकारी के मुताबिक आरोप है कि दूसरे पक्ष के व्यक्ति ने विक्रांत कुमार सिंह पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया। हमलावर ने उनके सिर और दाहिनी ओर सीने के पास चाकू मारा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है।

गर्भवती आईपीएस अधिकारियों के प्रशिक्षण पर रोक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अहम कानूनी लड़ाई में, एक गर्भवती महिला आईपीएस अधिकारी ने प्रशिक्षण के दौरान गर्भवती होने पर रोक लगाने वाले करीब तीन दशक पुराने सरकारी नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इसतरह के फैसले पुराने नियमों के बजाय आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर होने चाहिए। मध्य प्रदेश कैडर की 2023 बैच की आईपीएस अधिकारी उर्वशी सेंगर ने याचिका दायर की है। सेंगर ने नवंबर 2023 में अपना फेज-1 प्रशिक्षण शुरू किया था। अप्रैल 2025 में फेज-2 के दौरान जब वे गर्भवती हुईं, तब उन्हें प्रशिक्षण बीच में ही छोड़ने और प्रसव के एक साल बाद अगली बैच के साथ दुबारा प्रशिक्षण लेने के लिए कहा गया। सितंबर 2025 में बच्चे के जन्म के बाद उन्होंने मेडिकल फिटनेस के आधार पर फेज-2 प्रशिक्षण में शामिल होने की अनुमति मांगी, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी ने 1993 के गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन (ओएम) का हवाला देकर उनकी मांग ठुकरा दी। यह ज्ञापन कहता है कि गर्भवती आईपीएस प्रोबेशनर को तुरंत प्रशिक्षण से रोक दिया जाएगा और वे प्रसव के एक साल बाद ही फिर प्रशिक्षण शुरू कर सकेंगी। आईपीएस महिला अधिकारी सेंगर ने पहले केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (सीएटी) का रुख किया, जिसने उन्हें अंतरिम आदेश में आवश्यक मेडिकल औपचारिकताएं पूरी करने पर प्रशिक्षण जारी रखने की अनुमति दे दी थी। हालांकि, पुलिस अकादमी ने आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसने 22 जून को सीएटी के आदेश पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यह नियम महिला अधिकारी और उसके बच्चे दोनों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। दायर याचिका में कहा गया है कि 1993 का यह नियम बिना किसी भेदभाव के सभी गर्भवती अधिकारियों पर समान रूप से लागू होता है, जबकि फेज-2 प्रशिक्षण मुख्य रूप से कक्षा-आधारित और अकादमिक होता है, जो शारीरिक रूप से अत्यधिक कठिन नहीं होता। याचिका में उजागर किया गया है कि 2004 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने आईएएस महिला अधिकारियों के लिए इसी तरह के नियम में संशोधन किया था, जिससे उन्हें मेडिकल फिटनेस के आधार पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति मिली थी।

कांग्रेस ने भाजपा-संघ पर लगाया मिलीभगत का आरोप, ट्रस्ट भंग करने की मांग

अयोध्या (एजेंसी)। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुख्य विपक्षी दल ने दावा किया कि ये संगठन असली दोषियों को बचाने के लिए पूरे प्रकरण पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि वर्तमान राम मंदिर ट्रस्ट को तुरंत भंग कर दिया जाए और नए ट्रस्ट में संघ परिवार या विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रतिनिधियों के बजाय हिंदू संतों और धार्मिक प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए, ताकि मंदिर की पारदर्शिता और आस्था की शुचिता बनी रहे।

यह राजनीतिक घमासान उस समय और तेज हो गया जब राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने एक हस्तलिखित संदेश में खुद पर लगे गबन के आरोपों को निराधार बताया और कहा कि वे विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही जवाब देंगे। गौरतलब है कि इससे ठीक एक दिन पहले ट्रस्ट ने चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए थे। दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मांग की कि इस मामले की स्वतंत्र जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हो और मंदिर के चढ़ावे का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ने की मांग करते हुए कहा कि चूंकि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री ने किया था, इसलिए इस मामले पर उनकी जिम्मेदारी बनती है। गहलोत ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल (2018-23) का जिक्र करते हुए एक और गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए राजस्थान के भरतपुर के बंसी पहाड़पुर से जो पत्थर लाया जा रहा था, वहाँ बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा था। उन्होंने चंपत राय से खुद कहा था कि पवित्र कार्य में अवैध पत्थरों का उपयोग न हो। बाद में राज्य सरकार की सिफारिश पर केंद्र के सहयोग से उस क्षेत्र को वन भूमि की श्रेणी से हटाया गया ताकि काम न रुके। गहलोत ने कहा कि इस पूरे प्रकरण से भाजपा और संघ परिवार का वास्तविक चाल, चरित्र और चेहरा जनता के सामने आ गया है और इन संगठनों ने मंदिर प्रशासन पर अनधिकृत कब्जा कर रखा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर भी गहलोत ने तीखा पलटवार किया, जिसमें योगी ने कहा था कि कांग्रेस को इस पर बोलने का अधिकार नहीं है। गहलोत ने कहा कि अगर ऐसा है, तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद नए ट्रस्ट का नेतृत्व क्यों नहीं करते और जनता का विश्वास बहाल क्यों नहीं करते? यह बयानबाजी दर्शाती है कि राम मंदिर से जुड़ा यह विवाद अब एक गंभीर राजनीतिक रूप ले चुका है।

मुंबई एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा, एक ही रनवे पर आमने-सामने आए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार रात एक बड़ा विमान हादसा टल गया। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के दो विमान एक ही रनवे पर आमने-सामने आ गए, जिससे यात्रियों के बीच कुछ समय के लिए घबराहट और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की सतर्कता और समय रहते उठाए गए कदमों से संभावित बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे की है। उस समय बागडोगरा से मुंबई पहुंचा एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद अभी पूरी तरह रनवे से बाहर नहीं निकला था। इसी दौरान मुंबई से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ढ्ढ816 को उसी रनवे से उड़ान भरनी थी। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने टेकऑफ की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, लेकिन इसी बीच एयर ट्रैफिक कंट्रोल से तुरंत उड़ान रोकने का निर्देश मिला। निर्देश मिलते ही पायलट ने टेकऑफ रन को तत्काल रद्द कर दिया और विमान को सुरक्षित रूप से वापस पार्किंग बे में ले जाया गया। इस त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। एयरलाइन के अनुसार, टेकऑफ रन रद्द किए जाने के बाद विमान की स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत आवश्यक तकनीकी जांच की जाएगी। इसके बाद ही विमान को दोबारा उड़ान के लिए मंजूरी दी जाएगी। साथ ही यात्रियों को उनके गंतव्य तक जल्द पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की जा रही है। एयर इंडिया ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि एटीसी के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया गया और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। हालांकि, एयरलाइन ने घटना के तकनीकी कारणों या दोनों विमानों में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है।

अमरनाथ यात्राः रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालु उमड़े, 6 जत्थे में 8 हजार से अधिक रवाना

जम्मू (एजेंसी)। पवित्र अमरनाथ यात्रा लगातार नए कीर्तिमान बना रही है। मंगलवार को यात्रा के छठे जत्थे में अब तक की सबसे बड़ी संख्या में 8,815 श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर के लिए रवाना हुए। इन श्रद्धालुओं को बालटाल और पहलगाम के आधार शिविरों तक पहुंचाने के लिए कुल 363 वाहनों का एक विशाल काफिला तैनात हुआ। जिला प्रशासन अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के पहले चार दिनों में ही 86 हजार से अधिक श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, जिससे इस वर्ष यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है।

6 जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं में 5,831 पुरुष, 2,193 महिलाएं, 30 बच्चे, 598 साधु, 131 साध्वियां, एक बाल साधु तथा 31 विदेशी पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे, जो यात्रा की व्यापक पहुंच को दिखाता है। बालटाल मार्ग के लिए 3,989 श्रद्धालु सुबह 3.35 बजे 181 वाहनों में रवाना हुए, जबकि पारंपरिक पहलगाम मार्ग के लिए 4,826 श्रद्धालु सुबह 4.08 बजे 182 वाहनों के काफिले के साथ निकले। इस काफिले में 172 बसें, 58 मीडियम मोटर व्हीकल, 130 लाइट मोटर व्हीकल और तीन दोपहिया वाहन शामिल थे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाएं, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक सेवाओं की मुस्तैद व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि 57 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी यात्रा का शुभारंभ 3 जुलाई को हुआ था और इसका समापन 28 अगस्त को होगा। दक्षिण कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से लगभग 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हर वर्ष पहुंचते हैं। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या इस यात्रा की लोकप्रियता और धार्मिक आस्था की गहराई का स्पष्ट प्रमाण है। श्रद्धालुओं में बढ़ता जोश व उत्साह इतना है कि रिकॉर्ड संख्या में लोग बिना पंजीकरण के भी पहुंच रहे हैं और मौके पर ही तत्काल पंजीकरण करा रहे हैं।

सड़कों पर मिली नालों की गंदगी तो होगी कड़ी कार्यवाही : नगर आयुक्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मानसून की शुरूआत और लगातार हो रही बारिश को देखते हुए गाजियाबाद नगर निगम ने नालों की सफाई के साथ-साथ उनसे निकली सिल्ट और गंदगी को तत्काल हटाने के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने स्वास्थ्य विभाग को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि नालों की सफाई के बाद यदि सड़क पर सिल्ट या गंदगी फैली हुई पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को पूरे अभियान की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से बचने के लिए केवल नालों की सफाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि सफाई के बाद निकले कचरे और सिल्ट का समयबद्ध निस्तारण भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से सभी जोनों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। नगर आयुक्त के निर्देशों के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें मशीनों और आवश्यक उपकरणों के साथ विभिन्न क्षेत्रों

में सक्रिय दिखाई दीं। सफाई कर्मचारियों द्वारा नालों की सफाई के बाद सड़कों पर फैली गंदगी और सिल्ट को हटाने का कार्य तेजी से किया गया। विशेष रूप से कवि नगर जोन में व्यापक अभियान चलाया गया, जहां नालों की सफाई के बाद सड़क पर जमा सिल्ट को हटाने के लिए अतिरिक्त संसाधन लगाए गए। नगर आयुक्त को कवि नगर क्षेत्र में नालों से निकली सिल्ट सड़क पर पड़े होने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए उन्होंने नाराजगी जाहिर की और संबंधित अधिकारियों को तत्काल समस्या के समाधान के निर्देश दिए। इस संबंध में एसएफआई हिमांशु भारद्वाज को मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करने तथा तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। निर्देशों के अनुपालन में जेसीबी मशीन और हाईवा वाहनों की सहायता से विवेकानंद नगर और आरडीसी क्षेत्र में सड़क पर फैली सिल्ट को हटाया गया। इसके अलावा अन्य जोनों में भी सफाई कार्य के साथ-साथ सिल्ट उठाने का विशेष अभियान चलाया गया। निगम की टीमों ने कई स्थानों पर जमा कचरे और मिट्टी को हटाकर मार्गों को साफ किया, जिससे नागरिकों को आवागमन में होने वाली परेशानी से राहत मिली। नगर आयुक्त ने बताया कि बरसात के मौसम में नालों की नियमित सफाई और सिल्ट का त्वरित निस्तारण जलभराव की समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी जोनल अधिकारियों को सतर्क रहने और नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने बताया कि शहर की स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा अभियान लगातार जारी रहेगा।

महिलाओं को दिल्ली सरकार देगी तोहफा ! हर महीने मिलेंगे 2500 रुपए

-महिला समृद्धि योजना का शुभारंभ 28 अगस्त को कर सकते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए बहुप्रतीक्षित महिला समृद्धि योजना का औपचारिक शुभारंभ 28 अगस्त को किया जा सकता है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में भेजे जाएंगे। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी योजना की शुरुआत कर सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होना बाकी है।

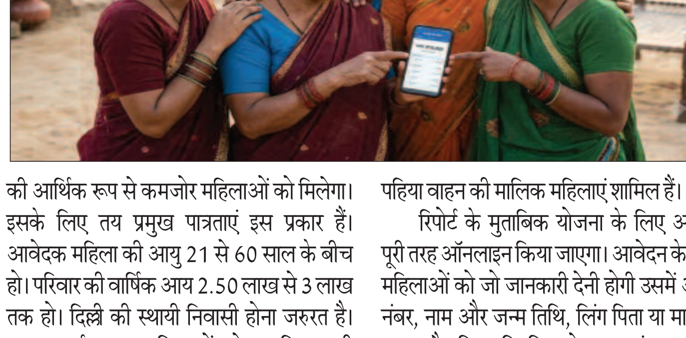

दिल्ली सरकार ने इस योजना के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल तैयार है और पात्रता के मानदंड भी तय कर दिए गए हैं। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए 5110 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुमान है कि दिल्ली की 20 से 22 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। सीएम रेखा गुप्ता पहले कह चुकी हैं कि सरकार योजना को पूरी तैयारी के साथ लागू करना चाहती है, ताकि सभी पात्र महिलाओं तक इसका लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचे और भविष्य में भी योजना सुचारु रूप से चलती रहे।

महिला समृद्धि योजना का लाभ केवल दिल्ली की आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मिलेगा। इसके लिए तय प्रमुख पात्रताएं इस प्रकार हैं। आवेदक महिला की आयु 21 से 60 साल के बीच हो। परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख से 3 लाख तक हो। दिल्ली की स्थायी निवासी होना जरुरत है। राशन कार्ड धारक महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार ने कुछ श्रेणियों की महिलाओं को योजना से बाहर रखा है। इनमें सरकारी नौकरी करने वाली महिलाएं, आयकर भरने वाली महिलाएं, सरकारी पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाएं और चार पहिया वाहन की मालिक महिलाएं शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक योजना के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन के समय महिलाओं को जो जानकारी देनी होगी उसमें आधार नंबर, नाम और जन्म तिथि, लिंग पिता या माता का नाम, वैवाहिक स्थिति, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, दिल्ली में निवास की अवधि आधार से लिंक बैंक खाता। महिला समृद्धि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को नियमित वित्तीय सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

मुस्लिम आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची विजय सरकार, हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लाम धर्म अपनाने वालों को आरक्षित वर्ग के तहत प्राप्त आरक्षण के लाभ को खत्म करने के मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। मद्रास हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा था कि इस्लाम धर्म अपना लेने वाला व्यक्ति पिछड़े वर्ग के तहत मिलने वाले आरक्षण के लाभ का हकदार नहीं है। मद्रास हाईकोर्ट ने इसको लेकर तमिलनाडु सरकार के 2024 के आदेश को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। गो-हत्या पर रोक हटाने की मांग के बाद तमिलनाडु सरकार ने मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भी सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का फैसला किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में तमिलनाडु सरकार ने पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अधिसूचित समुदाय या अनुसूचित जाति से इस्लाम धर्म अपनाने वाले लोगों को पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम) मानने का आदेश जारी किया था। यही नहीं, तत्कालीन स्टालिन सरकार ने कम्युनिटी सर्टिफिकेट भी जारी करना शुरू कर दिया था, जिन मुस्लिम जातियों को यह आरक्षण दिया जा रहा था उनमें- अंसार, दक्कनी मुस्लिम, दुबेकुला, लब्बाइस, रोवथर, मराकायार, मपिल्ला, शेख और सैयद शामिल हैं।

मद्रास हाईकोर्ट में जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पीबी बालाजी की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि सरकारी आदेश उन न्यायिक निर्णयों के पूरी तरह से खिलाफ हैं, जो हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं। इन न्यायिक फैसलों के मुताबिक धर्म बदलकर इस्लाम अपनाने वाले व्यक्ति को सिर्फ मुसलमान ही माना जा सकता है। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने इस मामले में 6 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दायर किया है।

तीन देशों के दौरे में पीएम मोदी ब्रह्मोस, रेयर अर्थ मैटेरियल और समुद्री सीमा पर कर रहे चर्चा

-इंडोनेशिया को ब्रह्मोस और अस्त्र देगा भारत, चीन की बढ़ती दादागिरी पर लगेगा ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे में जिन समझौतों और साझेदारियों पर चर्चा हो रही है, उनका असर सीधे तौर पर चीन की रणनीतिक क्षमता पर पड़ सकता है। पीएम मोदी की ये यात्राएं दक्षिण चीन सागर में शक्ति के संतुलन पर असल डालने वाली हैं। भारत ने इंडोनेशिया को ब्रह्मोस और अस्त्र देकर चीन की दादागिरी पर एक ब्रेक सा लगा दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ सालों में चीन ने इंडो पैसिफिक और दक्षिण चीन सागर के कई देशों पर धौंस जमाने की कोशिश की। एक ऐसी रणनीति पर काम किया, जिससे वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर सीधा दबाव बढ़ा और तो और चीन ने दक्षिण चीन सागर के साथ भारत की घेराबंदी के लिए इंडिया के पड़ोसी देशों को साधने की कोशिश की। अब भारत के सहयोग से इंडोनेशिया ने तय किया है कि वह अपनी सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा मजबूत करेगा और इसीलिए उसने ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का फैसला किया है। इससे अब इंडोनेशिया की समुद्री निगरानी क्षमता बढ़ेगी।

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से दुश्मन के जहाजों, समुद्री ठिकानों और जमीन पर मौजूद सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है। इंडोनेशिया की बढ़ती ताकत को देख चीन का परेशान होना लाजिमी है। ब्रह्मोस डील के अलावा भारत और इंडोनेशिया के बीच सबांग पोर्ट को लेकर बढ़ता सहयोग सबसे ज्यादा चर्चा में है। सबांग बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित है, जहां से दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। चीन का करीब 80 फीसदी ऊर्जा आयात इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में भारत की बढ़ती मौजूदगी चीन का टेंशन और बढ़ा सकती है। इंडोनेशिया के बाद पीएम मोदी 8 जुलाई को मेलबर्न पहुंच रहे हैं, जहां उनका ऑस्ट्रेलिया दौरा 8-10 जुलाई तक चलेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पिछले कुछ सालों में रणनीतिक साझेदार के रूप में तेजी से करीब आए हैं। दोनों देश क्वाड समूह का हिस्सा हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त एवं खुले समुद्री मार्गों की वकालत करते हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा में महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और रक्षा सहयोग पर चर्चा केंद्र में है। चीन लंबे समय से दुर्लभ खनिजों और इसके वैश्विक सप्लाई चेन पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस बार रेयर अर्थ और क्रिटिकल मिनरल्स सहयोग पीएम मोदी की यात्रा का सबसे अहम एजेंडा माना जा रहा है। दोनों देश ऐसे समझौतों पर काम कर रहे हैं, जिनसे भारत की चीन पर निर्भरता कम हो और इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योग के लिए जरूरी खनिजों की सुरक्षित सप्लाई सुनिश्चित हो सके।

ऑस्ट्रेलिया के बाद पीएम मोदी न्यूजीलैंड जाएंगे। न्यूजीलैंड भले ही सैन्य दृष्टि से बड़ा खिलाड़ी न हो, लेकिन अपने लोकेशन की वजह से हिंद-प्रशांत की राजनीति में उसका महत्व बढ़ रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार, कृषि, शिक्षा और डिजिटल सहयोग पर जोर दिया जा रहा है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भी चर्चा तेज हुई है, लेकिन इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। चीन लंबे समय से न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, लेकिन वेलिंगटन अब अपने आर्थिक विकल्पों को विविध बनाने की कोशिश कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा है कि अपनी न्यूजीलैंड यात्रा में वे आर्थिक, व्यापारिक और कमर्शियल संबंधों को और कैसे बेहतर बनाया जाए इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

गाजियाबाद: सील स्कूल-कोचिंग सेंटरों को बड़ी राहत, 2 महीने में मानक पूरे करने की शर्त पर खुलेंगे ताले

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने शहर में सील किए गए विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, प्ले-स्कूल एवं डे-केयर केंद्रों को बड़ी राहत दी है। बुधवार, 8 जुलाई को प्राधिकरण सचिव विवेक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में छात्रों के शैक्षणिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए सील किए गए परिसरों को अस्थायी रूप से डी-सील करने का निर्णय लिया गया।

सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य

बैठक में प्राधिकरण के प्रवर्तन अधिकारी, मुख्य अभियंता और मुख्य अग्निशमन अधिकारी मौजूद रहे। अग्निशमन अधिकारी ने संचालकों को अग्नि सुरक्षा के कड़े नियमों, फायर एनओसी लेने की प्रक्रिया और आवश्यक उपकरणों के रखरखाव के बारे में विस्तार से समझाया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और अग्नि सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन किसी भी हाल में अनिवार्य है।

शपथ-पत्र देने पर मिलेगी अनुमति

प्राधिकरण ने संस्थानों को राहत के तौर पर दो महीने की मोहलत दी है। इस अवधि का लाभ उठाने के लिए संचालकों को प्राधिकरण में एक शपथ-पत्र जमा करना होगा। इसमें यह स्पष्ट रूप से अंकित करना होगा कि वे दो महीने के भीतर:

- **'उत्तर प्रदेश मॉडल भवन उपविधि, 2025' के अनुसार अपने भवन का मानचित्र स्वीकृत कराएंगे।**
- **अग्निशमन विभाग और अन्य संबंधित विभागों से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करेंगे।**

दो महीने बाद होगी सख्त कार्रवाई

अधिकारियों ने चेताया है कि यदि निर्धारित दो महीने की अवधि में कोई संस्थान नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसे अपना संचालन पूरी तरह बंद करना होगा या किसी वैध परिसर में शिफ्ट होना होगा। शपथ-पत्र प्राप्त होने के बाद ही सील किए गए परिसरों को अस्थायी रूप से खोला जाएगा। यदि समय सीमा खत्म होने पर भी मानक पूरे नहीं हुए, तो प्राधिकरण दोबारा सख्त प्रवर्तन कार्रवाई अमल में लाएगा।

नगीना धामपुर फोरलेन पर भीषण सड़क हादसा, स्कॉर्पियो की टक्कर से रिटायर्ड शिक्षक और बैंककर्मी की मौत

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना धामपुर फोरलेन मार्ग पर बुधवार पूर्वाह्न हुए भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार दो बुजुर्गों की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने स्कूटी को सामने से इतनी जोरदार टक्कर मारी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। मृतकों में एक सेवानिवृत्त शिक्षक और एक जिला सहकारी बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारी शामिल हैं। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार धामपुर की साकेत कॉलोनी निवासी विजयपाल (67), जो सेवानिवृत्त शिक्षक थे, तथा ग्राम सराय-पुरेनी निवासी महावीर सिंह (68), जो जिला सहकारी बैंक से सेवानिवृत्त थे, बुधवार को स्कूटी से ग्राम पुरेनी में एक परिचित की शोकसभा में शामिल होने पहुंचे थे। वहां से लौटते समय उन्होंने पुरेनी स्थित बैंक से रुपये निकाले और धामपुर के लिए रवाना हो गए। पूर्वाह्न लगभग 10:45 बजे ग्राम पुरेनी स्थित आदर्श कन्या इंटर कॉलेज के सामने जैसे ही वे अपनी लेन में मुड़े, तभी धामपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी को सामने से टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बुजुर्ग कई फीट दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं स्कॉर्पियो भी अनियंत्रित होकर कई पलटियां खाते हुए सड़क किनारे जा पलटी। दुर्घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर मंझेडा पुलिस चौकी और धामपुर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से दोनों शवों को 108 एम्बुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया गया। थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया गया है, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों की तहरीर प्राप्त हो गई है और आरोपी चालक की तलाश के साथ उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई।

गौसेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने कान्हा गौशाला का किया औचक निरीक्षण, बीमार गौवंश के त्वरित उपचार के दिए निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश गौसेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने मंगलवार को नुमाइश ग्राउंड स्थित कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंश को गुड़ खिलाकर उनका पूजन किया तथा गौसंरक्षण की व्यवस्थाओं का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौवंश के संरक्षण, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान गौशाला में कुल 218 गौवंश संरक्षित पाए गए, जिनमें 24 नर तथा 194 मादा गौवंश शामिल हैं। इनमें पांच गौवंश बीमार एवं अस्वस्थ मिले। इस पर दीपक गोयल ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सभी बीमार पशुओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध उपचार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के साथ पशुओं की निरंतर निगरानी की जाए ताकि किसी भी बीमारी की स्थिति में तुरंत उपचार उपलब्ध कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान गौशाला में गौवंश के लिए हरा चारा, भूसा और चोकर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिला, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने केयर टेकरों को निर्देशित किया कि गौवंश के खान-पान, साफ-सफाई तथा स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही गौशाला में स्थापित सभी सीसीटीवी कैमरे संचालित अवस्था में पाए गए, जिससे सुरक्षा व्यवस्था संतोषजनक मिली। दीपक गोयल ने अधिकारियों से कहा कि गौवंश के पोषण स्तर को और बेहतर बनाने के लिए हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाई जाए तथा गौशाला की सुविधाओं को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गौवंश की सेवा और संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पशुपालन विभाग मुरादाबाद मंडल के अपर निदेशक (प्रथम) डॉ. जगदीश प्रसाद, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. अनुपम जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम का गाजियाबाद में स्वागत, कार्यकताओं ने संगठन मजबूत करने का लिया संकल्प

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के उत्तर प्रदेश आगमन पर बुधवार सुबह गाजीपुर बॉर्डर स्थित उत्तर प्रदेश प्रवेश द्वार (यूपी गेट) पर जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद के अध्यक्ष सतीश शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। दिल्ली से अलीगढ़ की प्रस्तावित यात्रा के दौरान आयोजित स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर सतीश शर्मा ने कहा कि राजेंद्र पाल गौतम के नेतृत्व और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा कार्यकताओं का मनोबल और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है और संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। कार्यकताओं ने भी आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने और पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

स्वागत समारोह में मांगेराम त्यागी, शशि भूषण शर्मा, राजेश गुप्ता, डोली त्यागी, अजय शर्मा, बीएस नेगी, कपिल यादव, सुशील शर्मा, विश्वदीप त्यागी, हाजी खुर्शीद अली, रिजवान मलिक, रूबी मलिक, सीमा, नजमीन, पंकज तेजानिया, चंद्रपाल, सूर्यकांत, शिवदत्त अधाना, सुरेश शर्मा, ब्रजकांत शर्मा, आचार्य विकास त्यागी, विनोद धाम, रियाज सैफी, श्याम पोरवाल, आबिद अली, पन्नालाल शर्मा, यश कौशिक और आशुतोष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वागत कार्यक्रम के बाद राजेंद्र पाल गौतम अपने पूर्व निर्धारित संगठनात्मक कार्यक्रम के तहत अलीगढ़ के लिए रवाना हो गए। जिला कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद ने उनके सफल प्रवास और संगठनात्मक अभियान के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

राशन डीलरों से अवैध वसूली के आरोप में भाकियू (टिकैत) का नगीना पूर्ति कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। पूर्ति विभाग के अधिकारियों पर राशन डीलरों से कथित अवैध वसूली और जांच के नाम पर उत्पीड़न करने के आरोप लगाते हुए भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने बुधवार से नगीना स्थित पूर्ति कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। संगठन का आरोप है कि भ्रष्टाचार और शोषण के कारण न केवल कोटेदार आर्थिक व मानसिक दबाव में हैं, बल्कि इसका सीधा असर गरीब राशन कार्ड धारकों तक पहुंच रहा है। भाकियू (टिकैत) के नगीना तहसील प्रभारी सोनू विरक ने बताया कि पूर्ति विभाग के कुछ अधिकारी क्षेत्र के राशन डीलरों से प्रति कुंतल 100 रुपये के हिसाब से कथित अवैध वसूली करते हैं। उनका आरोप है कि इसके अतिरिक्त अधिकारी जांच के नाम पर क्षेत्र में जाकर भी कोटेदारों से धन की मांग करते हैं, जिससे राशन विक्रेताओं का लगातार शोषण हो रहा है। सोनू विरक ने कहा कि अधिकारियों की इस कार्यशैली के कारण कोटेदारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इसकी भरपाई करने के लिए कई राशन विक्रेता राशन वितरण में कटौती करने को मजबूर हो जाते हैं, जिसका सबसे अधिक नुकसान गरीब और जरूरतमंद लाभार्थियों को उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि संगठन भ्रष्टाचार के इस कथित तंत्र के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ रहा है। धरना बुधवार अपराह्न करीब तीन बजे से शुरू हुआ। भाकियू नेताओं का कहना है कि जब तक कथित अवैध वसूली बंद नहीं होती और आरोपित अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। सोनू विरक के अनुसार, मामले को लेकर जिला पूर्ति कार्यालय स्तर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी अधिकारियों से वार्ता कर रहे हैं। वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष बाबूराम तोमर, जिला महासचिव नरदेव सिंह, प्रदेश सचिव दिनेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह, जिला सचिव राजीव चौहान तथा तहसील अध्यक्ष सोनू विरक शामिल हैं। भाकियू नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। वहीं, समाचार लिखे जाने तक पूर्ति विभाग की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

खुडलिया के जंगल में तेंदुए की दस्तक, ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए वन विभाग ने लगाया पिंजरा

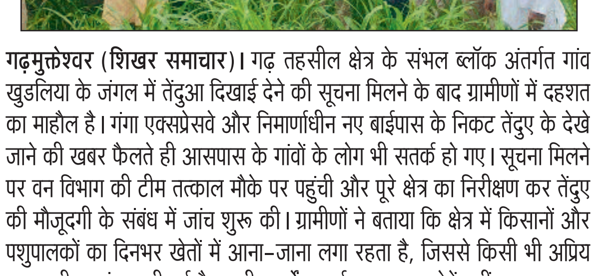

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ तहसील क्षेत्र के संभल ब्लॉक अंतर्गत गांव खुडलिया के जंगल में तेंदुआ दिखाई देने की सूचना मिलने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गंगा एक्सप्रेसवे और निमार्णाधीन नए बाईपास के निकट तेंदुए के देखे जाने की खबर फैलते ही आसपास के गांवों के लोग भी सतर्क हो गए। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण कर तेंदुए की मौजूदगी के संबंध में जांच शुरू की। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में किसानों और पशुपालकों का दिनभर खेतों में आना-जाना लगा रहता है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। ग्रामीण धर्मेंद्र शर्मा, ग्राम प्रधान देवेंद्र ढींगरा तथा अन्य ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से तेंदुए को शीघ्र पकड़ने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि तेंदुए की मौजूदगी से लोगों में भय व्याप्त है और बच्चे तथा महिलाएं भी घरों से बाहर निकलने में आशंकित हैं। ग्रामीणों की मांग और सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने संभावित स्थान पर तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा स्थापित कर दिया है। इसके साथ ही विभाग की टीम लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है और तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। वन क्षेत्राधिकारी करन सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा पूरे इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है। तेंदुए के पदचिह्नों और उसकी गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे खेतों और जंगल की ओर अकेले न जाएं, रात के समय विशेष सावधानी बरतें तथा तेंदुआ दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दें। उन्होंने कहा कि तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़ने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मौके पर वन विभाग के अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। विभाग ने स्पष्ट किया कि जब तक तेंदुआ पकड़ा नहीं जाता, तब तक क्षेत्र में लगातार निगरानी जारी रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त वनकर्मियों की भी तैनाती की जाएगी, ताकि ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, शिक्षकों को वितरित किए गए स्वास्थ्य कार्ड

हापुड़ (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना एवं प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाओं ने भाग लिया। समारोह के दौरान वाराणसी में आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुख्य कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पात्र शिक्षकों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से धनराशि हस्तांतरित की। साथ ही शिक्षकों के वेतन खातों के संबंध में भारतीय स्टेट बैंक के साथ हुए समझौता ज्ञापन की जानकारी भी साझा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाधिकारी कविता मीना ने की। जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा हूणा और भाजपा जिलाध्यक्ष कविता माधरे विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. श्वेता पूठिया के नेतृत्व में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के पात्र शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा योजना के स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त करने वाले शिक्षकों ने इसे सरकार की महत्वपूर्ण और जनहितकारी पहल बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

मुख्य अतिथि सूर्य प्रकाश पाल ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में परिषदीय विद्यालयों के आधारभूत ढांचे में व्यापक सुधार हुआ है। कायाकल्प योजना के माध्यम से सरकारी विद्यालयों में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हुआ है और आज अनेक विद्यालय निजी विद्यालयों के समकक्ष दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का स्वस्थ और सुरक्षित रहना आवश्यक है, इसलिए यह योजना उनके लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें, ताकि वे भविष्य के जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा हूणा ने कहा कि सरकार शिक्षकों के सम्मान और कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष कविता माधरे ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा योजना से शिक्षकों और उनके परिवारों को उपचार के दौरान आर्थिक राहत मिलेगी तथा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा।

कार्यक्रम का संचालन अंजू तोमर और अंजू आजाद ने संयुक्त रूप से किया। अंत में जिलाधिकारी ने सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षाविद विपिन चौहान, श्वेता गुप्ता, डॉ. सुमन अग्रवाल, पूजा मित्तल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूल के बाहर छात्र पर हमला, धारदार हथियार से घायल

मोदीनगर (शिखर समाचार)। हापुड़ रोड स्थित एक निजी विद्यालय के बाहर कक्षा 11 के छात्र पर कुछ युवकों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने पहले छात्र के साथ मारपीट की और बाद में धारदार हथियार से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शाहजहांपुर रोड स्थित ग्रीन सिटी कॉलोनी निवासी अनुज चौधरी का पुत्र धैर्य कुमार हापुड़ रोड स्थित डॉ. के. एन. मोदी ग्लोबल स्कूल में कक्षा 11 का छात्र है। बताया गया कि विद्यालय की छुट्टी के बाद जैसे ही धैर्य कुमार स्कूल से बाहर निकला, पहले से मौजूद कुछ दबंग युवकों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि युवकों ने पहले उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की और इसके बाद धारदार हथियार से हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और घायल छात्र को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना के कारणों और हमलावरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

इंटर कॉलेज में छात्रा से छेड़छाड़ का आरोपी शिक्षक गिरफ्तार, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया

हापुड़ (शिखर समाचार)। दिल्ली रोड स्थित एक इंटर कॉलेज में अध्ययनरत इंटरमीडिएट की छात्रा से कथित छेड़छाड़, अशोभनीय टिप्पणियां करने, आपत्तिजनक संदेश भेजने तथा धमकी देने के आरोप में पुलिस ने कॉलेज के अर्थशास्त्र के शिक्षक डॉ. विजय कुमार मित्तल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। छात्रा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के सामने आने के बाद शिक्षण संस्थानों में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर चर्चा शुरू हो गई है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़ित छात्रा ने आरोप लगाया है कि आरोपी शिक्षक पिछले लगभग दो वर्षों से कक्षा के दौरान उसके प्रति अशोभनीय व्यवहार करता था और आपत्तिजनक टिप्पणियां करता था। छात्रा का आरोप है कि शिक्षक सामाजिक माध्यम इंस्टाग्राम के जरिए भी उसे अनुचित संदेश भेजता था। शिकायत के अनुसार आरोपी शिक्षक ने छात्रा से यह भी कहा कि वह उसे पसंद करता है तथा गले मिलने से उसे शक्ति मिलेगी। इतना ही नहीं, छात्रा ने आरोप लगाया कि शिक्षक ने उसे घर पर अकेले आने के लिए कहा और विरोध करने पर परीक्षा में असफल कर देने की धमकी भी दी। आरोपों से मानसिक रूप से परेशान छात्रा ने अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। थाना हापुड़ के प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि छात्रा की तहरीर के आधार पर आरोपी शिक्षक के विरुद्ध संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

अल्लामा इरफान रूमानी की 10वीं पुण्यतिथि पर सजी अदबी महफिल, शकील बिजनौरी को मिला इरफान रूमानी सम्मान

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। स्थानीय गुलिस्तान-ए-शाहिद में कौमी इत्तेहाद ट्रस्ट के तत्वावधान में प्रख्यात शायर एवं साहित्यकार अल्लामा इरफान रूमानी की 10वीं पुण्यतिथि पर साहित्यिक संगोष्ठी और भव्य मुशायरे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए शायरों और साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को देर रात तक मंत्रमुग्ध रखा। इस अवसर पर उर्दू साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ शायर शकील अहमद खां शकील बिजनौरी को वर्ष 2026 का अल्लामा इरफान रूमानी सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ हाफि ज नगीनवी द्वारा पवित्र कुरआन की तिलावत से हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजशास्त्री डॉ. दाऊद मुल्तानी ने की, जबकि संचालन बहाउद्दीन बहार शम्सी ने किया। साहित्यिक गोष्ठी के प्रथम चरण में शकील बिजनौरी को सम्मानित किया गया। इसके बाद वरिष्ठ शायर तय्यब आजाद शेरकोटी ने शमा रोशन कर मुशायरे का विधिवत शुभारंभ किया।

कौमी इत्तेहाद ट्रस्ट के अध्यक्ष परवेज आदिल ने अल्लामा इरफान रूमानी के व्यक्तित्व, उनकी शायरी की विशेषताओं और समाज के प्रति उनके साहित्यिक योगदान पर शोधपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इरफान रूमानी की रचनाएँ आज भी नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक हैं और उनकी साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाना सभी साहित्य प्रेमियों की जिम्मेदारी है।

मुशायरे में तस्लीम अहमद 'तस्लीम' नगीनवी, रईस अहमद राज, अशरफ शेरकोटी, तय्यब आजाद शेरकोटी, शाहिद अंजुम, सुनील साहिल (देहरादून), अलमास रूमानी शेरकोट, डॉ. एहतशाम तश्ना, अब्दुल वाहिद मुसव्विर, शकील बिजनौरी, यासीन रहबर, खुर्शीद नाज नहटौरी, बहार शम्सी नगीनवी, डॉ. आलमगीर काजमी, माहिर स्योहारवी तथा डॉ. दाऊद नूर सहित अनेक शायरों ने अपने प्रभावशाली अशआर प्रस्तुत किए। सामाजिक सरोकार, इंसानियत, प्रेम, भाईचारे और समकालीन परिस्थितियों पर आधारित रचनाओं को श्रोताओं ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में जुबैर इकबाल जनजान, जमशेद निसार, तनवीर अख्तर, महताब अहमद, शेख राशिद, आरिफ उस्मानी, असलम सिद्दीकी, मरगूब मुल्तानी, फैज अहमद, शहजाद हुसैन, साकिब हुसैन, मोहम्मद अनस, मोहम्मद नाज़िम, गुलजार मुल्तानी सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

झटपट पोर्टल के आवेदन जल्द निस्तारित करें, सभी मीटरों की हो सही बिलिंग

गोरखपुर, एजेंसी। बिजली निगम के चेयरमैन डॉ. आशीष गोयल ने झटपट पोर्टल पर नए बिजली कनेक्शन के लिए प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार दोपहर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन्होंने प्रदेशभर के अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान मुख्य अभियंता सहित सभी एसई जुड़े रहे। चेयरमैन ने कहा कि सभी उपभोक्ताओं के मीटरों की सही बिलिंग सुनिश्चित की जाए और समय पर बिजली बिल उपलब्ध कराया जाए। समय से और सही बिल मिलने पर उपभोक्ताओं को भुगतान में सुविधा होगी तथा राजस्व संग्रह भी बेहतर होगा। उन्होंने अधिकारियों को नो-डिस्प्ले और खराब मीटरों को प्राथमिकता के आधार पर बदलने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

सैनिक विहार की बिजली समस्याओं को लेकर एसई से मिले पीड़ित

गोरखपुर, एजेंसी। सैनिक सहकारी आवास समिति के पदाधिकारियों ने सोमवार को सैनिक विहार कॉलोनी की बिजली समस्याओं को लेकर मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता रणजीत चौधरी से मुलाकात की। समिति ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं से अधिकारियों को पत्र देकर अवगत कराया और शीघ्र समाधान की मांग की। अधिकारियों ने बताया कि नंदानगर में नए पॉवर हाउस के निर्माण का टेंडर स्वीकृत हो चुका है तथा ठेकेदार को कार्य आवंटित कर दिया गया है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद सैनिक विहार समेत आसपास के क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था में सुधार की उम्मीद है। समिति अध्यक्ष सेत बहादुर सिंह ने अभियान में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का आभार जताया। इस दौरान उपाध्यक्ष जेपी गुप्ता, रणविजय सिंह, अवधेश पांडेय, एनएन तिवारी, आरके सिंह, मनोज सिंह, धीरेंद्र प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक एवं समिति के सदस्य मौजूद रहे।

चर्म निर्यात परिषद के राष्ट्रीय पुरस्कार में कानपुर का दबदबा

कानपुर एजेंसी। चर्म निर्यात परिषद की ओर से सोमवार को दिल्ली के होटल में वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इसमें शहर के निर्यातकों का दबदबा रहा। 200 से 300 करोड़ के निर्यात श्रेणी समेत कुल 10 पुरस्कार कानपुर की झोली में आए हैं। ब्रांड क्रिएशन में ग्रोमोर इंटरनेशनल को पहला पुरस्कार हासिल हुआ है। केंद्र सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ग्रोमोर इंटरनेशनल के डायरेक्टर शिवेंद्र सचान को पुरस्कार दिया। 200 से 300 करोड़ की निर्यात श्रेणी में लेदर फुटवियर में रहमान इंडस्ट्रीज को पहला स्थान मिला। 100 से 200 करोड़ की श्रेणी में फिनिश्ड लेदर में मॉडल टेनरी को पहला स्थान हासिल हुआ। 100 करोड़ की श्रेणी में फिनिश्ड लेदर में सुपर टेनरी लिमिटेड को पहले स्थान से नवाजा गया। टेनरी की ओर से जफर फिरोज ने पुरस्कार लिया। लेदर गुड्स में करेन इंटरनेशनल को पहला पुरस्कार मिला, जबकि फुटवियर कंपोनेंट शू अपर श्रेणी में होमेरा टेनरी को दूसरा स्थान हासिल हुआ। हार्नेस और सैडलरी श्रेणी में कानपुर के सुपर हाउस ग्रुप ने पहले स्थान पर बाजी मारी। दूसरे स्थान पर इसी श्रेणी में टेक्सट हॉर्स रहा। 50 करोड़ से 100 करोड़ के फुटवियर कंपोनेंट श्रेणी में कानपुर की थ्रेड्स इंटरनेशनल को पहला स्थान मिला। सौ करोड़ से ऊपर की हार्नेस और सैडलरी श्रेणी में इब्राहिम इंटरनेशनल को दूसरा स्थान हासिल हुआ। शहर के निर्यातकों की उपलब्धि पर उन्हें चारों ओर से बधाई मिल रही है। कानपुर से चर्म उत्पाद विभिन्न देशों को निर्यात हो रहे हैं।

ऑपरेशन प्रहार : पीआईटी एनडीपीएस एक्ट में दो कफ सिरप तस्करों के खिलाफ पुलिस ने पहली बार की निरुद्ध कार्यवाही

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अपराध शाखा और थाना नंदग्राम पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके ऊपर पीआईटी एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही कर दी है। गाजियाबाद पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह गाजियाबाद में पहली बार पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई कार्रवाई है। संवाददाता सम्मेलन में एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर ने बताया कि बीती 3/4 नवंबर 2025 की रात अपराध शाखा की स्वाट टीम और नंदग्राम थाना पुलिस ने मेरठ रोड स्थित एक गोदाम परिसर में संयुक्त छापेमारी की थी। इस कार्रवाई में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर वहां खड़े चार ट्रकों से कुल 1150 पेटी कोडीनयुक्त कफ सिरप बरामद किया गया था। बरामद माल में कफ सिरप शामिल थीं। इसके अलावा एक क्रेटा कार, 10 मोबाइल फोन, सिम कार्ड तथा फर्जी मोहरें भी बरामद की गई थीं। इस मामले में थाना नंदग्राम पर एनडीपीएस एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर सहारनपुर निवासी विभोर राणा और विशाल सिंह का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित

कर दिया। विभोर राणा और विशाल सिंह लंबे समय से कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी में संलिप्त थे। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी संगठित तरीके से प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी कर रहे थे। आरोपियों के खिलाफ पहले से भी विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज हैं। विभोर राणा पर सहारनपुर, लखनऊ और गाजियाबाद में कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं, जबकि विशाल सिंह के विरुद्ध भी लखनऊ और गाजियाबाद में आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों आरोपियों के पुनः तस्करी जैसी गतिविधियों में शामिल होने की आशंका थी, जिससे समाज पर व्यापक दुष्प्रभाव पड़ सकता था। इसी को देखते हुए अपराध शाखा और नंदग्राम पुलिस ने पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को निरुद्ध किया है। इस कानून के अंतर्गत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 माह तक निरुद्ध रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि पीआईटी एनडीपीएस एक्ट का उद्देश्य मादक एवं मनःप्रभावी पदार्थों के अवैध व्यापार में शामिल व्यक्तियों को निवारक निरोध के माध्यम से रोकना है, ताकि वे भविष्य में ऐसी गतिविधियों को अंजाम न दे सकें। यह कानून एनडीपीएस एक्ट, 1985 से अलग है। जहां एनडीपीएस एक्ट अपराध के लिए गिरफ्तारी, मुकदमा और दंड का प्रावधान करता है, वहीं पीआईटी एनडीपीएस एक्ट भविष्य में अवैध तस्करी रोकने के उद्देश्य से लागू किया जाता है। इससे पूर्व अपराध शाखा ने दोनों आरोपियों की लगभग 15 करोड़ रुपये मूल्य की चल-अचल संपत्तियां भी एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत फ्रीज की जा चुकी हैं।

विद्युत ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश, पांच बदमाश गिरफ्तार

हापुड़/सिंभावली (शिखर समाचार)। जनपद में विद्युत ट्रांसफार्मरों और नलकूपों के उपकरण चोरी करने वाले सक्रिय गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश करते हुए उसके पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। थाना सिंभावली और बहादुरगढ़ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से लगभग एक कुंटल तांबे का विद्युत तार, ट्रांसफार्मर चोरी में प्रयुक्त उपकरण, अवैध हथियार तथा दो कारें बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों ने जिले में हुई दो बड़ी चोरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपियों के विरुद्ध हापुड़, मेरठ, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर समेत विभिन्न जनपदों में करीब दो दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने पुलिस कार्यालय के सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि थाना सिंभावली और बहादुरगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर हिम्मतपुर के निकट गंगा एक्सप्रेस-वे के सर्विस रोड से पहले स्थित अंडरपास के पास घेराबंदी कर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान आसिफ पुत्र मुस्तकीम निवासी महपा रोड, सिवास खास, थाना जानी (मेरठ), आस मोहम्मद उर्फ आशू पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी नानू, थाना सरधना (मेरठ), मोहम्मद आरिफ पुत्र याद इलाही निवासी द्वारकापुरी, जसीपुरा, दिल्ली गेट, समीर पुत्र रियाजुद्दीन निवासी रसूलपुर सिकरोड़ा, थाना मसूरी (गाजियाबाद) तथा शाहिद पुत्र

आजाद निवासी नंदग्राम (गाजियाबाद) के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से लगभग एक कुंटल तांबे का विद्युत तार, ट्रांसफार्मर और विद्युत उपकरण चोरी करने में प्रयुक्त औजार, अवैध हथियार तथा दो कारें बरामद की गई हैं। पूछताछ में आरोपियों ने 25 अप्रैल को ग्राम फुलहेड़ा के जंगल से नलकूप की मोटर चोरी तथा 16 जून को ग्राम माधापुर के जंगल से विद्युत ट्रांसफार्मर के उपकरण चोरी करने की घटना को स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह लंबे समय से सुनसान क्षेत्रों में लगे ट्रांसफार्मरों और कृषि नलकूपों को निशाना बनाकर तांबे के तार एवं अन्य कीमती उपकरण चोरी कर उन्हें बेच देता था। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार सभी आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। इनके विरुद्ध विद्युत तार चोरी, शस्त्र अधिनियम सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और हापुड़ में करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अन्य घटनाओं में भी इनकी संलिप्तता की जांच कर रही है तथा गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

लूट के चौथे आरोपी को मसूरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना मसूरी पुलिस ने 2.25 लाख रुपये की लूट की घटना का सफल खुलासा करते हुए मामले में वांछित चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूट की रकम में से 45 हजार रुपये तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। इससे पहले पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बीती 5 जुलाई को रिजवान नामक व्यक्ति ने थाना मसूरी में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने अपनी फैक्ट्री दिचरा से अपने पार्टनर दानिश के माध्यम से 2 लाख 25 हजार रुपये मंगवाए थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने रुपये छीन लिए और फरार हो गए। शिकायत के आधार पर थाना मसूरी में भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना मसूरी पुलिस और ग्रामीण जोन की स्वाट टीम को खुलासे के लिए लगाया गया। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सूचना के आधार पर घटना का पदार्फाश करते हुए नबेद, शादाब और फुरकान नामक आरोपियों को 6 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने उनके कब्जे से लूट की रकम में से 1 लाख 67 हजार रुपये बरामद किए थे। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया था।पुलिस की कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए सूचना पर मामले में फरार चल रहे चौथे आरोपी शोएब को थाना मसूरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास

से 45 हजार रुपये नकद और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ की गई, जिसमें उसने पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया। पूछताछ में शोएब ने बताया कि वह नबेद, शादाब और फुरकान का करीबी दोस्त है। नबेद को पहले से जानकारी थी कि उसके रिश्तेदार मोहम्मद रिजवान के कहने पर फैक्ट्री से 2.25 लाख रुपये मसूरी लाए जा रहे हैं। रकम की जानकारी मिलने पर चारों के मन में लालच आ गया और उन्होंने लूट की योजना बनाई। योजना के तहत नबेद रुपये लेकर आ रहा था, जबकि अन्य आरोपी उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे ताकि किसी को उन पर शक न हो। बाद में बांके बिहारी डेंटल कॉलेज के पास लूट की कहानी रची गई और रकम को आपस में बांट लिया गया। गिरफ्तार आरोपी शोएब पुत्र असलम मूल रूप से आदर्श नगर, गढ़मुक्तेश्वर हापुड़ का निवासी है और वर्तमान में हापुड़ जिले के पिलखुआ क्षेत्र में किराये के मकान में रह रहा था।

मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत कार्रवाई, एआरटीओ ने चार स्कूली वाहन किए सीज, 12 के चालान

हापुड़ (शिखर समाचार)। स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन सेफ फ्यूचर अभियान के तहत परिवहन विभाग ने बुधवार को जनपद में व्यापक जांच अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर चार स्कूली वाहनों को सीज कर दिया गया, जबकि 12 अन्य वाहनों के चालान किए गए। अचानक हुई इस कार्रवाई से विद्यालय संचालकों और वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध दस्तावेज, फिटनेस प्रमाणपत्र अथवा परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) रमेश चंद चौबे ने बताया कि उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त के निर्देश पर पूरे जनपद में मिशन सेफ फ्यूचर अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को विभिन्न विद्यालयों के स्कूली वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान कई वाहनों में फिटनेस प्रमाणपत्र, आवश्यक प्रपत्र एवं परमिट संबंधी अनियमितताएं पाई गईं।

नियमों का गंभीर उल्लंघन मिलने पर चार वाहनों को संबंधित थानों में सीज कर दिया गया, जबकि 12 वाहनों के चालान कर उन्हें आवश्यक निर्देशों के साथ छोड़ा गया। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। सभी विद्यालयों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों से अपील की गई है कि वे अपने संस्थानों में संचालित सभी वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, परमिट, प्रदूषण प्रमाणपत्र तथा अन्य आवश्यक अभिलेख पूर्ण कराने के बाद ही उन्हें सड़क पर संचालित कराएं। यदि भविष्य में बिना पूर्ण दस्तावेजों के कोई वाहन संचालित मिलता है तो उसे तत्काल निरुद्ध करने के साथ संबंधित विद्यालय के विरुद्ध भी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को केवल उन्हीं स्कूली वाहनों से भेजें जिनके सभी आवश्यक दस्तावेज वैध हों और जो परिवहन विभाग के सुरक्षा मानकों का पालन करते हों। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों के दस्तावेज अधूरे हैं अथवा जो नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनकी सूची पूर्व में सार्वजनिक की जा चुकी है। ऐसे वाहनों में बच्चों को भेजने से बचें और किसी भी अनियमितता की सूचना तत्काल परिवहन विभाग को दें।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू, 65 शिक्षकों को वितरित किए गए स्वास्थ्य कार्ड

शामली (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बुधवार को वाराणसी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। जनपद शामली में इस अवसर पर दिल्ली रोड स्थित बारातघर में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने योजना के शुभारंभ का सीधा प्रसारण देखा और इसके उद्देश्य तथा लाभों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधान परिषद सदस्य विरेन्द्र सिंह, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, जिलाधिकारी आलोक यादव, मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल तथा जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक प्रेमचंद ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए विरेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज के विकास में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि स्कूल चलो अभियान और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के माध्यम से प्रदेश के बच्चों के भविष्य को मजबूत आधार मिल रहा है। परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है तथा गणवेश, जूते-मोजे, विद्यालय बैग और लेखन सामग्री के लिए मिलने वाली धनराशि सीधे अभिभावकों के बैंक खातों में भेजी जा रही है, जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता आई है और विद्यार्थियों को समय पर लाभ मिल रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप ने कहा कि डबल इंजन सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। जिलाधिकारी आलोक यादव, मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार ने अभिभावकों से अपने बच्चों का अधिक से अधिक नामांकन निकटवर्ती परिषदीय विद्यालयों में कराने की अपील की। उन्होंने स्कूल चलो अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान भी किया।

कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग के 50 तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग के 15 शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के कार्ड वितरित किए गए। साथ ही छात्र-छात्राओं को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के अंतर्गत मिलने वाली सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन अनुराग शर्मा एवं पूनम तोमर ने किया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या लक्ष्मी जायसवाल, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बिना सूचना बिजली कनेक्शनों का लोड बढ़ाने के विरोध में सपा का प्रदर्शन, अधीक्षण अभियंता को सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शनों का भार क्षमता (लोड) बिना पूर्व सूचना बढ़ाए जाने के विरोध में किसानों और ग्रामीणों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रोफेसर सुधीर पंवार के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए इस व्यवस्था को तत्काल वापस लेने की मांग की।

ज्ञापन में प्रोफेसर सुधीर पंवार ने कहा कि उपभोक्ताओं की जानकारी और सहमति के बिना बिजली कनेक्शन का लोड बढ़ाना पूरी तरह अनुचित और उपभोक्ता हितों के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली की दरों में प्रत्यक्ष वृद्धि करने के बजाय विभाग ने कनेक्शनों

का लोड बढ़ाकर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का रास्ता अपनाया है। उनका कहना था कि एक किलोवाट लोड बढ़ने पर उपभोक्ताओं को लगभग 90 रुपये अतिरिक्त स्थायी शुल्क देना पड़ता है, जबकि अधिक लोड बढ़ने पर यह राशि और अधिक हो जाती है। पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक चौधरी ने कहा कि सरकार विभिन्न माध्यमों से आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस प्रकार पहले यूरिया के बोरे का वजन कम किया गया था, उसी प्रकार अब बिजली कनेक्शनों का लोड बढ़ाकर उपभोक्ताओं से अधिक वसूली की जा रही है। अनिल कोरी ने कहा कि इस निर्णय का सबसे अधिक असर गरीब और ग्रामीण उपभोक्ताओं पर पड़ा है। उन्होंने दावा किया कि अनेक ऐसे उपभोक्ता हैं, जिनके एक किलोवाट के कनेक्शन बिना जानकारी के बढ़ाकर तीन किलोवाट कर दिए गए हैं, जिससे उनके बिजली बिलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि बिना सहमति लोड बढ़ाने की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई गई तो पार्टी किसानों और उपभोक्ताओं के साथ व्यापक आंदोलन शुरू करेगी। इस पर अधीक्षण अभियंता वीरेंद्र सिंह ने बताया कि कनेक्शनों का लोड बढ़ाने का निर्णय प्रदेश स्तर पर लिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ग्रामीणों और उपभोक्ताओं की शिकायतों से उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा जाएगा। इस अवसर पर नरेन्द्र प्रधान, सलेक प्रधान, ओम सिंह ताना, मुन्तयाज सभासद, नीरज पहलवान, सत्यवान चौधरी, अभिषेक शर्मा, सतीश जलालपुर, देवेंद्र वालिया, सचिन पंवार सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

थानाभवन पहुंचे भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर का बुधवार को थानाभवन आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। गेस्ट हाउस में आयोजित स्वागत समारोह में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा की उपस्थिति में कार्यकताओं ने नवाब सिंह नागर का फूल-मालाएं पहनाकर अभिनंदन किया और संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर नवाब सिंह नागर ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी

ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूरी सक्रियता से कार्य करना चाहिए, ताकि पार्टी की नीतियों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। उन्होंने कार्यकताओं से नियमित रूप से जनता के बीच रहने, उनकी समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने का भी आह्वान किया। पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने कहा कि संगठन की मजबूती ही भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने कार्यकताओं से आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों में पूरी सक्रियता के साथ भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष ने विभिन्न पदाधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की और आगामी रणनीति पर चर्चा की। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा और कार्यकताओं ने क्षेत्रीय अध्यक्ष के स्वागत में पार्टी के समर्थन में नारे भी लगाए।

12 जुलाई को जनपद में लगाए जाएंगे 15.87 लाख पौधे, वृहद वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में 12 जुलाई को आयोजित होने वाले वृहद वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी आलोक यादव ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में अभियान की तैयारियों, पौधों की उपलब्धता, गड्ढों की खुदाई, रोपण स्थलों की व्यवस्था तथा विभागवार लक्ष्य की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि इस वर्ष जनपद में कुल 15 लाख 87 हजार 300 पौधों का रोपण किया जाएगा। इनमें वन विभाग द्वारा 2

लाख 59 हजार तथा विभिन्न विभागों द्वारा 13 लाख 28 हजार 300 पौधे लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम न होकर जनभागीदारी का उत्सव बनना चाहिए। इसके लिए ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों तथा सामाजिक संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ सकें। जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधों के उठान की प्रतिदिन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए तथा अभियान की निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर, पंचायत सचिवालय और अन्य चिन्हित स्थलों पर किए जाने वाले वृक्षारोपण की छायाचित्रों सहित नियमित सूचना उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही खोखरी नदी के किनारे विशेष वृक्षारोपण कर हरित पट्टी विकसित करने पर भी विशेष बल दिया गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल, प्रभागीय वनाधिकारी अभिनव राज सहित वन, पंचायती राज, नगर निकाय, शिक्षा, कृषि और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने अभियान को सफल बनाने के लिए विभागवार तैयारियों की जानकारी भी जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की।

श्रावण शिवरात्रि कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा, सुरक्षा और सुविधाओं पर रहेगा विशेष फोकस

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। आगामी श्रावण मास एवं शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी मेघा रूपम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा, विद्युत, स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी विभागों को समयबद्ध ढंग से तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने संपूर्ण कांवड़ मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को अपने-अपने नियंत्रण कक्ष पूरी तरह सक्रिय रखने के लिए कहा, ताकि किसी भी आपात स्थिति का तत्काल और प्रभावी समाधान किया जा सके। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने निर्देश दिए कि यात्रा प्रारंभ होने से पहले सभी व्यवस्थाएं हर हाल में पूर्ण कर ली जाएं। कांवड़ शिविरों में पेयजल, स्वच्छता, डस्टबिन, स्नानघर, शौचालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। वर्षा ऋतु को देखते हुए नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए, ताकि कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त संख्या में एम्बुलेंस,

चिकित्सकीय दल तथा एंटी वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमुख स्थलों, कांवड़ शिविरों और निकटवर्ती थाना-चौकियों के पास चिकित्सा शिविर स्थापित किए जाएं तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहें। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि कांवड़ मार्ग पर विद्युत सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। ट्रांसफार्मरों के आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा बिजली के पोलों को इंसुलेशन से कवर किया जाए, जिससे वर्षा के दौरान करंट फैलने जैसी घटनाओं की आशंका समाप्त हो सके। वन विभाग को कांवड़ मार्ग पर झाड़ियों की कटाई, मार्ग में बाधा उत्पन्न करने वाली पेड़ों की शाखाओं की छंटाई तथा साफ-सफाई का कार्य समयबद्ध रूप से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित विभागों को कांवड़ मार्गों पर पर्याप्त एवं निर्बाध प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, अतिक्रमण हटाने तथा सड़कों को गड्ढामुक्त कराने के निर्देश भी दिए। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, व्यस्त मार्गों और चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर विशेष निगरानी रखने के लिए भी कहा गया। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को खाद्य पदार्थों की नियमित जांच कर मिलावट के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने तथा सभी खाद्य प्रतिष्ठानों पर निर्धारित मूल्य सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख स्थानों पर हेल्प डेस्क, दिशा-सूचक और सूचना बोर्ड स्थापित कर श्रद्धालुओं को समय पर आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। बैठक के अंत में जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों की आवश्यकताओं का भी पूरा ध्यान रखा जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नियमित रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी करें, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

बैठक में पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा रविशंकर निम, पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) शाव्या गोयल, अपर पुलिस उपायुक्त नोएडा मनीषा सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) आर.के. गौतम, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे, डिप्टी कलेक्टर अभय कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा : श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक की तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट, समन्वय बैठक आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। श्रावण मास के दौरान आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा तथा सिद्धपीठ श्रीदूधेश्वरनाथ महादेव मंदिर में श्रावण शिवरात्रि के अवसर पर होने वाले जलाभिषेक कार्यक्रम को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए बुधवार को जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ एवं एडिशनल पुलिस आयुक्त राजकरन नैय्यर ने की। बैठक में श्रीमंहत नारायण गिरि महाराज, सदर विधायक संजीव शर्मा, डीसीपी सिटी धवल जायसवाल, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, अपर जिलाधिकारी नगर सहित नगर निगम, स्वास्थ्य, विद्युत, लोक निर्माण विभाग, सिविल डिफेंस तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा और जलाभिषेक कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। इसके लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। नगर निगम एवं संबंधित निकायों को कांवड़ मार्ग, शिव मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नियमित सफाई, कूड़ा उठान, नालियों की सफाई, फॉगिंग और एंटी-लार्वा छिड़काव सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही पेयजल विभाग को कांवड़ मार्ग और प्रमुख विश्राम स्थलों पर स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने तथा आवश्यकता अनुसार अस्थायी जलापूर्ति केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को कांवड़ मार्ग और प्रमुख मंदिरों के निकट चिकित्सा शिविर स्थापित करने, चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती करने तथा एम्बुलेंस और जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं

विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने, ट्रांसफार्मरों और स्ट्रीट लाइटों की जांच तथा आवश्यक मरम्मत कार्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग को कांवड़ मार्ग पर गड्ढों और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करने, आवश्यक बैरिकेडिंग लगाने और संकेतक बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा प्रमुख मंदिरों और मार्गों पर प्रकाश व्यवस्था, सार्वजनिक एवं मोबाइल शौचालय, विश्राम स्थल और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी और एडिशनल पुलिस आयुक्त ने पुलिस एवं यातायात विभाग को प्रभावी ट्रैफिक प्लान लागू करने, संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने तथा डायवर्जन योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और अन्य तकनीकी संसाधनों के उपयोग पर भी बल दिया गया। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि नियमित स्थलीय निरीक्षण और सतत निगरानी के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाए कि श्रावण मास के सभी धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित और गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हों।

हरिद्वार में छह किलो चांदी चोरी प्रकरण में हापुड़ सरार्फा बाजार पहुंची उत्तराखंड पुलिस, एक व्यक्ति हिरासत में

हापुड़ (शिखर समाचार)। हरिद्वार में हुई करीब छह किलोग्राम चांदी चोरी के मामले की जांच के सिलसिले में बुधवार को उत्तराखंड पुलिस ने हापुड़ के सरार्फा बाजार में दबिश देकर एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे बाजार में हड़कंप मच गया। पुलिस ने कई सरार्फा प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और व्यापारियों सहित अन्य लोगों से पूछताछ भी की। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच अभी जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों

के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार हरिद्वार में दर्ज चांदी चोरी के एक मामले की जांच कर रही उत्तराखंड पुलिस की टीम एक आरोपी को साथ लेकर हापुड़ पहुंची थी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने थाना हापुड़ क्षेत्र स्थित सरार्फा बाजार में कई स्थानों पर जांच की। इस दौरान पुलिस ने चोरी की चांदी की खरीद-फरोख्त अथवा उससे जुड़े संभावित सुरागों की तलाश में कई दुकानों पर पूछताछ की। कार्रवाई के दौरान बाजार में मौजूद व्यापारियों और स्थानीय लोगों की भीड़ एकत्र हो गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस कार्रवाई के दौरान कुछ सरार्फा व्यापारियों ने आपत्ति भी जताई, लेकिन पुलिस ने जांच प्रक्रिया जारी रखते हुए एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई। बताया जा रहा है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति से मामले के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि चोरी हुई चांदी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सके। फिलहाल पुलिस ने हिरासत में लिए गए व्यक्ति की भूमिका को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। उत्तराखंड पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सरार्फा बाजार में हुई इस कार्रवाई को लेकर व्यापारियों के बीच दिनभर चर्चाओं का दौर चलता रहा। पुलिस का मानना है कि पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही चोरी के इस मामले में महत्वपूर्ण खुलासा हो सकता है।

पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में नि:शुल्क कॉपियों का वितरण, पौधारोपण और जागरूकता रैली से शिक्षा का दिया संदेश

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम बसंतपुर सैंथली स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा एक से आठ तक के सभी छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क कॉपियों का वितरण किया गया। कॉपियां मिलने से विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पूरे उत्साह के साथ नए शैक्षिक सत्र की शुरूआत करने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि शासन की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराकर शिक्षा से जोड़ना है। वन महोत्सव के अवसर पर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बच्चों ने पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अधिक से अधिक लोगों को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए प्रकृति, हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण पर आधारित आकर्षक चित्र बनाए। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया। इसी क्रम में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में शामिल विद्यार्थियों और शिक्षकों ने गांव की विभिन्न गलियों से होकर लोगों को सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध नि:शुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें, कॉपियां, वर्दी, मध्यान्ह भोजन तथा अन्य शैक्षिक सुविधाओं की जानकारी दी। अभिभावकों से अपील की गई कि वे प्रत्येक पात्र बच्चे का विद्यालय में नामांकन कराकर उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ें। विद्यालय परिवार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण की भावना भी विकसित करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। पूरे आयोजन के दौरान उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा और बच्चों ने शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

तेज बारिश के बीच दो मकानों पर गिरी आकाशीय बिजली, लाखों का सामान जलकर नष्ट

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बुधवार दोपहर तेज बारिश और आकाशीय बिजली की गड़गड़ाहट के बीच नगर के दो अलग-अलग इलाकों में मकानों पर आकाशीय बिजली गिरने से लाखों रुपये का नुकसान हो गया। दोनों घटनाओं में विद्युत फिटिंग और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर नष्ट हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी भी घटना में जनहानि नहीं हुई और सभी लोग सुरक्षित बच गए। गोविंदपुरी क्षेत्र की सारा रोड स्थित मानवतापुरी कॉलोनी की गली नंबर चार में रहने वाले हारून के मकान पर दोपहर के समय अचानक आकाशीय बिजली गिर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। बाद में पता चला कि बिजली हारून के मकान पर गिरी है। हारून ने बताया कि

आकाशीय बिजली सबसे पहले बिजली के मीटर पर गिरी और वहां से घर की विद्युत वायरिंग के जरिए पूरे मकान में फैल गई। इसके बाद वह छत को क्षतिग्रस्त करते हुए निकल गई। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य एक ही कमरे में मौजूद थे, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हारून के अनुसार आकाशीय बिजली गिरने से घर की पूरी विद्युत फिटिंग जल गई। इसके अलावा दो एलईडी टेलीविजन, इनवर्टर सहित कई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। अचानक हुए तेज धमाके से पूरा परिवार दहशत में आ गया और काफी देर तक भय का माहौल बना रहा। उधर, नगर की विश्वकर्मा बस्ती में भी मोनू चौधरी के मकान पर आकाशीय बिजली गिरने से मकान का छज्जा क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही घर में रखे कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी खराब हो गए। लगातार हो रही बारिश के बीच एक ही दिन में दो स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने बारिश और बिजली कड़कने के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने तथा आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है।

नहर में कूदे युवक का तीन दिन बाद शव बरामद

रबूपुरा (शिखर समाचार)। संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में छलांग लगाने वाले युवक का शव घटना के तीन दिन बाद अलीगढ़ जनपद क्षेत्र में नहर से बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और परिजनों को सूचना दी। पुलिस के अनुसार सिकंदराबाद क्षेत्र के प्राणगढ़ गांव निवासी विजय (34) सोमवार को अपनी पत्नी और दो बच्चों को बाइक से लेकर जेवर कोतवाली क्षेत्र के कानपुर गांव स्थित ससुराल आया था। दोपहर के समय वह पत्नी और बच्चों को ससुराल छोड़कर अकेले अपने गांव लौटने के लिए निकला। रास्ते में चाचूरा गांव के

समीप उसने अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी कर दी और नहर में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश शुरू कराई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। लगातार तीन दिनों तक तलाश अभियान चलने के बाद बुधवार को अलीगढ़ जनपद क्षेत्र में नहर से विजय का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए परिजनों को अवगत कराया। पुलिस का कहना है कि युवक द्वारा नहर में छलांग लगाने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। मामले में परिजनों की ओर से कोई तहरीर भी नहीं दी गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और विभिन्न पहलुओं पर जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रॉपर्टी डीलरों की कथित प्रताड़ना से आहत महिला ने पिया पेस्टिसाइड, हालत गंभीर

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के फलैदा गांव में जमीन विवाद को लेकर कथित मानसिक प्रताड़ना से परेशान एक महिला द्वारा पेस्टिसाइड पीकर आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार फलैदा गांव निवासी किसान बाबू सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके भाई खड़ग सिंह ने पिछले वर्ष प्रॉपर्टी डीलर मुकेश और रवींद्र के माध्यम से अपने हिस्से की जमीन एक व्यक्ति को बेची थी। आरोप है कि इसके बाद से दोनों प्रॉपर्टी डीलर बेची गई जमीन के साथ-साथ बाबू सिंह की जमीन पर भी कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। शिकायत में कहा गया है कि मुकेश, रवींद्र, खड़ग सिंह, उसका पुत्र जितेंद्र तथा भूपेंद्र लगातार किसान और उसके परिवार को धमकाते रहे। आरोप है कि 6 जुलाई को भी उक्त लोगों ने बाबू सिंह और उनकी पत्नी के साथ गाली-गलौज की तथा जमीन पर जबरन कब्जा करने और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के अनुसार लगातार हो रहे कथित मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर बाबू सिंह की पत्नी ने फसल में प्रयोग होने वाला पेस्टिसाइड पी लिया। परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने सभी नामजद आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हादसों को न्योता देता बुढ़ाना कांधला मार्ग, जलभराव से बढ़ा खतरा, पूर्व विधायक ने लिया संज्ञान

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। बुढ़ाना कस्बे के कांधला मार्ग पर मानसून की बारिश शुरू होते ही जलभराव और सड़क पर बने गहरे गड्ढों की समस्या ने एक बार फिर लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क पर भरे पानी के कारण गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे हैं, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख संपर्क मार्ग होने के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन, ई-रिक्शा तथा स्कूली वाहन यहां से गुजरते हैं। ऐसे में स्कूली बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति और जल निकासी व्यवस्था के अभाव के कारण हर वर्ष बरसात में यही हालात उत्पन्न हो जाते हैं। जलभराव के चलते वाहन चालक संतुलन खो रहे हैं और राहगीरों को भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लोग गड्ढों में गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है, जिससे क्षेत्रवासियों में रोष व्याप्त है। बुधवार को कस्बे के डाक बंगले पहुंचे पूर्व विधायक उमेश मलिक ने आमजन की शिकायतों का संज्ञान लिया। उन्होंने मौके से ही लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अभिषेक सिंह से दूरभाष पर वार्ता कर समस्या की गंभीरता से अवगत कराया और जलभराव की समस्या के शीघ्र समाधान के निर्देश देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान आमजन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा सड़क की मरम्मत और जल निकासी की समुचित व्यवस्था जल्द सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस दौरान पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक ब्रजपाल सहरावत, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक और कुलदीप बागड़ी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वसुंधरा में आवास विकास का कड़ा प्रहार: आवासीय नियमों की अनदेखी करने वाले 7 अवैध कमर्शियल प्रतिष्ठान सील

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर शिखर)। वसुंधरा योजना में आवासीय क्षेत्रों को व्यावसायिक गतिविधियों का अड्डा बनाने वालों के खिलाफ आवास विकास विभाग ने अपना 'मिशन क्लीन' तेज कर दिया है। निर्माण खंड-1 के अंतर्गत चल रहे इस अभियान में अधिकारियों ने भारी जनविरोध और दबाव की परवाह किए बिना नियमों का पालन सुनिश्चित किया। निखिल महेश्वरी के नेतृत्व में विभाग की टीम ने आज सेक्टर-15 और 16 में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अवैध रूप से चल रहे व्यावसायिक परिसरों पर ताले जड़ दिए।

अभियान के मुख्य बिंदु

आवास विकास की टीम ने दृढ़ता दिखाते हुए सीलिंग की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा किया। इस दौरान कोचिंग सेंटर और प्ले स्कूल जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को विशेष रूप से चिन्हित किया गया।

कुल सील किए गए परिसरः 07

क्षेत्रः सेक्टर-15 और सेक्टर-16

सीलबंद संपत्तियों की सूचीः 15/249, 15/702, 15/703, 16B/333, 16B/160, 16B/40 तथा 16B/41।

सभी सील किए गए परिसरों को स्थानीय पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया है, ताकि सील के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न हो सके।

एक सप्ताह में 19 परिसरों पर कार्रवाई

आवास विकास विभाग की यह सक्रियता स्पष्ट करती है कि आवासीय क्षेत्रों की गरिमा और मास्टर प्लान का उल्लंघन अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पिछले एक सप्ताह के भीतर विभाग द्वारा कुल 19 परिसरों को सील कर एक कड़ा संदेश दिया गया है। पुलिस बल की उपलब्धता के आधार पर यह अभियान आने वाले दिनों में भी अनवरत जारी रहेगा।

अधिकारियों की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम

आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के कारण क्षेत्रवासियों को होने वाली असुविधा और यातायात की समस्याओं को देखते हुए, आवास विकास के अधिकारियों का यह कदम अत्यंत सराहनीय है। भारी विरोध के बावजूद निखिल महेश्वरी और उनकी टीम ने जिस तरह कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी, वह विभाग की कार्यकुशलता और ईमानदारी को दर्शाता है।

आवासीय क्षेत्रों में नियम विरुद्ध हो रहे निर्माण और व्यावसायिक उपयोग पर लगाम कसने के इस साहसी प्रयास का क्षेत्र के निवासी भी समर्थन कर रहे हैं। विभाग की यह कार्रवाई न केवल अवैध कब्जों पर लगाम लगाएगी, बल्कि वसुंधरा की आवासीय योजना को उसकी मूल व्यवस्था में वापस लाने में भी मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, गौतमबुद्धनगर में भव्य समारोह आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षकों की सामाजिक सुरक्षा को सशक्त बनाने और छात्र हितों को बढ़ावा देने की दिशा में बुधवार को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। वाराणसी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षकों एवं उनके आश्रितों के लिए पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा का शुभारंभ किया। साथ ही परिषदीय विद्यालयों के करीब 1.10 करोड़ छात्र-छात्राओं के खातों में यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर, स्कूल बैग और स्टेशनरी के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1200 रुपये की धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ समझौता भी किया गया तथा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से ग्रेटर नोएडा स्थित आईआईएमटी कॉलेज में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ एवं डीबीटी वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कुमार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह की शुरूआत वाराणसी से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के सजीव प्रसारण के साथ हुई, जिसे जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने देखा।

राज्य मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के सम्मान, सुरक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि जनपद गौतमबुद्धनगर के 4,426 शिक्षकों एवं उनके परिवारों

को इस योजना के तहत पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सुरक्षित शिक्षक ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मजबूत नींव होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि डीबीटी के माध्यम से छात्रों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर सरकार शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित कर रही है तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में सभी की सहभागिता आवश्यक है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, सदस्य विधान परिषद श्रीचंद शर्मा तथा भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने भी योजना के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं।जिलाधिकारी मेघा रूपम ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह योजना जनपद के हजारों शिक्षकों के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत जनपद के 3,089 बेसिक शिक्षक, 634 शिक्षामित्र, 38 अंशकालिक अनुदेशक, 23 कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के शिक्षक, 15 विशेष शिक्षक तथा 627 माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक एवं उनके परिवारों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि जनपद के 58,510 छात्र-छात्राओं के खातों में यूनिफॉर्म, जूते, मोजे, स्वेटर, स्कूल बैग और स्टेशनरी के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1200 रुपये की धनराशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कहा कि शिक्षकों का स्वास्थ्य सुरक्षित होने से शिक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा इस जनकल्याणकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के कार्ड वितरित किए तथा योजना की विशेषताओं की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए शैक्षिक स्टॉलों का अवलोकन किया और शिक्षकों द्वारा तैयार शिक्षण-अधिगम सामग्री, नवाचार आधारित मॉडल एवं गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नवाचार विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता बढ़ाने के साथ शिक्षा को अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बनाते हैं। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, सदस्य विधान परिषद श्रीचंद शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जिला उपाध्यक्ष पवन रावल, जनप्रतिनिधि दीपक भारद्वाज, मनवीर नागर, उमेश भाटी एवं ओमकार भाटी, जिलाधिकारी मेघा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी आशीष कुमार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया, आईआईएमटी के अध्यक्ष डॉ. मयंक अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, शिक्षक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संपादकीय

पश्चिम एशिया की नई जंग और भारत की आर्थिक परीक्षा

अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तेज हुए भू-राजनीतिक तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था केवल आर्थिक नीतियों से नहीं, बल्कि सामरिक घटनाओं से भी संचालित होती है। 8 जुलाई 2026 को भारतीय शेयर बाजार में कारोबार शुरू होते ही निवेशकों की घबराहट साफ दिखाई दी। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों पर चौतरफा बिकवाली हावी रही। इसका सबसे बड़ा कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता सैन्य तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और वैश्विक निवेशकों का जोखिम वाले बाजारों से दूरी बनाना रहा। अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई, ईरानी तेल निर्यात पर कड़े प्रतिबंध और होरमुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ती अस्थिरता ने पूरी दुनिया को यह संकेत दे दिया है कि यदि हालात शीघ्र नहीं सुधरे तो इसका असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था भी इसकी भारी कीमत चुकाएगी।

भारत के लिए यह स्थिति इसलिए अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल से पूरा करता है। जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, उसका सीधा असर भारत के आयात बिल, महंगाई, रुपये की विनिमय दर और उद्योगों की लागत पर पड़ता है। यही कारण है कि आज शेयर बाजार में बैंकिंग, वाहन, धातु, रसायन और विमानन जैसे अधिकांश क्षेत्रों के शेयर दबाव में दिखाई दिए। निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख किया और विदेशी निवेशकों की सतर्कता भी बाजार पर भारी पड़ी।

यह केवल बाजार की एक दिन की गिरावट नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक चिंता का संकेत है जो दुनिया के सामने खड़ी है। यदि होरमुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होती है तो वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल इसी मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में ऊर्जा संकट, महंगाई और आर्थिक सुस्ती का नया दौर शुरू हो सकता है। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और अधिक कठिन होगी क्योंकि यहां विकास दर को बनाए रखते हुए महंगाई पर नियंत्रण रखना पहले से ही एक बड़ी चुनौती है।

भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कुछ वर्षों में अनेक वैश्विक संकटों का सामना कर चुकी है। कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बाद अब पश्चिम एशिया का नया तनाव एक और परीक्षा बनकर सामने आया है। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अब तक उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है, लेकिन लगातार बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता निवेश, निर्यात और औद्योगिक उत्पादन को प्रभावित कर सकती है। यदि तेल लंबे समय तक महंगा रहता है तो परिवहन लागत बढ़ेगी, खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव आएगा और आम नागरिक की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

ऐसे समय में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। सरकार को ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाने, रणनीतिक तेल भंडार को मजबूत करने और वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं को तेज गति से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। वहीं रिजर्व बैंक को महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाते हुए मौद्रिक नीति तय करनी होगी। यदि वैश्विक परिस्थितियां अधिक बिगड़ती हैं तो वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और बढ़ सकती है, इसलिए समय रहते आवश्यक कदम उठाना जरूरी होगा।

भारत की विदेश नीति भी इस संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारत लंबे समय से संतुलित कूटनीति का पक्षधर रहा है। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी होने के बावजूद भारत ने ईरान सहित पश्चिम एशिया के सभी देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखे हैं। यही संतुलन आज भारत की सबसे बड़ी ताकत है। भारत का हित किसी पक्ष का समर्थन करने में नहीं, बल्कि क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षित समुद्री व्यापार सुनिश्चित कराने में है। यही कारण है कि भारत लगातार संवाद और कूटनीतिक समाधान पर जोर देता रहा है।

वर्तमान संकट एक और महत्वपूर्ण संदेश देता है कि केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होता। ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक तैयारी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती भी उतनी ही आवश्यक है। भारत ने हरित ऊर्जा, सौर ऊर्जा, जैव ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहनों की दिशा में जो प्रयास शुरू किए हैं, उन्हें अब और तेज करने की जरूरत है। यदि देश आयातित तेल पर अपनी निर्भरता धीरे-धीरे कम कर पाता है तो भविष्य में ऐसे वैश्विक संकटों का प्रभाव भी सीमित किया जा सकेगा।

शेयर बाजार का स्वभाव हमेशा भावनाओं और उम्मीदों से प्रभावित रहता है। इसलिए एक दिन की गिरावट को आर्थिक संकट का अंतिम संकेत नहीं माना जा सकता। लेकिन यह चेतावनी अवश्य है कि वैश्विक घटनाओं का असर अब पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो चुका है। निवेशकों को भी घबराहट में निर्णय लेने के बजाय दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। मजबूत कंपनियां और मजबूत अर्थव्यवस्थाएं अस्थायी संकटों से उबर जाती हैं, लेकिन इसके लिए धैर्य और विवेक दोनों आवश्यक होते हैं।

आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि पश्चिम एशिया में तनाव और अधिक न बढ़े। युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता। सैन्य कार्रवाई से कुछ समय के लिए राजनीतिक संदेश अवश्य दिए जा सकते हैं, लेकिन उसका सबसे बड़ा मूल्य आम नागरिक, वैश्विक अर्थव्यवस्था और विकासशील देशों को चुकाना पड़ता है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच टकराव लगातार बढ़ता है तो इसका असर केवल तेल बाजार या शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खाद्य सुरक्षा, व्यापार, रोजगार और वैश्विक विकास दर भी प्रभावित होगी।

भारत को इस चुनौती को केवल संकट के रूप में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था, मजबूत आर्थिक ढांचे और संतुलित विदेश नीति को और प्रभावी बनाने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में वही देश आगे बढ़ेंगे जो दूरदर्शी नीति, आर्थिक अनुशासन और कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने में सफल होंगे। आज की गिरावट बाजार की प्रतिक्रिया अवश्य है, लेकिन आने वाले समय की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि विश्व नेतृत्व युद्ध का रास्ता चुनता है या संवाद का। यही निर्णय केवल शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था का भविष्य तय करेगा।

~ मौलिक चिंतन ~

जब भीड़ न्याय करने लगती है, तो लोकतंत्र भीड़तंत्र में बदल जाता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

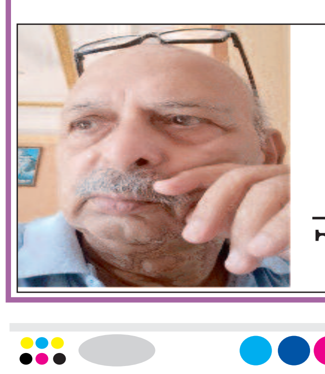

©

विनय संकोची

बिहार में बदलाव की बयार, जाति-धर्म तोड़ न्याय के लिए एक हुआ समाज

उमेश चतुर्वेदी

जाति और धर्म के बिना आज राजनीति की कल्पना बेमानी है, लेकिन बिहार में जातिवाद का असर कुछ ज्यादा ही दिखता है। यहां मानस किस कदर जातिवाद के घेरे में है, इसे समझने के लिए किसी खास जाति के अपराधियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई को देखना होगा। तब उस अपराधी के जाति विशेष द्वारा उसे बेकसूर बताने और कार्रवाई को जातिवादी बदला बताने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी बिहार में हाल ही में हुई एक घटना की प्रतिक्रिया में उभरा जनाक्रोश इसके ठीक उलट है। इसमें जाति और धर्म की सीमाएं टूट गई हैं। भोजपुर पुलिस के कथित एनकाउंटर में मारे गए सवर्ण युवक भरत तिवारी के इंसाफ के लिए उतरे लोगों के बीच कोई जातीय दीवार नजर नहीं आ रही। हालांकि इसे भी जातीय रंग देने की कोशिश की गई, तो उसके खिलाफ उसी दलित समाज के स्त्री और पुरूष मैदान में उतर आए, जिनकी रहनुमाई का दावा करने वाली राजनीति हस्ती ने यह रंग देने का प्रयास किया था।

इससे इनकार नहीं कि भारतीय समाज में ऊंच-नीच का भाव रहा है। फिर भी समाज में सद्भाव, सहयोग और मेलजोल की गहरी परंपरा है। सामाजिक मामलों में कई बार जाति की दीवारें टूटती भी नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव और राजनीति का मसला सामने आता है, जातीय सोच पूरी ताकत से उभर आती है। बिहार इस मामले में कुछ ज्यादा ही बदनाम है। ऐसे माहौल में अगर सवर्ण समुदाय के भरत तिवारी की पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सड़कों पर दलित और पिछड़े समुदाय तक के लोग उतर आएं तो मानना पड़ेगा कि पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था का जीन अब भी देश की रगों में बह रहा है। बस उसे जगाने की जरूरत है। हालांकि भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ को भी जातीय रंग देने की कोशिश भी हुई। हैरत की बात है कि इसके पीछे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी नजर आए। जातिवादी चश्मे से इस घटना को देखते हुए उन्होंने कह दिया कि भरत तिवारी चूंकि ब्राह्मण था, इसीलिए सवर्ण समाज आक्रोशित है। उसकी जगह कोई दलित और पिछड़ा होता तो इस मामले को इतना तूल नहीं दिया जाता। मांझी के इस बयान ने जातिवादी खोल से बाहर निकले जनाक्रोश की आग में घी का काम किया। विरोध में भरत के गांव बिलौटी ही नहीं, आसपड़ोस के दलित और पिछड़े परिवार भी गुस्से से भर उठे। गंगा के कटान से प्रभावित ये लोग मांझी की लानत-मलामत में उतर आए। उन्होंने उलटे मांझी से ही पूछ लिया कि हमारे नेता होने के बावजूद उन्होंने उनकी हालत जानने की कोशिश क्यों नहीं की। लोगों का कहा था कि जिसके खिलाफ वे बोल रहे हैं, साधनहीन होने की बजाय वही व्यक्ति उनके साथ खड़ा रहा।

बिहार में ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले इसी तरह जाति और धर्म का बंधन टूटा था। झारखंड के अलग होने के बाद राज्य में पहला विधानसभा चुनाव हो रहा था। इसी दौरान बारह जनवरी 2005 को पटना के पटेल नगर से दिनदहाड़े पंद्रह साल के किसलय का अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण के खिलाफ तब बिहार का पूरा समाज उतर आया था। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान तब जन-जन की जुबान पर चढ़ गया था। उन्होंने कहा था, मेरा किसलय लौटा दो। किसलय की वापसी का सवाल जाति और धर्म की सीमाओं को तोड़ समूचे बिहार की आवाज बन गया था। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी की कथित मुठभेड़ में हत्या के बाद एक बार फिर बिहार का समाज ठीक उसी तरह जाति और समुदाय के खांचों को तोड़ सत्य और न्याय के साथ खड़ा नजर आ रहा है।

भोजपुर जिले का जवानिया गांव गंगा के ठीक किनारे है। इस गांव को पिछले साल गंगा की लहरों ने तकरीबन लील लिया। कटान से प्रभावित लोगों को अपने घर-खेत गंवाना पड़ा, तब से ज्यादातर लोगों की स्थिति बदहाल है। प्रभावितों को घर के लिए जमीन और पैसे तो दिए गए, लेकिन जो जगह उन्हें मिली, वह गड्ढे वाली है। बाकी सहूलियतें भी ना के बराबर मिली हैं। इनकी बस्ती में हाल के दिनों तक पानी का चापाकल तक नहीं थे, कुछ थे भी तो उनमें पानी नहीं आ रहा था। इन्हीं बदहाल लोगों की आवाज बनकर भरत तिवारी सक्रिय थे। भरत तिवारी के न रहने के बाद बिलौटी और जवानिया के उजड़े लोगों का कहना है कि उन्हें भरत तिवारी की ही वजह से थोड़ी-बहुत सुविधाएं मिली हैं। इनके लिए वे ही प्रशासन से लड़ते रहे। कटान पीड़ित जवानिया गांव वालों का दर्द है कि उन्हें पानी से निकालकर फिर से पानी में ही बसा दिया गया है। उन्हें डर है कि फिर बारिश और बाढ़ आई तो उन्हें उजड़ना पड़ सकता है। भरत तिवारी इन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे।

भरत के गांव वालों का कहना है कि वह थोड़े तुनक मिजाज जरूर थे, लेकिन लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते थे। प्रशासन के यहां कटान पीड़ितों की सुनवाई ना होने से भरत गुस्से में थे। गांव वाले मानते हैं कि प्रशासन के प्रति भरत के मन में गुस्सा था। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में एक पुलिस वाले का एनकाउंटर करने की भी बात कही थी। इसके वायरल होने के बाद पुलिस ने भरत के खिलाफ जांच शुरू की थी। गांव पहुंची पुलिस के सामने भरत के माता-पिता ने भी उन्हें डांटा था। पुलिस से भरत की नोकझोक और झूमाझटकी भी हुई थी। इसके बाद 16 जून को एक बयान में पुलिस ने उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बताया था। लेकिन अगले ही दिन यानी सत्रह जून को पुलिस ने उन्हें घेर लिया। तब भरत के हाथ में पिस्तौल थी। उन्होंने जवानियां के गड्ढे भरने के साथ तीन मांगें रखीं थी। जब प्रशासन ने उनकी मांगें मानने का भरोसा दिया तो उन्होंने पिस्तौल फेंक कर सरेंडर कर दिया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस वहां से उन्हें ले गई और बाद में उन पर पंद्रह-बीस फायर करने का आरोप लगाते हुए उनके मुठभेड़ की बात कही थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया था, जहां सत्रह जून को उनकी मौत हो गई। लेकिन पुलिस की थ्योरी पर लोगों को भरोसा नहीं हुआ और इलाके का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब भरत ने पिस्तौल पुलिस को सौंप दी तो फिर वे गोली कैसे चला सकते हैं।

भरत की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ बिहार के नए समाज का आइना कही जा सकती है। हालांकि बिहार सरकार का रवैया पारंपरिक रहा। वह प्रशासन के ही बचाव में नजर आई। लेकिन जनाक्रोश देखते हुए उसे झुकना पड़ा। भरत की हत्या की जांच के लिए पटना हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की अगुआई में जांच आयोग गठित किया गया है। इसी बीच आरोपी पुलिस वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिनमें डीएसपी और शाहपुर के थानेदार भी शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर सवर्ण के पक्ष में दलित और पिछड़ों के उतरने से जाति और धर्म के आधार पर चाल चलने वाली राजनीति को परेशानी जरूर महसूस हो रही होगी। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि समाज की सोई सकारात्मक आत्माएं ऐसे ही जागती हैं और बदलाव की बुनियाद बनती हैं। बस उसके लिए चिंगारी की जरूरत होती है। उम्मीद की जा सकती है कि भरत की हत्या के बाद उभरा जनाक्रोश प्राचीन भारतीय सामाजिक सोच को उभारने का प्रस्थान बिंदु बनेगा, जिसमें समायोजन होगा और मेलजोल भी।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता सतर्कता समन्वय और पूर्व तैयारी से ही हर चुनौती का मुकाबला संभव

अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सबसे बड़ा पर्व है। हर वर्ष देश के अलग अलग राज्यों से लाखों श्रद्धालु बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए कठिन पहाड़ी मार्ग से गुजरते हैं। इस यात्रा का महत्व जितना धार्मिक है उतना ही राष्ट्रीय भी है क्योंकि यह यात्रा जम्मू कश्मीर में बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाला सबसे संवेदनशील आयोजन मानी जाती है। इसी कारण प्रशासन सेना अर्धसैनिक बल पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां कई महीने पहले से इसकी तैयारी शुरू कर देती हैं। इस वर्ष भी यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है और पंजीकरण केंद्रों पर बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। ऐसे समय में सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है ताकि यात्रा शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

हाल के वर्षों में जम्मू कश्मीर की सुरक्षा स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। कई क्षेत्रों में सामान्य जीवन तेजी से पटरी पर लौटा है और पर्यटन गतिविधियों में भी वृद्धि हुई है। हालांकि सुरक्षा विशेषज्ञ लगातार यह मानते रहे हैं कि संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता कभी कम नहीं की जा सकती। किसी भी लंबे शांतिपूर्ण दौर के बाद सुरक्षा एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे अपनी तैयारी और निगरानी में किसी प्रकार की ढील न आने दें। इसी कारण अमरनाथ यात्रा के दौरान चौबीसों घंटे सतर्क रहना आवश्यक माना जाता है। सुरक्षा की दृष्टि से सबसे पहली आवश्यकता पूरे यात्रा मार्ग पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की है। यात्रा के दोनों प्रमुख मार्गों पर सेना अर्धसैनिक बल जम्मू कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। संवेदनशील स्थानों पर लगातार गश्त निगरानी और आधुनिक तकनीक का उपयोग किसी भी संभावित खतरे को समय रहते पहचानने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए कई स्थान ऐसे होते हैं जहां अतिरिक्त सावधानी की आवश्यकता रहती है। यात्रा के दौरान खुफिया तंत्र की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। किसी भी संभावित खतरे की समय रहते जानकारी मिलना बड़ी घटनाओं को रोकने में मदद करता है। विभिन्न एजेंसियों के बीच सूचनाओं का त्वरित आदान प्रदान और उनका तत्काल विश्लेषण सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाता है। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा बलों के बीच निरंतर संपर्क भी उतना ही आवश्यक है ताकि किसी भी असामान्य गतिविधि पर तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। आधुनिक तकनीक आज सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। ड्रोन निगरानी सीसीटीवी कैमरे हाई रिजॉल्यूशन कैमरे संचार प्रणाली और अन्य तकनीकी साधनों का उपयोग कठिन पहाड़ी क्षेत्रों में भी निगरानी को प्रभावी बना सकता है। कई स्थानों पर नियंत्रण कक्षों के माध्यम से पूरे मार्ग की लगातार निगरानी रखने से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित दल तक पहुंचाई जा सकती है।यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में वाहन और श्रद्धालु विभिन्न स्थानों से गुजरते हैं। ऐसे में प्रत्येक वाहन की जांच पहचान सत्यापन और सुरक्षा जांच अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। आरएफआईडी जैसी तकनीकों का उपयोग यात्रा प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित बनाता है और आवश्यकता पड़ने पर यात्रियों की जानकारी तेजी से उपलब्ध कराई जा सकती है। इससे सुरक्षा के साथ साथ आपदा प्रबंधन में भी सहायता मिलती है।

सुरक्षा व्यवस्था केवल यात्रा मार्ग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जम्मू श्रीनगर बालटाल पहलगाम और अन्य ट्रांजिट कैंपों में भी समान स्तर की सुरक्षा आवश्यक है। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं वहां प्रवेश और निकास की प्रभावी व्यवस्था भी महत्वपूर्ण होती है। भीड़ प्रबंधन की मजबूत योजना किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने में सहायक होती है।

संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार क्षेत्रीय निगरानी और तलाशी अभियान भी सुरक्षा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकते हैं। दुर्गम पहाड़ी इलाकों में नियमित गश्त से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी समय पर मिल सकती है। मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा बलों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है।

सुरक्षा केवल हथियारों और बलों की संख्या से मजबूत नहीं होती बल्कि समन्वय और तैयारी से मजबूत होती है। किसी भी आपात स्थिति के लिए पूर्व निर्धारित कार्य योजना त्वरित संचार व्यवस्था चिकित्सा सहायता और राहत दलों की उपलब्धता भी अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी कारण से प्राकृतिक आपदा मौसम परिवर्तन या अन्य अप्रत्याशित स्थिति उत्पन्न होती है तो यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की व्यवस्था पहले से तैयार रहनी चाहिए।

स्थानीय नागरिकों का सहयोग भी यात्रा की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्षों से स्थानीय लोग श्रद्धालुओं की सहायता करते आए हैं। प्रशासन और स्थानीय समुदाय के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण यात्रा को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने में मदद करता है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना समय पर संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना सामूहिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। श्रद्धालुओं की भी कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करना निर्धारित मार्ग का उपयोग करना सुरक्षा जांच में सहयोग देना और अफवाहों से दूर रहना यात्रा को सुरक्षित बनाने में योगदान देता है। किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत सुरक्षा कर्मियों को देना आवश्यक है। अनुशासन और धैर्य भी सुरक्षित यात्रा के महत्वपूर्ण आधार हैं। अमरनाथ यात्रा जैसे विशाल आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया होती है। परिस्थितियों के अनुसार रणनीति में बदलाव करना और हर स्तर पर सतर्क रहना आवश्यक होता है। सुरक्षा एजेंसियों का उद्देश्य केवल किसी खतरे का जवाब देना नहीं बल्कि संभावित जोखिमों को पहले ही पहचानकर उन्हें निष्प्रभावी बनाना होता है। इसी दृष्टिकोण से पूर्व तैयारी सबसे प्रभावी सुरक्षा उपाय मानी जाती है।

देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशासन सुरक्षा बल स्थानीय नागरिक और स्वयं यात्री यदि अपने अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करें तो यात्रा पूरी तरह सुरक्षित और सफल हो सकती है। सतर्कता समन्वय आधुनिक तकनीक प्रभावी खुफिया तंत्र और मजबूत प्रबंधन के साथ अमरनाथ यात्रा न केवल श्रद्धा का प्रतीक बनेगी बल्कि देश की संगठित सुरक्षा व्यवस्था और सामूहिक जिम्मेदारी का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

उत्तर प्रदेश के भविष्य का द्वार दूरदर्शिता और चुनावी शतरंज

क्या फिर से उत्तर प्रदेश से एक और नया राज्य जन्म लेगा ?

***डाक्टर दीपक गोस्वामी**

उत्तर प्रदेश केवल एक राज्य नहीं है। यह पच्चीस करोड़ लोगों की आकांक्षाओं का महाद्वीप है। दुनिया के पांच बड़े देशों से अधिक जनसंख्या वाला यह भूभाग जब सांस लेता है तो देश की राजनीति की धड़कन बदल जाती है। 2027 का विधानसभा चुनाव और 2029 का लोकसभा चुनाव इसी कारण निर्णायक माने जा रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में एक यक्ष प्रश्न बार गलियारों में अदृश्य रूप गूंज रहा है और बहुत से राजनेताओं ,दलों से सत्ता के गलियारों तक परेशानी का कारण बन रहा है कि क्या उत्तर प्रदेश का बंटवारा भाजपा का अगला बड़ा कदम बन सकता है और क्या यह कदम राष्ट्र निर्माण की दूरदर्शिता है या चुनावी लाभ की गणना। इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए हमें आंकड़ों, इतिहास और जमीन की सच्चाई तीनों को एक साथ रखकर देखना होगा।

पहले आंकड़े। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या लगभग पच्चीस करोड़ है। एक मुख्यमंत्री के अधीन 75 जिले, 403 विधायक और 80 लोकसभा सीटें हैं। पुलिस से लेकर शिक्षा तक, स्वास्थ्य से लेकर सिंचाई तक हर व्यवस्था पर दबाव निरंतर बढ़ रहा है। बुंदेलखंड में आज भी पलायन सबसे अधिक है। पूर्वांचल में प्रति व्यक्ति आय राज्य औसत से कम है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश औद्योगिक रूप से आगे है परंतु कृषि संकट और जल की समस्या गहरी है। अवध का मध्य क्षेत्र प्रशासनिक रूप से केंद्रीय है परंतु विकास का लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंचा। यही असंतुलन बंटवारे के पक्ष में सबसे बड़ा तर्क बनता है। तर्क यह है कि छोटे राज्य में निर्णय तेजी से होते हैं। तेलंगाना बनने के बाद वहां सिंचाई परियोजनाएं तेज हुईं। हिमाचल और उत्तराखंड में स्थानीय मुद्दों पर फोकस बढ़ा। यदि पूर्वांचल प्रदेश, पश्चिम प्रदेश, बुंदेलखंड प्रदेश और अवध प्रदेश जैसे चार प्रशासनिक इकाइयां बनें तो प्रत्येक क्षेत्र का नेतृत्व उसी मिट्टी से जुड़ा होगा। बजट का बंटवारा स्पष्ट होगा। स्कूल, अस्पताल और सड़क जनता के द्वार तक जल्दी पहुंचेंगे। कानून व्यवस्था में भी सुधार की संभावना है क्योंकि पुलिस और प्रशासन का कार्यक्षेत्र छोटा होगा।

दूसरा पहलू आर्थिक है। चार नई राजधानियां, चार विधानसभा, चार उच्च न्यायालय और हजारों कार्यालय बनाने में अगले दस वर्षों में लाखों करोड़ रुपये लगेंगे। झारखंड और छत्तीसगढ़ के अनुभव बताते हैं कि शुरूआती वर्षों में विकास का बड़ा हिस्सा भवनों और ढांचे में चला जाता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र में राजस्व के स्त्रोत सीमित हैं। बिना केंद्र की दीर्घकालिक सहायता के वहां का वित्तीय संतुलन बिगड़ सकता है। नदियों, नहरों और बिजली ग्रिड का बंटवारा भी आसान नहीं होगा। गंगा, यमुना, सरयू का पानी किस अनुपात में बंटेगा, इस पर दशकों तक चर्चा और विवाद हो सकते हैं। यदि यह प्रक्रिया ठीक से नहीं हुई तो विकास रुक सकता है और जनता का भरोसा टूट सकता है।

अब राजनीति का गणित। 2026 में परिसीमन प्रस्तावित है। 2029 में महिला आरक्षण लागू होना है। यदि इन्हीं वर्षों में बंटवारे की प्रक्रिया भी जुड़ जाए तो 2029 का चुनाव पूरी तरह नए मानचित्र पर लड़ा जाएगा। पुराने जातीय और क्षेत्रीय समीकरण टूटेंगे। नए समीकरण बनेंगे। भाजपा के लिए यह अवसर भी है और जोखिम भी। अवसर इसलिए कि बुंदेलखंड की अस्मिता, पूर्वांचल की उपेक्षा और पश्चिम की आकांक्षाओं को संबोधित करके एक नया नैरेटिव गढ़ा जा सकता है। राम मंदिर के बाद एक बड़ा सामाजिक और प्रशासनिक संकल्प दिखाकर दल "सुशासन" के ब्रांड को आगे बढ़ा सकता है। जोखिम इसलिए कि यदि बंटवारा ऊपर से थोपा हुआ लगा तो "बड़े उत्तर प्रदेश" की सांस्कृतिक एकता के नाम पर प्रतिरोध खड़ा हो सकता है। जाट, यादव, ब्राह्मण, दलित और अन्य समूह अपने पुराने गठजोड़ को बचाने के लिए एक मंच पर आ सकते हैं। तब लाभ के स्थान पर नुकसान हो सकता है।

कानूनी प्रक्रिया को भी समझना जरूरी है। संविधान के अनुसार किसी राज्य के बंटवारे के लिए संसद में दो तिहाई बहुमत और संबंधित राज्य विधानसभा की सहमति आवश्यक है। यह प्रक्रिया समय लेती है और इसमें राजनीतिक सहमति बनाना सबसे कठिन काम है। अभी तक जनता के स्तर पर कोई बड़ा आंदोलन नहीं है। यह चर्चा मुख्य रूप से मीडिया, बुद्धिजीवियों और राजनीतिक दलों के भीतर है। इसलिए 2027 से पहले बंटवारे को लागू करना व्यावहारिक रूप से कठिन दिखता है। परंतु घोषणा करना, चर्चा को जीवित रखना और विपक्ष को इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर करना एक कूटनीतिक कदम हो सकता है।

दूरदर्शिता का पैमाना सिर्फ अगले चुनाव तक नहीं होना चाहिए। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनना है। उस लक्ष्य में उत्तर प्रदेश की भूमिका केंद्रीय है। यदि आज बंटवारे का निर्णय दस वर्ष की आर्थिक योजना, सामाजिक संवाद और संसाधनों के न्यायसंगत बंटवारे के साथ लिया जाए तो 2035 तक नए राज्य अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। चार राजधानियों का अर्थ चार गुना अवसर भी है। विश्वविद्यालय, खेल केंद्र, औद्योगिक क्लस्टर और प्रशासनिक नौकरियां बढ़ेंगी। पलायन रुकेगा। परंतु यदि निर्णय केवल तात्कालिक लाभ के लिए हुआ और तैयारी आधी अधूरी रही तो परिणाम झारखंड के शुरूआती वर्षों जैसा हो सकता है जहां अपेक्षाएं पूरी नहीं हुईं और निराशा बढ़ी। जमीन की सच्चाई यह है कि जनता को नक्शे के रंग से नहीं, परिणाम से मतलब है। यदि बंटवारे के बाद गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र 24 घंटे खुले, शिक्षक समय पर स्कूल आएं, सिंचाई के लिए नहर में पानी आए और युवाओं को रोजगार मिले तो जनता इसे स्वीकार करेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ और केवल नए भवन और नए पद बने तो यह मुद्दा छह महीने में स्मृति से उतर जाएगा। इसलिए सफलता की कुंजी नियत में है। नियत यदि सेवा की है तो बंटवारा वरदान बन सकता है। नियत यदि केवल सत्ता की है तो यह बोझ बन जाएगा। अंत में तीन संभावित परिदृश्य दिखते हैं। पहला, बंटवारे की केवल चर्चा करके 2027 तक माहौल बनाया जाए और चुनाव के बाद स्थिति देखी जाए। दूसरा, 2027 में जीत के बाद 2028 से प्रक्रिया शुरू करके 2029 में नए राज्यों के पहले चुनाव का श्रेय लिया जाए। तीसरा, अभी से दस वर्ष की योजना बनाकर जनमत, आर्थिक आकलन और प्रशासनिक खाका तैयार किया जाए ताकि निर्णय स्थायी और स्वीकार्य हो उत्तर प्रदेश का भविष्य एक शतरंज की बिसात जैसा है। एक चाल से कई मोहरे हिलते हैं। बंटवारा ब्रह्मास्त्र भी बन सकता है और बूमरैंग भी। इसे सफल बनाने के लिए तीन शर्तें जरूरी हैं। पहली, जनता की व्यापक सहमति। दूसरी, आर्थिक व्यवहार्यता की पुख्ता योजना। तीसरी, सामाजिक सद्भाव को बनाए रखने का संकल्प। इन तीनों के बिना कोई भी बड़ा बदलाव केवल कागज का टुकड़ा रह जाता है।

इसलिए आज का प्रश्न यह नहीं है कि बंटवारा होगा या नहीं। आज का प्रश्न यह है कि यदि होगा तो किस भावना से होगा। यदि उत्तर "राष्ट्र निर्माण" है तो यह निर्णय आने वाले पचास वर्षों की दिशा तय करेगा। यदि उत्तर "चुनावी लाभ" है तो यह एक और भाषण बनकर रह जाएगा। इतिहास उन्हीं निर्णयों को याद रखता है जो लोगों का जीवन बदलते हैं। उत्तर प्रदेश के पास वह अवसर है। अब गेंद केंद्र और राज्य दोनों के पाले में है और समय इस बात की प्रतीक्षा कर रहा है कि ताश के पत्ते कब और कैसे खेले जाते हैं।

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को फ़देवताओं की घाटीफ़ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू – देवताओं की घाटी

कुल्लू को फ़देवताओं की घाटीफ़ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण :

रघुनाथ मंदिर– यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा– यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हज़ारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर– एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली– साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण :

हिडिम्बा देवी मंदिर– यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली– स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास– यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड– यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे ?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग : दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है– प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

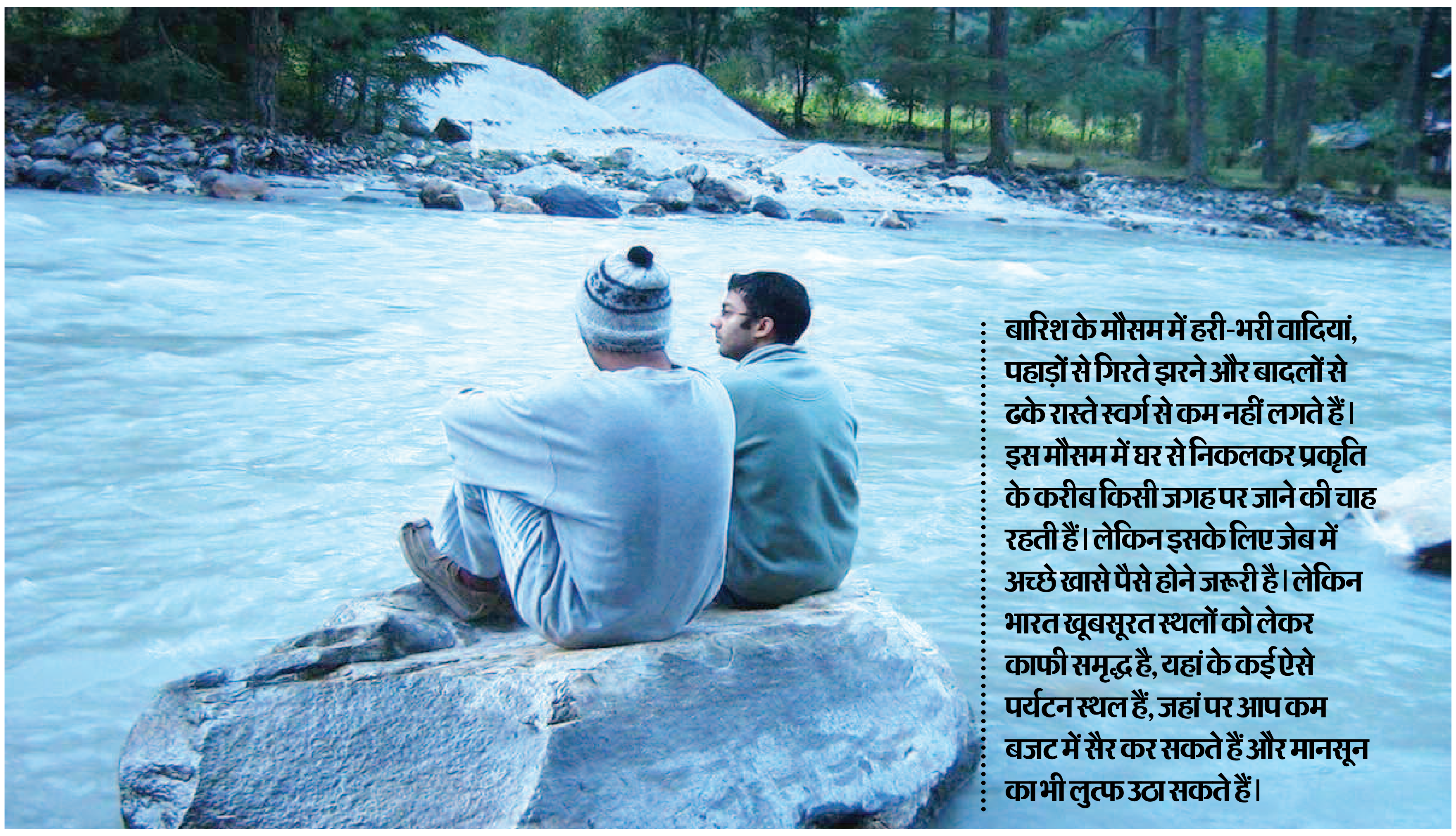

बारिश के मौसम में हरी-भरी वादियां, पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते हैं। इस मौसम में घर से निकलकर प्रकृति के करीब किसी जगह पर जाने की चाह रहती हैं। लेकिन इसके लिए जेब में अच्छे खासे पैसे होने जरूरी है। लेकिन भारत खूबसूरत स्थलों को लेकर काफी समृद्ध है, यहां के कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर आप कम बजट में सैर कर सकते हैं और मानसून का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते

ऐसे में अगर आपका बजट कम है, तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि भारत में कई ऐसी खूबसूरत और फेमस जगहे हैं, जहां पर आप सिर्फ 5,000 रुपए में दिल खोलकर ट्रैवल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लो-बजट मानसून डेस्टिनेशंस के बारे में बताने जा रहे हैं।

लैंसडाउन

आप जुलाई में उत्तराखंड के लैंसडाउन की यात्रा कर सकते हैं। हल्की बारिश के मौसम में यह जगह काफी सुहावनी हो सकती है। दिल्ली से लैंसडाउन की दूरी करीब 250 किमी है। आप यहां पर बस के जरिए पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर पर्यटक ताजी हवा का आनंद लेने आते हैं। मानसून में हरियाली और बादल का अद्भुत नजारा काफी मनमोहक हो जाता है।

टेहरी झील

उत्तराखंड के टिहरी झील घूमन के लिहाज से सबसे अच्छा समय जून से सितंबर और दिसंबर तक है। इस दौरान मौसम काफी सुहावना हो जाता है। झील के पानी में खेलने के साथ आप अन्य कई एक्टिविटी कर सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर्स ट्रिप कर सकते हैं। कैंपिंग, बोटिंग और लोकल खाने आदि को मिलाकर 5,000 रुपए तक का खर्च आएगा। बारिश में झील और पहाड़ों का मिलन दिल छू लेता है।

भीमताल

उत्तराखंड का नैनीताल हिल स्टेशन लोकप्रिय होने की वजह से यहां पर ज्यादा भीड़ होती है। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी सुकून वाली जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आपको उत्तराखंड के भीमताल या नौकुचियाताल जाना चाहिए। यहां पर आपको नैनीताल से कम भीड़ और अधिक सुकून व शांति नजर आएगी। यहां पर आप झील किनारे बैठ सकते हैं, बोटिंग, ट्रैकिंग

और बारिश का मजा ले सकते हैं।

मांडू

मध्य प्रदेश का मांडू हेरिटेज और हरियाली का संगम है। जुलाई से मार्च तक आप कभी यहां पर आ सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर स्थित महलों की खूबसूरती दोगुनी हो जाती है। दिल्ली या अधिकतर स्थानों से आप मांडू के लिए रेल यात्रा कर सकते हैं। होटल और होम स्टे के साथ स्थानीय भोजन आदि मिलाकर आप कुल 4,500 रुपए के अंदर पूरी कर सकते हैं।

चिखलदरा

महाराष्ट्र में मानसून में घूमने के लिए वैसे तो कई फेमस और लोकप्रिय जगहे हैं। लेकिन अगर आप कम पैसों में घूमने का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चिखलदरा की सैर पर जा सकते हैं। मार्च से जून का महीना चिखलदरा घूमने के लिए बेस्ट है। चिखलदरा विदर्भ क्षेत्र का एकमात्र हिल स्टेशन है, जोकि अमरावती जिले में है। यहां पर मानसून में झरनों और कॉफी प्लांटेशन का बेहतरीन दृश्य देख सकते हैं।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर बिखारा है सौंदर्य

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है। जम्मू और कश्मीर राज्य के गंदरबल ज़िले में स्थित सोनमर्ग (जिसका अर्थ है सोने की घाटी) एक सुरम्य पर्यटन स्थल है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और रोमांचक गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। समुद्र तल से लगभग 2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह गर्मियों के मौसम में हरे-भरे घास के मैदानों और जाड़ों में बर्फीले चादरों से ढकी होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत झलक

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है।

प्रमुख आकर्षण स्थल

1. ठाजीवास ग्लेशियर

यह सोनमर्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है और यहाँ का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटक यहाँ घोड़ों पर सवारी करके जाते हैं और बर्फ में खेलते हैं। गर्मियों में भी यहाँ बर्फ देखने को मिलती है।

2. जोजिला पास

यह दर्रा श्रीनगर को लेह-लद्दाख से जोड़ता है। साहसिक पर्यटकों के लिए यह स्थान बेहद रोमांचक है। यह रास्ता ऊँचा, घुमावदार और रोमांच से भरपूर होता है।

3. बालटाल

यह अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। सोनमर्ग से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह अमरनाथ गुफा तक ट्रेकिंग के लिए जानी जाती है।

रोमांच और गतिविधियाँ

ट्रेकिंग : सोनमर्ग से कई खूबसूरत ट्रेक शुरू होते हैं, जैसे गंगाबल झील ट्रेक, किशनसर और विषनसर झील ट्रेक आदि।

फिशिंग : सिंध नदी ट्राउट मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्पिंग : घास के मैदानों में टेंट लगाकर रात बिताने का अनुभव बेहद खास होता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग

सोनमर्ग उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो भीड़भाड़ से दूर, शांतिपूर्ण वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं। फूलों से ढके मैदान, नीले आसमान के नीचे बर्फ से चमकते पहाड़, और पंछियों की मधुर चहचहाहट – यह सब किसी चित्रपटल जैसा लगता है।

कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा श्रीनगर (लगभग 80 किमी) है।

सड़क मार्ग : श्रीनगर से सोनमर्ग तक का सफर टैक्सी या बस से आसानी से किया जा सकता है। यात्रा के दौरान मनोहारी दृश्य मन मोह लेते हैं।

यात्रा का उपयुक्त समय – मई से सितंबर तक का समय सोनमर्ग घूमने के लिए सबसे अच्छा होता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो सकते हैं, पर बर्फ प्रेमियों के लिए यह भी एक अनोखा अनुभव हो सकता है।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर सौंदर्य बिखरा है। चाहे आप रोमांच की तलाश में हों या शांति की, सोनमर्ग आपके हर सपने को साकार करता है। अगर आप वादियों के संगीत को सुनना चाहते हैं और स्वर्ग जैसी जगह का अनुभव करना चाहते हैं, तो सोनमर्ग आपके इंतजार में है।

होर्मुज में फिर तनाव से कच्चे तेल में लगी आग, दुनियाभर के शेयर बाजारों में हड़कंप

-क्रूड ऑयल अचानक 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी लेकर 76 डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बैठकों को लेकर आ रहे अपडेट्स के बीच दुनिया की 20 फीसदी तेल जरूरत को पूरा करने के लिए जरूरी होर्मुज स्ट्रेट फिर से तनाव की वजह बनता जा रहा है। वजह है अमेरिका का ईरान पर हमला। इन सबके बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में अचानक कच्चे तेल की कीमतों में उथल-पुथल मच गई है और दुनियाभर के शेयर बाजारों में भी हड़कंप मचा है, जो भारतीय शेयर बाजार के लिए निगेटिव संकेत दे रहे हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट के लिए प्रमुख संकेतक माना जाने वाला गिफ्ट निफ्टी भी रेड जोन में ट्रेड कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गहराने लगा है। होर्मुज में तीन कॉमर्शियल जहाजों पर ईरान से मिसाइल अटैक के बाद अमेरिकी सेना ने पलटवार किया और ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार चल रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ये जबरदस्त हमले उन लोगों को भारी कीमत चुकाने पर मजबूर करेंगे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुद्री रूट में आम नागरिकों वाले कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाकर अटैक किया है। एक बयान में कहा गया कि ये ताजा स्ट्राइक ईरान द्वारा उन तीन कमर्शियल जहाजों पर किए गए हमलों के जवाब में हैं, जो होर्मुज से गुज़र रहे थे और ये सीजफायर का सीधा उल्लंघन था। ईरानी हमलों पर अमेरिकी स्ट्राइक के बाद अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक फिर से उछाल आ गया।

अब एफपीआई फीस का भुगतान अमेरिकी डॉलर नहीं भारतीय रुपए में होगा

-यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों पर लागू होगा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों में बदलाव करते हुए शुल्क भुगतान की व्यवस्था को अमेरिकी डॉलर की जगह भारतीय रुपए में कर दिया है। यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों दोनों पर लागू होगा। नए नियम छह महीने बाद प्रभावी होंगे, ताकि विदेशी निवेशकों को नई व्यवस्था अपनाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। अधिसूचना के मुताबिक एफपीआई नियमों में 1,000 अमेरिकी डॉलर की जगह अब 90,000 रुपए शुल्क तय किया गया है। सेबी ने कैटगरी-1 एफपीआई और एफवीसीआई के रजिस्ट्रेशन शुल्क को 2,500 डॉलर से 2.3 लाख रुपए कर दिया है। इसी तरह देरी से भुगतान और कंटिन्यूएंस फीस में भी संशोधन किया है। भारत में एफपीआई के लेनदेन संभालने वाले डिजिनेटेड डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स को रजिस्ट्रेशन मिलने के पांच कार्य दिवस के अंदर यह शुल्क सेबी को जमा कराना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक कम्प्लायंस और ऑपरेशंस को आसान बनाने के लिए एफपीआई रजिस्ट्रेशन के कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म में अब जन्म तिथि या कंपनी के गठन की तिथि भी शामिल की जाएगी। इसका मकसद मार्च में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा जारी नई अधिसूचना के बाद पेन आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाना है। सेबी को वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआई और एफवीसीआई से रजिस्ट्रेशन, कंटिन्यूएंस और अन्य शुल्क के रूप में 1.298 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। इस राशि में जीएसटी भी शामिल है। सेबी ने कहा कि डॉलर में शुल्क लेने के कारण मैनुअल अकाउंटिंग, इनवॉइसिंग और रियल-टाइम अकाउंटिंग में दिक्कतें आती थीं। इससे वित्तीय रिपोर्टिंग में भी देरी होती थी। नई व्यवस्था से इन समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी। सेबी ने कस्टोडियन द्वारा दिए जाने वाले शुल्क की व्यवस्था भी बदल दी है। अब उन्हें सालाना 10 लाख रुपए की जगह हर महीने 85,000 रुपए शुल्क देना होगा। सेबी ने म्युचुअल फंड नियमों में इंट्रा-डे उधारी से जुड़े बदलावों को भी अधिसूचित किया है। नए नियमों के तहत म्युचुअल फंड अब पे-इन और पे-आउट सेटलमेंट के समय के अंतर, एसेट क्लास के भीतर लेनदेन, फॉरेक्स सेटलमेंट और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए इंट्रा-डे उधार ले सकेंगे। यह सुविधा पहले से उपलब्ध उस व्यवस्था के अतिरिक्त होगी, जिसके तहत म्युचुअल फंड योजनाएं यूनिटधारकों को भुगतान के लिए अपनी नेट एसेट्स के 20फीसदी तक कर्ज ले सकती हैं। सेबी ने साफ कहा है कि एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिन खत्म होने से पहले यह उधार चुकाना होगा। अगर ऐसा नहीं होता, तो उसे म्युचुअल फंड नियमों के मुताबिक ओवरनाइट उधारी माना जाएगा।

चालू माह में मिल रही अल्ट्रोज और टियागो पर विशेष छूट

नई दिल्ली।

जुलाई महीने में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक अल्ट्रोज और टियागो पर आकर्षक छूट की घोषणा की है। अल्ट्रोज के रेसर वैरिएंट पर सबसे अधिक 55,000 रुपये तक का डिस्काउंट उपलब्ध है। इसके पेट्रोल और डीज़ल वैरिएंट्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 20,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस मिल रहा है।

वहीं, अल्ट्रोज सीएनजी मॉडल पर इन छूटों के साथ 20,000 रुपये का इंटरचेंज ऑफर भी दिया जा रहा है। अल्ट्रोज की एक्स-शोरूम कीमतें 6.3 लाख रुपये से 10.65 लाख रुपये के बीच है, और यह कई इंजन विकल्पों व उन्नत सुरक्षा फीचर्स जैसे 6 एयरबैग और ईएसपी के साथ आती है।

दूसरी ओर, टाटा मोटर्स प्री-फेसलिफ्ट टियागो के बचे हुए स्टॉक पर 35,000 रुपये तक की छूट दे रही है। एक्सई वैरिएंट को छोड़कर, टियागो के पेट्रोल और सीएनजी दोनों मॉडल्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस और 5,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर मिल रहा है।

बैंकों के लोन में तेजी और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद, जमा की रफ्तार धीमी

-कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर बढ़ सकता है 5 फीसदी

नई दिल्ली।

बैंकों का लोन तेजी से बढ़ रहा है और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन दूसरी तरफ जमा की रफ्तार अभी भी लोन के मुकाबले धीमी है। इसके अलावा ब्याज से होने वाली कमाई पर भी दबाव बना रह सकता है। खासकर प्राइवेट बैंकों में मार्जिन थोड़ा घटने की आशंका है। सरकारी बैंकों में भी कुछ दबाव रहेगा, हालांकि उनकी स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में उसके कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर करीब 5फीसदी बढ़ सकता है। हालांकि पिछली तिमाही के मुकाबले इसमें 8फीसदी की गिरावट आने का अनुमान है।रिपोर्ट के मुताबिक प्राइवेट बैंकों का मुनाफा सालाना आधार पर करीब 11फीसदी बढ़ सकता है। वहीं सरकारी बैंकों का मुनाफा करीब 2फीसदी घटने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि इसमें एक बड़ा कारण बैंक ऑफ बड़ौदा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूएई से जुड़े एक कानूनी मामले के निपटारे के लिए बैंक को करीब 5,700 करोड़ रुपए का एकमुश्त प्रावधान करना पड़ सकता है। अगर बैंक ऑफ बड़ौदा को अलग कर दें, तो बाकी सरकारी बैंकों का मुनाफा भी करीब 12फीसदी बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में बैंकों की लोन ग्रोथ मजबूत बनी रही। 15 जून तक आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में लोन 17.7फीसदी की दर से बढ़े, जबकि डिपॉजिट सिर्फ 12फीसदी बढ़े यानी बैंक तेजी से कर्ज दे रहे हैं, लेकिन उसी रफ्तार से उनके पास जमा नहीं बढ़ रहा है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,677, निफ्टी 516 अंक गिरा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका के ईरान पर किये हमलों के बाद दुनिया भर के बाजारों में मची उथल-पुथल से बिकवाली हावी होने और कच्चे तेल की कीमतें फिर बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 1,677.12 टूटकर 76,503.60 पर खिसक गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 516.65 अंक की गिरावट के साथ ही 23,882.05 पर फिसल गया। इसके अलावा व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी काफी गिरावट दर्ज की गई। वहीं क्षेत्रवार देखें तो सभी प्रमुख सूचकांक गिरावट पर हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी बैंक का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पीएसयू बैंकों के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई, इसके अलावा निफ्टी बैंक , निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी) और निफ्टी मीडिया में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा,निफ्टी और निफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी गिरावट रही।

निफ्टी के सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में जियो फाइनेंशियल, इंटरग्लोब एविएशन, श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी और एचयूएल शामिल रहे, जबकि ओएनजीसी और बजाज ऑटो, हिंडाल्को और कोल इंडिया के शेयर उछले।

इस बिकवाली में बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 8 लाख करोड़ से ज्यादा की गिरावट आई। गत दिवस बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों का बाजार मूल्यांकन 480.20 लाख करोड़ रुपए था, जो अब घटकर 471.44 करोड़ रुपए हो गया है। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। गौरतलब है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम समाप्त हो गया है जिसके बाद से ही निवेशकों ने बाजार से दूरी बना ली है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 625 अंक फिसलकर 77,555.52 के निचले स्तर तक खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 गिरकर 24,207.20 के स्तर तक रहा।

मोबाइल रिचार्ज में भारी बढ़ोतरी तय, जेब पर पड़ेगा सीधा असर

रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक महंगे हो सकते

मुंबई।

भारतीय मोबाइल उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगने वाला है। जल्द ही आपके मासिक या वार्षिक रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक महंगे हो सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर सीधा बोझ पड़ेगा। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया अपने औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में सुधार लाने और 5जी नेटवर्क पर किए बड़े निवेश की भरपाई की तैयारी में हैं। पिछले टैरिफ बढ़ोतरी के झटके से उपभोक्ता अभी उबर भी नहीं सके थे कि यह दूसरी बड़ी वृद्धि सामने आने वाली है।टेलीकॉम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर यह बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बाजार में अब केवल 3+1 खिलाड़ी होने के कारण, कंपनियों के लिए कीमतें बढ़ाना आसान हो गया है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाली तिमाही में सभी निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के एआरपीयू में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण ग्राहकों का 2जी से 4जी और 5जी नेटवर्क पर अपग्रेड होना, पोस्टपेड ग्राहकों की बढ़ती संख्या और डेटा उपयोग में लगातार वृद्धि है।रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने सब्सक्राइबर मार्केट शेयर में लगातार इजाफा कर रहे हैं, जबकि दोनों ही कंपनियाँ देश के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों में 5जी सेवाएं शुरू कर चुकी हैं और अपने नेटवर्क में अधिक 5जी डिवाइस जोड़ने पर काम कर रही हैं। वोडाफोन आइडिया भी लगभग 100 शहरों में अपनी 5जी सेवा का विस्तार कर रहा है। डेटा के बढ़ते इस्तेमाल को देखकर टेलीकॉम कंपनियों को लगता है कि कीमतों में बढ़ोतरी का सही समय है।

तीन महीनों में खत्म होगी 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन

-जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

नुवामा इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषण के मुताबिक जुलाई से सितंबर के बीच कुल 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन हटाए जाने हैं, जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर है। हालांकि ये सभी शेयर, बाजार में नहीं आएंगे क्योंकि प्रवर्तक और प्रवर्तक समूहों के पास भी इनका एक बड़ा हिस्सा है। कुछ शेयरों के लिए एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है और कुछ अन्य के लिए तीन या छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है, जिन शेयरों का एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है, उनमें सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज, टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस, वॉटरवेज लीजर टूरिज्म, हेक्सागन न्यूट्रिशन, एडवाइट ज्वेल्स और सीएसएम टेक्नोलॉजीज शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी शेयरों का तीन महीने का लॉक-इन सितंबर तक खत्म हो जाएगा। इनके अलावा, ओम पावर ट्रांसमिशन और ऑनईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस ऐसी कंपनियां हैं, जिनका तीन महीने का लॉक-इन पीरियड सितंबर के आखिर से पहले खत्म हो जाएगा। भारत कोकिंग कोल, शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज और आय फाइनेंस उन फर्मों में शामिल हैं, जिनका छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है।

जानकारों का कहना है कि आईपीओ लॉक-इन की समयसीमा खत्म होने से द्वितीयक बाजार में शेयरों की संख्या में तेजी नहीं आती है क्योंकि संस्थागत निवेशकों और प्राइवेट इक्विटी फंड आम तौर पर खुले बाजार में सीधे शेयर बेचने के बजाय बातचीत के जरिये नियोजन या ब्लॉक ट्रेड के जरिये अपना निवेश निकालने की योजना बनाते हैं। स्वतंत्र इक्विटी विश्लेषक ने कहा कि अक्सर लेनदेन खास तरीके से तय या नियोजित किए जाते हैं। ब्रोकर, मर्चेंट बैंकर और खुद कंपनी भी इच्छुक खरीदारों को खोजने में मदद करते हैं ताकि ज्यादा उथल-पुथल के बिना शेयर बिक जाएं।

सोने और चांदी के भावों में आई नरमी

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को नरमी आई है। कीमती धातुओं में ये गिरावट डॉलर में मजबूती और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जून बैठक के मिनट्स जारी होने से पहले निवेशकों की सतर्कता से आई है। इससे सोने-चांदी की कीमतें गिरी हैं। दुनिया भर के साथ ही घरेलू बाजारों में भी कीमतें नीचे आयी हैं। आज कॉमेक्स पर सोना 4,100 डॉलर प्रति औंस से नीचे आया। वहीं चांदी भी 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक खिसकी। घरेलू मार्केट मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज भी फिसला है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव 1,44,950 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,29,300 रुपये के करीब रहे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत में भी कमी आई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 192 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,45,200 रुपये के भाव पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,45,392 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 842 रुपये की गिरावट के साथ 2,30,015 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,30,857 रुपये था। चांदी का वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर तक पहुंचा।

सरकार ने ईवी वाहन में लगे सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का ऑडिट के दिए निर्देश

-यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया

नई दिल्ली।

सरकार ने वाहन विनिर्माताओं और वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनियों को कनेक्टेड कारों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में लगे वाहन प्रबंधन सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का व्यापक ऑडिट करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह निर्देश यात्री और वाणिज्यिक दोनों वाहन श्रेणियों पर लागू होगा।

यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर ऐपल और गूगल को तीन ऐप हटाने का निर्देश दिए जाने के बाद उठाया गया है। भारी उद्योग मंत्रालय ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम और वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एक्मा को लिखे पत्र में कंपनियों से अपने बैटरी संचार इंटरफेस का ऑडिट करने और असुरक्षित डिफॉल्ट सेटिंग, कमजोर प्रमाणीकरण या असुरक्षित ओवर-द-एयर विकल्पों को खत्म करने का आग्रह किया है।

बिज़नेस स्टैंडर्ड ने भी इस पत्र को देखा है। उसके मुताबिक भारी उद्योग मंत्रालय ने यह भी कहा कि वाहन विनिर्माताओं को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कारखाना स्तर पर बेहतर और दमदार साइबर सुरक्षा डिजाइन प्रोटोकॉल स्थापित करने चाहिए। पत्र में हैकिंग की घटनाओं को सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता बताया है जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरुरत है। सूत्र ने बताया कि सरकार की मुख्य चिंता कनेक्टेड कारों के लिए है।

कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज, 950 करोड़ जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली।

फिटनेस और वेलनेस कंपनी कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के पास कागजात जमा कर दिए हैं। इस आईपीओ से कंपनी 950 करोड़ रुपए तक की नई पूंजी जुटा सकती है। कंपनी भारत में हेल्थ और वेलनेस सेवाओं की बढ़ती मांग का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। इस ऑफर में नए शेयर जारी करना और मौजूदा निवेशकों की बिक्री पेशकश शामिल है। मामले के जानकार लोगों का मानना है कि आईपीओ का कुल आकार करीब 4,000 करोड़ रुपए तक हो सकता है। टेमासेक, फिडेलिटी, फस्ट लक्जमबर्ग, चिराटे वेंचर्स, टाटा डिजिटल, एक्सेल इंडिया, कलारी कैपिटल और श्रोडर्स कैपिटल जैसे मौजूदा निवेशक ओएफएस में करीब 17.86 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहे हैं। हर इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए है। इस आईपीओ में सह-संस्थापक मुकेश बंसल, एंजेल निवेशक ब्रूनो रैशल और अभिनेता ऋतिक रोशन भी अपने शेयर बेच रहे हैं। शेयर बेचने वालों में एशियन पेंट्स की प्रमोटर कंपनी डोली ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स, हॉस्पिटैलिटी कंपनी सन एन सैंड होटल्स, एंडिया पार्टनर्स के संस्थापक सतीश अंद्रा, मिंत्रा के पूर्व सीईओ अनंत नारायणन का फैमिली ट्रस्ट और अभिनेता ऋतिक रोशन की निवेश कंपनी एक्सट्रीम ब्रांड्स भी शामिल हैं। कल्ट डॉट फिट में मैकरिची इन्वेस्टमेंट्स सबसे बड़ी शेयरधारक है, जिसके पास 20.3 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और अपने कल्ट एलीट और कल्ट नियो फिटनेस सेंटरों को बढ़ाने के लिए करेगी। वह नए कल्टस्पोर्ट रिटेल आउटलेटों में भी निवेश करेगी, लीज से जुड़े पेमेंट करेगी, मार्केटिंग और ब्रांड प्रमोशन पर खर्च बढ़ाएगी और सामान्य कॉरपोरेट कार्यों में इसका इस्तेमाल करेगी। 31 मार्च 2026 तक कल्ट फिट भारत का सबसे बड़ा फिटनेस और ऐक्टिव-लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म था। इसके 77 शहरों में 708 फिटनेस सेंटर थे। 2025-26 में कंपनी के करीब 9,87,000 फिटनेस सदस्य थे जो पैसे देकर सेवाएं लेते हैं।

फैब्रिक्स कंपनी कुसुमगर का 650 करोड़ रुपए का खुला आईपीओ

-आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मांग मजबूत

नई दिल्ली।

इंजीनियर्ड फैब्रिक्स बनाने वाली कंपनी कुसुमगर का बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफर बुधवार 8 जुलाई से निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी इस सार्वजनिक निर्गम के जरिए 650 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। हालांकि, यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, इसलिए इस आईपीओ से मिलने वाली रकम कंपनी के पास नहीं जाएगी, बल्कि प्रमोटर शेयरधारकों को मिलेगी। आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मजबूत मांग है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल है कि क्या इस आईपीओ में निवेश करना सही रहेगा या नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक कुसुमगर का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। इसके तहत प्रमोटर करीब 1.55 करोड़ इक्विटी शेयर बेच रहे हैं। कंपनी इस इश्यू के जरिए कोई नए शेयर जारी नहीं कर रही है। आईपीओ का प्राइस बैंड 398 रुपए से 419 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एक लॉट में 35 शेयर शामिल हैं यानी खुदरा निवेशकों को कम से कम 14,665 का निवेश करना होगा। वहीं अधिकतम 13 लॉट के लिए करीब 1,90,645 का निवेश करना पड़ेगा।

आईपीओ खुलने से पहले कुसुमगर के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में मजबूत प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। बाजार सूत्रों के मुताबिक शेयर करीब 590 के भाव पर ट्रेड कर रहे हैं। यह आईपीओ के ऊपरी प्राइस बैंड 419 रुपए के मुकाबले 171 रुपए प्रति शेयर या करीब 40.81 फीसदी का ग्रे मार्केट प्रीमियम दर्शाता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि ग्रे मार्केट प्रीमियम केवल बाजार की धारणा को दर्शाता है। इसे लिस्टिंग या भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।कुसुमगर आईपीओ में निवेश करने की आखिरी तारीख 10 जुलाई है। शेयरों का आवंटन 13 जुलाई को हो सकता है। सफल निवेशकों के डिमैट खाते में शेयर 14 जुलाई तक पहुंच सकते हैं। वहीं, कंपनी के शेयरों की 15 जुलाई को स्टॉक बाजार में लिस्टिंग होने की उम्मीद है। चूंकि यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल है, इसलिए आईपीओ से जुटाई गई राशि कंपनी के कारोबार में इस्तेमाल नहीं होगी। कंपनी ने अपने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में स्पष्ट किया है कि इश्यू से मिलने वाली पूरी रकम संबंधित प्रमोटर शेयरधारकों को जाएगी।

अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल

-ईरान ने हमलों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली।

होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए और साथ ही ईरान को अंतराष्ट्रीय बाजार में तेल बेचने की दी गई अस्थायी छूट वापस ले ली है।

इन घटनाओं ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए युद्धविराम पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई युद्धविराम के उल्लंघन और समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के जवाब में की गई है। वहीं ईरान ने इन कदमों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी गई है कि हमलों में ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी प्रणाली, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर कहा कि ईरान की आक्रामक कार्रवाई न केवल अनुचित और खतरनाक थी, बल्कि यह युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन भी थी। ईरानी मीडिया के मुताबिक दक्षिणी शहर सीरिक, क्रेशम द्वीप और बंदर अब्बास में कई विस्फोट हुए। एक व्यावसायिक बंदरगाह पर प्रोजेक्टाइल गिरने से कुछ लोग घायल हुए, जबकि मछली पकड़ने वाली कई नौकाओं में आग लग गई। हालांकि, किसी नागरिक की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका ने ईरान को तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्यात की जो अस्थायी अनुमति दी थी उसे भी रद्द कर दिया है।

पेरिस एफसी ने पूर्व चेल्सी कोच लियाम रोसेन्योर को हेड कोच नियुक्त किया

पेरिस। पूर्व चेल्सी हेड कोच लियाम रोसेन्योर को पेरिस एफसी ने अपनी पुरुष टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया है। कुछ महीनों पहले प्रीमियर लीग ने उन्हें पद से हटाया था, जिसके बाद इंग्लिश कोच को यह जिम्मेदारी मिली है। लीग 1 की इस टीम ने मंगलवार को पुष्टि की है कि 41 वर्षीय रोसेन्योर ने जून 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। वे आधिकारिक तौर पर 9 जुलाई से काम शुरू करेंगे, जब टीम प्री-सीजन ट्रेनिंग के लिए लौटेगी। रोसेन्योर, एंटोनी कोम्बोउरे की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में क्लब को 11वें स्थान पर पहुंचाने से पहले लीग 1 में बने रहने में मदद की थी। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद, क्लब ने कोम्बोउरे के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह एक नया अध्याय शुरू करना

चाहता है। अप्रैल में चेल्सी में अपने छोटे से कार्यकाल के खत्म होने के बाद रोसेन्योर फुटबॉल मैनेजमेंट में वापसी कर रहे हैं। पूर्व डिफेंडर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चार महीने से भी कम समय तक रहे और फिर क्लब से अलग हो गए।

पेरिस एफसी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को तैयार करने और फुटबॉल का एक महत्वाकांक्षी, आक्रामक शैली अपनाने के लिए रोसेन्योर की ख्याति ने उन्हें क्लब को अगले चरण में ले जाने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया। क्लब ने एक बयान में कहा, '41 वर्षीय लियाम रोसेन्योर के पास पहले से ही उच्चतम स्तर का काफी अनुभव है। युवा प्रतिभाओं को निखारने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लियाम रोसेन्योर, पेरिस एफसी की विचारधारा और स्पोर्टिंग प्रोजेक्ट के लिए एकदम सही हैं। महत्वाकांक्षी, आकर्षक और आक्रामक फुटबॉल के प्रति उनका नजरिया क्लब की भविष्य की महत्वाकांक्षाओं से मेल खाता है।' पेरिस एफसी के स्पोर्टिंग डायरेक्टर मार्को नेपे ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए रोसेन्योर को एक आधुनिक कोच बताया जो खिलाड़ियों और टीम दोनों को विकसित करने में सक्षम हैं। नेपे ने कहा, 'लियाम रोसेन्योर में वे सभी गुण हैं जिनकी हमें तलाश थी।

जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में गौतम गंभीर नहीं होंगे भारत के कोच

वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे के बाद जिम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए सोमवार (6 जुलाई) को श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम का ऐलान हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को एशियन गेम्स में खेलने है। खबर है कि जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर नहीं होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के लॉग रिकॉर्ड के अनुसार जुलाई के अंत में जिम्बाब्वे दौरे और सितंबर में एशियन गेम्स के लिए कोचिंग स्टाफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से होगा। वीवीएस लक्ष्मण के सपोर्ट

स्टाफ की अगुआई करने की उम्मीद है। सीओई में उनके साथी कोच सुनील जोशी और ऋषिकेश कानिटकर के भी उनके साथ जुड़ने की संभावना है।

एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज सीरीज में टकराव यह व्यवस्था खास तौर पर इसलिए जरूरी है क्योंकि जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज में टकराव होना है। इससे पहले सितंबर के बीच में भारत में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। इत्तेफाक से अफगानिस्तान उस सीरीज का मेजबान होगा। जिम्बाब्वे दौरे के योजना के मुताबिक, भारतीय टीम के कुछ सदस्य 19 जुलाई को हरारे पहुंचेंगे।

जिम्बाब्वे में 3 मैचों की सीरीज– बाकी खिलाड़ी 19 जुलाई को लॉर्ड्स में तीसरे और आखिरी वनडे के बाद 20 जुलाई को टीम से जुड़ेंगे। टीम 20 से 22 जुलाई तक और फिर 24 जुलाई को आराम करेगी और ट्रेनिंग करेगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की हार जारी

● इंग्लैंड ने टीम इंडिया को किया 76 पर ढेर

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत को 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच मैच में 125 रनों से हरा दिया और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में मंगलवार (7 जुलाई) को भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। फिल सॉल्ट ने अर्धशतक जड़ा। भारत के लिए प्रिंस यादव ने अच्छी गेंदबाजी की। 2 विकेट झटके। इसके जवाब में भारत 11.4 ओवर में 76 रन पर ढेर हो गया।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने जबरदस्त गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर (3 ओवर में 3/29) और जोश टंग (4 ओवर में 4/28) ने पावरप्ले में जबरदस्त आक्रामकता के साथ गेंदबाजी की। जब भारत का स्कोर पांच ओवर में 5 विकेट पर 52 रन हो गया, तभी मैच का नतीजा लगभग तय हो गया था।

सबसे बुरी बात यह रही कि यह हाल के समय में भारत के सबसे खराब बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक था, जिसमें खराब शॉट चयन और लड़ने का जज्बा न होना साफ दिखा। बाकी का समय बस औपचारिकता भर था। पावरप्ले के दौरान शिवम दुबे से पहले नंबर 7 पर हर्षित राणा जैसे 'हिट-एंड-मिस' वाले खिलाड़ी को भेजने पर कई लोगों ने हैरानी भी जताई।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दो छक्के लगाए (एक जोफ्रा आर्चर और एक जोश टंग की गेंद पर) लेकिन उनकी 13 रन की पारी सिर्फ पांच गेंदों में खत्म हो गई। उनके दाहिने कंधे पर आए एक तेज बाउंसर पर उन्होंने हुक शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। इससे वैभव सूर्यवंशी को यह अहसास हो गया कि इंटरनेशनल क्रिकेट हमेशा बच्चों का खेल नहीं होता।

अभिषेक शर्मा डीप एक्स्ट्रा कवर पर कैच आउट हो गए। यह वही इलाका है जहां वह पहले भी कई बार आउट हो चुके हैं। इशान किशन ने हुक करके एक छक्का तो लगाया, लेकिन जल्द ही आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर फ्लिक करने की कोशिश की और स्क्वायर के पीछे खड़े फील्डर के हाथों में गेंद मार बैठे। अक्षर पटेल को शॉर्ट बॉल की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें फुलर लेंथ मिली और उसका किनारा लगकर गेंद स्टंप्स के पीछे चली गई।

भारत की सबसे बड़ी हार

दूसरे सबसे कम स्कोर पर आउट

पावरप्ले में पहली बार गंवाए 5 विकेट

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी है। इंग्लैंड ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मंगलावर (7 जुलाई) को 125 रनों से हरा दिया। यह भारतीय टीम की सबसे बड़ी हार है। वह टी20 इंटरनेशनल में पहली बार 100 से ज्यादा रन से हारी। टॉस हारकर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 11.4 ओवर में 76 रन पर आउट हो गई। यह भारत का सबसे न्यूनतम स्कोर है। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवा दिए। छठे ओवर में ही हर्षित राणा बल्लेबाजी के लिए आ गए। पहली बार ऐसा हुआ कि भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवाए। वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद 5 मैचों से जीत का इंतजार है। उसने 4 मैच गंवाए हैं और 1 मैच बेनतीजा रहा है। भारत ने जीत के लिए कभी इतना लंबा इंतजार नहीं किया।

भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी

- 125 रन से इंग्लैंड ने हराया, ट्रेंटब्रिज, 2026
- 80 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, वेलिंगटन, 2019
- 76 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, अहमदाबाद, 2026
- 51 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, मुल्लनपुर, 2025
- 50 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, विशाखापत्तनम, 2026

(ऊपर दिए गए पांच में से चार दिसंबर 2025 के बाद आए हैं)

0-2 से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना की शानदार वापसी

11 मिनट में पलटी बाजी, मेसी बने संकटमोचक

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अर्जेंटीना के लिये 'संकटमोचक' की भूमिका निभाई और मिस्र के खिलाफ 79वें मिनट तक 2 गोल से पिछड़ रही मौजूदा चैम्पियन टीम को 3-2 से जीत के साथ विश्व कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया। निर्धारित समय में 11 मिनट बाकी रहने तक अर्जेंटीना दो गोल से पिछड़ रहा था और ऐसा लगने लगा था कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद मेसी की फुटबॉल के महासमर से विदाई का समय आ गया है। इसके बाद अर्जेंटीना ने चमत्कारिक वापसी करते हुए तीन गोल दागकर जीत दर्ज की और दुनिया भर में उसके करोड़ों प्रशंसकों ने भी राहत की सांस ली। इसमें से बराबरी का गोल 83वें मिनट में छठा विश्व कप खेल रहे मेसी ने दागा था जिनके अब विश्व कप कैरियर में 21 गोल हो गए हैं। अब अर्जेंटीना का सामना शनिवार (11 जुलाई) को कंसास सिटी में स्विटजरलैंड या कोलंबिया से होगा।

मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके

आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके। उन्होंने 83वें मिनट में इस विश्व कप में आठवां गोल करके टीम को 2-2 से बराबरी पर पहुंचाया। विजयी गोल स्टॉपेज टाइम में एंजो फर्नांडिस ने दागा। वहीं क्रिस्टियन रोमेरो ने 79वें मिनट में अर्जेंटीना के लिये पहला गोल किया था।

मेसी पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए

मिस्र ने यासिर इब्राहिम और मुस्तफा जिको के गोल के दम पर 2-0 से बढ़त बना ली थी। मेसी को पहले हाफ में मौका मिला था, लेकिन उनकी पेनल्टी किक को मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने बचा लिया था। फिर जब स्कोर 1-0 था, तब उनका शॉट गोलपोस्ट से टकरा गया। अर्जेंटीना की नजरें लगातार दूसरी बार खिताब जीतने वाली ब्राजील (1958 और 1962) के बाद पहली टीम बनने पर है।

15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली– मैच से पहले अर्जेंटीना को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन 15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली जब लिसांद्रो मार्तिनेज को चकमा देकर इब्राहिम ने मारवान आतिया के क्रॉस पर गोल दाग दिया। अर्जेंटीना को तुरंत पेनल्टी स्पॉट के साथ बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेसी के शॉट को शोबीर ने बायीं ओर डाइव लगाकर बचा लिया।

एम्बाप्पे के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की जांच शुरू

पराग्वे के सांसद ने परवरिश का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली। विश्व कप में फ्रांस के हाथों पराग्वे की हार के बाद पराग्वे के एक सांसद द्वारा कीलियन एम्बाप्पे के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किये जाने के मामले में फ्रांस के अभियोजकों ने गंभीर सार्वजनिक अपमान और नफरत या हिंसा भड़काने के आरोपों में जांच शुरू कर दी है। फ्रांस के अभियोजकों के कार्यालय ने मंगलवार (7 जून) को बताया कि आनलाइन घृणा से निपटने वाली राष्ट्रीय ईकाई को फ्रेंच फुटबॉल महासंघ से शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई है। पराग्वे की लिबरल रेडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टी अमारिला ने एक्स पर नस्लीय टिप्पणी की थी। इससे पहले एम्बाप्पे के गोल के दम पर फ्रांस ने पराग्वे को हराया था। अमारिला ने फ्रांस के कप्तान के मूल, परवरिश, शिक्षा और चेहरे मोहरे का मजाक बनाया था। फ्रांस क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है जहां उसका सामना मोरक्को से होगा। एम्बाप्पे ने उन्हें 'घिनौनी महिला' करार देते हुए कहा था कि वह पराग्वे की कांग्रेस में सेवा के लायक नहीं हैं।

अमारिला ने पत्र जारी किया

बाद में अमारिला ने सोशल मीडिया पर एम्बाप्पे के लिए फ्रेंच और स्पेनिश भाषा में एक खुला पत्र जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी समस्या खिलाड़ी से थी, न कि फ्रांस देश से।

अभिषेक नंबर 1

वैभव टॉप-10 से बाहर

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-15 खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत को बेशक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में रन के लिहाज से सबसे बड़ी हार मिली हो, बेशक इस मैच में भारतीय बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से लड़खड़ा गई हो, लेकिन इस मुकाबले के बाद अगर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-15 बल्लेबाजों की बात करें तो अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर हैं।

वहीं इस टी20 सीरीज के दूसरे मैच में डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी टॉप-10 से बाहर हैं।

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 112 रन बनाए हैं जबकि दूसरे नंबर पर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ अब तक कुल 110 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के बैटर जैकब बेथेल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 89 रन बनाए हैं। वैभव सूर्यवंशी इस लिस्ट में टॉप-10 से बाहर हैं। वैभव ने 2 मैचों में 27 रन बनाकर 12वें नंबर पर हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: देश का मान बढ़ाने टीम इंडिया ग्लास्गो रवाना

खिलाड़ियों की भव्य विदाई, नई किट भी लॉन्च

नई दिल्ली। भारत फिर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है। देश के खिलाड़ी अब स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगे का मान बढ़ाने उतरेंगे। इस मौके पर भारतीय ओलंपिक संघ ने मंगलवार सात जुलाई 2026 को खिलाड़ियों और अधिकारियों के दल को भव्य विदाई दी। साथ ही उन आधिकारिक सेरेमोनियल और प्रतियोगिता किट का भी अनावरण किया, जिसे भारतीय खिलाड़ी ग्लास्गो में पहनेंगे। इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह मौजूद रहे। खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ''हमारे खिलाड़ी नए भारत की खेल प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। मैं सभी खिलाड़ियों से कहना चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के खेलें, खेल भावना का सम्मान करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।''

23 जुलाई से होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के बारे में मनसुख मांडविया ने कहा, ''ग्लास्गो में हमारे सर्वश्रेष्ठ खेलों में से दस नहीं है, लेकिन खेल तो खेल है। हमें यकीन है कि हमारे खिलाड़ी पूरे उत्साह से खेलेंगे और देश को गौरवान्वित करके विश्व खेल जगत में भारत की छवि और मजबूत करेंगे।'' कार्यक्रम में खेल सचिव हरि रंजन राव, भारतीय दल के चीफ-डि-मिशन रोहित राजपाल और डिप्टी चीफ-डि-मिशन रवि बंगानी भी मौजूद रहे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, ''आज भारतीय खेलों के लिए एक नए गौरवशाली अध्याय की शुरुआत है। भारत की जर्सी पहनने वाले हर खिलाड़ी ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और त्याग के दम पर यह मौका हासिल किया है।

खेलों में मेजबान के तौर पर बढ़ रही भारत की साख: मनसुख मांडविया

इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वैश्विक खेल समुदाय में भारत के बढ़ते कद की बानगी इससे मिलती है कि भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की संख्या बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ अर्से में कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी की है, जिसमें विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है।

मनुसख मांडविया ने कहा, ''खेल आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। एक समय वह भी था जब महासंघ विश्व और अंतरराष्ट्रीय महासंघों से भारत में एशियाई खेल, एशियाई चैंपियनशिपस, विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए कहते थे लेकिन उन्हें भारत के सामर्थ्य पर संदेह रहता था।''

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3942

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3941 का हल

हंसी के फूव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई, तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.' दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली, तो पत्नी को जगाते हुए बोली, 'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली, 'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई?' दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

फिल्म वर्ग पहेली- 3942

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3941

खा	मो	शी		आ	प	की	क	स	म
की		शा	दी		ड़ो		भी		स्त
	आ		वा	प	स		ना		
प	ह	चा	न		न	या	क	द	म
रा			गी	ता			भी		ड
या	रा	ना		ज	मा	ना		स	र
ध		य	ति	म			रा	नी	
न	म	क		ह	म	रा	ज		फ
	र्या			ल		जे			रा
अ	दा	ल	त		इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु -3942

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3941 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली -3942

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -3941 का हल

	स	ह	का	रि	ता		अ	चा	न	क
हा	र		य		ना	वि	क		त	र
थ		त	र	जु	मा		ल	ता		दा
मा	कू	ल			र	थ		क	वि	ता
र		घ		फ	ना		खा		र	
ना	म	र	ख	ना		रा	ज	म	ह	ल
	थ		त		मो	ह		ह		प
क	ना	त		रा	ह			क	पा	ल
र		ना	प		त	म	क	ना		पा
ता	ना		ली	ड	र		थ		का	ना
र	च	यि	ता		मा	ख	न	चो	र	

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार
- सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर
- करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाड़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

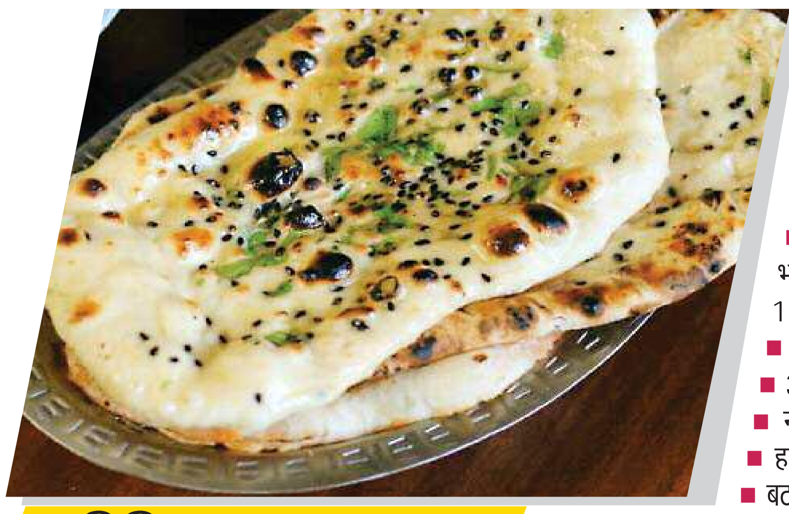

आलू कुल्चा

सामग्री

- मैदा: 2 कप
- चीनी: 1 चम्मच
- बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच
- गाढ़ा दही: 1/4 कप
- तेल: 2 चम्मच
- गुनगुना पानी: गूंदने के लिए

भरावन के लिए

- उबले आलू: 2
- कटी मिर्च: 1
- कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/4 चम्मच
- अदरक: 1 चम्मच
- अमचूर: 1/4 चम्मच
- अजवाइन: 1/4 चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- काले तिल: 2 चम्मच
- हरा धनिया चम्मच
- बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच
- बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

हमेशा आकांक्षा के साथ खड़ा हूं

चर्चित एक्टर और रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने लॉकअप सीजन 2 में हिस्सा लिया है। यहां उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया कि वे और गौरव तलाक ले रहे हैं। आकांक्षा ने यह भी कहा कि वे सालभर से अलग-अलग रहते हैं। पत्नी की तरफ से तलाक की पुष्टि के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार इस पर रिएक्शन दिया है।

तलाक की चर्चाओं के बीच गौरव खन्ना 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच एक्टर आज 30 जून को पहली बार 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट पर नजर आए। गौरव 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट के बाहर पैपराजी को पोज दिए। जैसे ही उन्होंने कैमरे के सामने पोज दिया तो एक फोटोग्राफर ने उनसे पूछा, 'गौरव भाई, क्या हाल हैं'? गौरव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बस यार, वही ,जो पहले था वही हाल है अभी भी। प्यार अभी भी उतना है, सपोर्ट अभी भी उतना है... मैं तो हमें सपोर्ट करूंगा आकांक्षा को, मेरी बीवी है यार। प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं'? इसके बाद फोटोग्राफर ने पूछा, 'भाई लेकिन कंट्रोवर्सी बहुत ज्यादा हो गई है'। इस पर गौरव ने कहा, 'आकांक्षा को जीवन के लिए शुभकामनाएं। मैं हमेशा उसके साथ खड़ा हूं और उसको सपोर्ट कर रहा हूं। वो अच्छा खेले और जीत कर आए'।

'लॉकअप सीजन 2' में आकांक्षा के तलाक को लेकर पुष्टि किए जाने के बाद पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा किया है। गौरव ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। कैप्शन में वे प्यार की हिमायत करते दिखे हैं। गौरव ने लिखा है, 'लव ऑलवेज'। गौरव खन्ना के इस पोस्ट पर उनके फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। नेटिजंस लिख रहे हैं, 'हम आपके साथ हैं। आपको खूब सारा प्यार'।

गौरी के साथ आमिर खान के विवाह पर सोमी अली की प्रतिक्रिया

गौरी स्प्रैट के साथ अभिनेता आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंध गये हैं। उनकी इस शादी को लेकर अब अभिनेत्री सोमी अली की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। सोमी अली की ओर से गौरी स्प्रैट और आमिर के लिए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज शेयर किया गया। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती।' उन्होंने आमिर और गौरी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे साथ मिलकर एक खुशहाल और संतोषजनक नया अध्याय शुरू करेंगे। इंस्टाग्राम पर सोमी अली ने उनकी फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'गौरी और आमिर के लिए, प्यार किसी कैलेंडर को नहीं मानता। किसी भी उम्र में अपनी जिंदगी साझा करने के लिए साथी मिलना उतना ही खूबसूरत है जितना कि 20 साल की उम्र में मिलना। खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती। प्यार के लिए खुला दिल जश्न मनाने की चीज है, आलोचना करने की नहीं। उम्र सालों में मापी जाती है, लेकिन प्यार पलों में मापा जाता है।'

सोमी अली ने आगे लिखा, 'अपना साथी पाने के लिए बधाई। कुछ लोग सही इंसान की तलाश में पूरी जिंदगी बिता देते हैं। अगर

वह सफर किसी भी उम्र में शादी तक ले जाता है, तो वह देर नहीं है। वह बिल्कुल सही समय है। नया अध्याय शुरू करने का साहस प्रेरणादायक है। आप दोनों को जीवन भर खुशी, हंसी और साथ मिले। सबसे अच्छी प्रेम कहानियां इस बात से तय नहीं होतीं कि वे कब शुरू होती हैं, बल्कि इस बात से कि उन्हें कितनी गहराई से जिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उम्मीद है कि जो लोग आपकी उम्र को लेकर सवाल उठाते हैं, वे एक दिन समझेंगे कि खुशी की कोई समय-सीमा नहीं होती। उम्र बढ़ना तो तय है; साथ में उम्र बढ़ना एक तोहफा है। सबसे बड़ी उपलब्धि कम उम्र में शादी करना नहीं है, बल्कि ऐसा साथी पाना है जिसके साथ बुढ़ापा बिताया जा सके। ये भावनाएं, प्यार, साथ और जीवन के किसी भी पड़ाव पर खुशी पाने की आजादी का जश्न मनाती हैं।'

हाल ही में, 'प्रीतम एंड पेड्रो' की स्क्रीनिंग के दौरान, आमिर ने गौरी के साथ अपने शादी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह एक निजी समारोह होगा, जिसमें केवल उनके करीबी परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल होंगे। आमिर ने बताया था, 'हम 5 तारीख को शादी कर रहे हैं। यह बहुत छोटी शादी है। हम इसे घर पर ही कर रहे हैं। 5 तारीख हमारे लिए बहुत खास दिन है। इसमें सिर्फ दोनों परिवार और कुछ करीबी दोस्त शामिल होंगे।

पैपराजी कल्चर पर सैफ अली खान ने रखी राय

सैफ अली खान ने भारत में लगातार बढ़ रहे पैपराजी कल्चर पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सेलेब्स के हर समय लोगों की नजर में रहने पर चिंता जताई है। एक्टर का मानना है कि रोजाना तस्वीरें खींचे जाने से फिल्मी सितारों से जुड़ा रहस्य खत्म हो जाता है। उन्होंने पर्सनल बाउंड्रीज का सम्मान करने की अहमियत पर भी जोर दिया।

कम हो जाता है स्टारडम

बरखा दत्त के साथ बातचीत में सैफ ने बताया कि उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में तेजी से आम हो रहे पैपराजी कल्चर से ज्यादा लगाव क्यों नहीं है। उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि इससे स्टारडम काफी हद तक कम हो जाता है क्योंकि आप इन लोगों को रोज देखते रहते हैं। फिर स्क्रीन का वो जादू खत्म हो जाता है।'

घर में घुस गए थे पैपराजी

एक्टर ने बताया कि एक बार कथित तौर पर पैपराजी उनके घर के परिसर में घुस आए थे। इस घटना के बारे में बात करते हुए सैफ ने कहा कि स्थिति हद से ज्यादा बढ़ गई थी। इस बात पर जोर दिया कि स्पष्ट सीमाएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पैपराजी ने 'सीमा पार कर दी थी। हर किसी को अपनी सीमा में रहना चाहिए।'

अलग है पैपराजी कल्चर

उन्होंने आगे कहा 'मेरी जिंदगी उनके बिना भी ठीक थी। फोटोग्राफर और जर्नलिस्ट की भूमिकाएं बिल्कुल अलग होती हैं और उन्हें एक जैसा नहीं माना जाना चाहिए। सैफ ने आगे साफ किया कि भले ही वह पत्रकारिता का सम्मान करते हैं, लेकिन पैपराजी कल्चर पूरी तरह से अलग चीज है। एक्टर के अनुसार, पब्लिक फिगर होने के बावजूद प्राइवेसी बनाए रखना जरूरी है।

करियर की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है सतलुज

करीब 3 साल तक यह फिल्म अलग-अलग कारणों से चर्चा में रही। कभी रिलीज में देरी, कभी नाम बदलने की बात और कभी सेंसर से जुड़ी परेशानियां- इन सबके बीच यह फिल्म अटकी रही। अब आखिरकार यह दर्शकों तक पहुंच गई है। यह सोशल ड्रामा फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की जिंदगी से प्रेरित है। दिलजीत के लिए यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं थी, बल्कि एक ऐसा अनुभव था जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया। दिलजीत दोसांझ ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक रूप से काफी प्रभावित किया। उन्होंने कहा,

'ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे करियर की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने हम सब से भावनात्मक और शारीरिक रूप से बहुत कुछ ले लिया। लंबे शूटिंग के दिन, कठिन हालात और इंटेंस सीन थे। लेकिन सबसे ज्यादा असर इस कहानी के विषय का पड़ा, जो मेरे साथ लंबे समय तक बना रहा।'

दिलजीत ने आगे बताया कि आमतौर पर वह एक फिल्म खत्म होते ही तुरंत अगली फिल्म में लग जाते हैं और ब्रेक लेना पसंद नहीं करते। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर मैं फिल्म खत्म होते ही आगे बढ़ जाता हूं, लेकिन इस फिल्म के बाद मुझे एक हफ्ते का ब्रेक लेना पड़ा। जसवंत सिंह खालरा का किरदार निभाने के दौरान जो कुछ मैंने महसूस किया, उसे समझने और उससे बाहर निकलने में समय लगा। वो सीन, वो इमोशंस मेरे साथ बने रहे, इसलिए थोड़ा वक्त लेना जरूरी था।'

फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी से खुश हैं। उन्होंने लंबे वक्त के बाद इस फिल्म में वापसी की है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, बहुत कम महिला-प्रधान फिल्मों को ऐसी कमर्शियल सफलता मिलती है। हाल ही में सामंथा ने कहा कि फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है।

पुरुष कलाकारों पर होती है मेहनत

बातचीत में जब सामंथा से पूछा गया कि क्या महिला स्टार्स को ज्यादा फीस के लिए संघर्ष करना पड़ता है? इस पर सामंथा ने कहा 'यह एक बार में एक कदम उठाने जैसा है। मैंने हमेशा यही कहा है, पुरुष सुपरस्टार एक दिन में नहीं बनते। बड़े-से-बड़े पुरुष सुपरस्टार बनाने में समय और मेहनत लगी है। हर फिल्म के साथ, हर डायरेक्टर ने उन्हें भगवान जैसा दर्जा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसमें समय लगा है।' उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि महिला स्टार्स को उतनी मेहनत और समय नहीं दिया जाता। अगर डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स किसी एक्ट्रेस को सुपरस्टार बनाने में उतनी ही मेहनत करें, तो यह मुमकिन हो जाएगा। हमें बस उस समय और इन्वेस्टमेंट की जरूरत है।'

बिना सोचे-समझे कुछ नहीं कहता

अली फजल को इंडिया में भले दर्शक 'मिर्जापुर' के गुड्डू भैया के रूप में जानते हों, मगर अली ने हॉलीवुड में भी अच्छा-खासा काम किया है। इन दिनों वेब सीरीज 'राख' में अपनी भूमिका के लिए तारीफ बटोरने वाले अली जल्द ही कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे। आमिर खान की 'बंटवारा 1947' के अलावा वह फिल्म 'मिर्जापुर' और 'लस्ट स्टोरीज' में भी नजर आएंगे।

'बंटवारा 1947' में बड़ा रोल नहीं, पर अहम

'बंटवारा 1947' में अपने रोल पर अली फजल कहते हैं, ''बंटवारा' में मेरा बहुत बड़ा रोल नहीं है, लेकिन मेरे लिए किरदार के आकार से ज्यादा अहमियत उस टीम और कहानी की होती है, जिसका मैं हिस्सा बनता हूं। सनी देओल जैसे दिग्गज कलाकारों और शानदार टीम के साथ काम करना अपने आप में बड़ा अनुभव है। आमिर खान सर इसे बना रहे हैं और मुझे इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है। सच तो ये है कि मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखना चाहता। फिल्म मिर्जापुर में चिरपरिचित चेहरों के साथ एक सिनेमैटिक अनुभव मिलेगा।'

आज से तकरीबन दो साल पहले अली और रिचा ने जुनेरा नाम प्यारी बेटी को जन्म दिया। अली खुद को खुशकिस्मत मानते हैं, बेटी को पाकर। वह कहते हैं, 'बेटी को पाकर नसीब वाला महसूस करता हूं । बस रोज, दुआ करता हूं कि एक पैरेंट के रूप में बेटी का ध्यान रख पाऊं, उसकी जरूरतें पूरी कर पाऊं। मुझमें जमीन-आसमान का बदलाव आया है। लोग जब पूछते हैं कि एक पिता के रूप में क्या देना चाहेंगे? तो मैं मुझे लगता है कि ये तो इतिहास की सबसे पुरानी चीज है। हम बच्चों को क्या दे सकते हैं? जो भी देना है, वो तो हमारा फर्ज है। हम हजारों सालों से ये करते आए हैं। मुझे लगता है कि हमें बात का बतंगड़ नहीं बनाना चाहिए। हमें काम करना चाहिए, बच्चे पालने चाहिए, उन्हें एजुकेट करना जरूरी है। बाकी तो दुनिया चल ही रही है।'

जरूरी नहीं हर समय हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए

अली ने आगे कहा, 'हालांकि, एक अभिनेता के तौर पर हमारी जिम्मेदारी जरूर बनती है, क्योंकि हम भी समाज का हिस्सा हैं। हम समाज को देखते हैं, उससे सीखते हैं और फिर उसी का एक रूप अपने सिनेमा और कहानियों के माध्यम से दर्शकों के सामने रखते हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि हर समय और हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए। पहले सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए लोगों से ऐसी अपेक्षाएं भी कम थीं। आज सोशल मीडिया के दौर में अक्सर यह उम्मीद की जाती है कि हर विषय पर कलाकार अपनी राय रखें। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि आखिरकार हर व्यक्ति का अपना तरीका होता है। मेरे लिए मेरा काम ही मेरी सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।'

सभी जानते हैं कि अली फजल की पत्नी रिचा चड्ढा मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने में कभी पीछे नहीं रही हैं, मगर अली उनकी तरह मुखर नहीं हैं। इस पर वह कहते हैं, 'मेरा मानना है कि इंसान चाहे तो कुछ भी बन सकता है, और अगर मैं चाहूं तो हर मुद्दे पर बोलना भी शुरू कर सकता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने काम के जरिए ज्यादा प्रभावी ढंग से अपनी बात कह पाता हूं। शायद मैं अभी उस मुकाम पर नहीं हूं कि बिना पूरी जानकारी और समझ के किसी भी विषय पर खुलकर टिप्पणी करूं।

इंसानी स्वभाव को समझने की कोशिश

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रूप से कई तरह का काम करने के बाद अली एक इंसान और एकत्र के रूप में बदलाव महसूस करते हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए हर किरदार इंसानी स्वभाव को बेहतर ढंग से समझने का एक अवसर होता है। मैं हमेशा यह जानने की कोशिश करता हूं कि क्या मैं एक आम इंसान के मन और उसकी परिस्थितियों के भीतर उतर सकता हूं। जब आप ऐसा करते हैं, तो अहसास होता है कि हर कहानी के पीछे एक सच्चा इंसान है, जिसकी अपनी जद्दोजहद और कई परतें हैं।

संक्षिप्त समाचार

26 साल की सबसे बड़ी कटौती, सऊदी अरब ने सस्ता किया कच्चा तेल

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब ने अगस्त के लिए कच्चे तेल की कीमत में 26 साल की सबसे बड़ी कटौती कर दी है। इससे वैश्विक तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह राहत की खबर मानी जा रही है। लेकिन आखिर सऊदी अरब ने इतना बड़ा फैसला क्यों लिया? क्या इससे पेट्रोल-डीजल सस्ता होगा और महंगाई पर कितना असर पड़ेगा? दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में शामिल सऊदी अरब ने कच्चे तेल की कीमत में 26 वर्षों की सबसे बड़ी कटौती कर वैश्विक ऊर्जा बाजार को चौंका दिया है। अगस्त के लिए अरब लाइट क्रूड की कीमत में 11 डॉलर प्रति बैरल की कमी की गई है। इससे पहले जुलाई के लिए भी 6 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की गई थी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से सामान्य होने के बाद तेल की आपूर्ति बढ़ गई है और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा भारत जैसे देशों को मिल सकता है, जो अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करते हैं।

चीन में भूस्खलन से 33 लोग दबे : 17 को बचाया गया, 16 की तलाश जारी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के पश्चिमी गांसू प्रांत के पहाड़ी इलाके में मंगलवार को हुए भूस्खलन में 33 लोग मलबे में दब गए। सरकारी मीडिया के मुताबिक, अब तक 17 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि 16 लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सभी प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, सेंट्रल चीन के हुबेई प्रांत में सोमवार रात आए तेज तूफान और आंधी-बारिश से कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 275 लोग घायल हुए हैं। एक व्यक्ति अब भी लापता है। मौसम विभाग के मुताबिक, कई इलाकों में 149 किमी/घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। अगले 24 घंटे में 260 मिमी तक बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन के मौसम विभाग ने सुपर टाइफून 'बावी' को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। यह तूफान 290 किमी/घंटा तक की रफ्तार वाली हवाओं के साथ प्रशांत महासागर से ताइवान की ओर बढ़ रहा है। अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

ढाका के पास नेशनल सिटिजन पार्टी' की रैली में जोरदार बम धमाका

ढाका, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश से एक बार फिर हिंसा और अशांति की बड़ी खबर सामने आ रही है। राजधानी ढाका के नजदीकी इलाके सावर में सोमवार को एक राजनीतिक रैली के दौरान जोरदार बम धमाका हुआ। जानकारी के मुताबिक, यह धमाका नवनिर्मित राजनीतिक दल 'नेशनल सिटिजन पार्टी' द्वारा आयोजित एक मार्च के दौरान हुआ। धमाके के वक्त रैली को एक महिला नेता संबोधित कर रही थीं, तभी अचानक जनता के बीच एक बम फटा, जिससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। इस घटना में कम से कम तीन लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, हालांकि उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में अभी भी पूरी जानकारी नहीं मिली है। घटना का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि मंच से भाषण जारी रहने के दौरान अचानक तेज आवाज के साथ धमाका होता है और फिर धुआं उठने लगता है। धमाके के बाद रैली स्थल पर लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए।

टीटीपी ने पाकिस्तान वायु सेना के ग्रुप कैप्टन की हत्या की जिम्मेदारी ली

इस्लामाबाद, एजेंसी। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने रविवार दोपहर इस्लामाबाद में पाकिस्तान वायु सेना के ग्रुप कैप्टन आसिम तारिक की हत्या की जिम्मेदारी ली है। गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान 22 वर्षीय साद अब्बासी के रूप में हुई है। टीटीपी ने सोशल मीडिया पर मोबाइल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज जारी किया। इसमें अधिकारी अपनी कार में सीट बेल्ट पहने दिख रहे हैं। यह फुटेज इस्लामाबाद पुलिस के उस दावे का खंडन करता है कि अधिकारी ने सड़क पर एक महिला को अपहरणकर्ता से बचाया था। टीटीपी ने कहा कि उसकी 'स्पेशल टारगेट किलर्स यूनिट' ने यह हत्या की। सूत्रों के अनुसार, तारिक खुफिया निदेशालय से जुड़े थे। इस निदेशालय ने हाल ही में अफगानिस्तान में ड्रोन हमले के लिए निर्देशांक प्रदान किए थे, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों और महिलाओं की मौत हुई थी। वह 'ऑपरेशन बुनियान-उम-मरसूस' में भी शामिल थे। यह ऑपरेशन पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में शुरू किया था। इस्लामाबाद पुलिस ने अब्बासी के खिलाफ हत्या और आतंकवाद के आरोप में मामला दर्ज किया।

गद्दाफी के देश में शांति लाएगा पाकिस्तान? 2 दुश्मनों की दोस्ती कराने में जुटे मुनीर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की कूटनीति को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कराने के बाद, अब पाकिस्तान युद्ध की आग में झुलस रहे लीबिया में भी 'शांति दूत' बनने की कोशिश कर रहा है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने लीबिया के दो धुर विरोधी गुटों यानी पूर्वी और पश्चिमी सत्ता केंद्रों के बीच गुपचुप तरीके से मध्यस्थता शुरू कर दी है। हालांकि इसके पीछे पाकिस्तान का खुद का लालच छिपा है। यह लालच पैसों से जुड़ा है।

लीबिया के दोनों गुटों ने खुद की थी पाकिस्तान से अपील : साल 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह के दौरान मुअम्मर गद्दाफी की सत्ता खत्म होने के बाद से ही लीबिया गृहयुद्ध का सामना कर रहा है। तब से यह देश पूर्वी और पश्चिमी प्रतिद्वंद्वी प्रशासनों में बंटा हुआ है। पिछले कुछ महीनों से अमेरिका यहां कूटनीतिक समाधान निकालने की कोशिश कर रहा था।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने मध्यस्थता की यह कोशिशें पिछले साल के अंत में शुरू की थीं। दिलचस्प बात यह है कि लीबिया के दोनों प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने खुद इस्लामाबाद से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। अमेरिका 'पूरी तरह वाकिफ', सऊदी अरब का भी मिल रहा बैकअप रॉयटर्स की रिपोर्ट में पाकिस्तानी सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि अमेरिका इस्लामाबाद की इस भूमिका से 'पूरी तरह वाकिफ' है और इसमें शामिल भी है। पाकिस्तान के इस प्रयास को सऊदी अरब का भी समर्थन मिल रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल ही इस्लामाबाद ने सऊदी अरब के साथ एक रक्षा समझौता किया था। लीबिया में पाकिस्तान का यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच हुई हालिया मध्यस्थता के ठीक बाद उठाया गया है। ईरान वाले मामले में भी पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई थी, जिसके लिए ट्रंप प्रशासन ने उसकी जमकर तारीफ की थी। पिछले महीने पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज, फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने रावलपिंडी में लीबिया के सैन्य प्रमुख सद्दाम हफ्तार से मुलाकात की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद हफ्तार ने वाशिंगटन का दौरा किया और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की थी। तब अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने बयान जारी कर लीबियाई नेताओं के प्रयासों का स्वागत करते हुए लीबिया की एकता के लिए अमेरिकी समर्थन दोहराया था। मध्यस्थता के साथ-साथ पाकिस्तानी अधिकारी पूर्वी लीबिया स्थित सेना के साथ रक्षा संबंधों को भी आगे बढ़ा रहे हैं। इस रक्षा साझेदारी में पाकिस्तान द्वारा लीबिया को जे.एफ-17 लड़ाकू विमान बेचे जाने की संभावना भी शामिल है। यानी पाकिस्तान अपने चीन की मदद से बने जहाज बेंचकर लीबिया से पैसे कमाना चाहता है।

अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं : इस पूरे मामले में अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान अन्य क्षेत्रीय हितधारकों के साथ किस हद तक समन्वय कर रहा है। इस 'सीक्रेट' मध्यस्थता रिपोर्ट पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय, सेना की मीडिया विंग (ISPR), पश्चिमी और पूर्वी लीबियाई अधिकारियों के साथ-साथ कतर, तुर्किये, सऊदी अरब व अमेरिका के विदेश मंत्रालयों की तरफ से फिलहाल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान तट के पास टैंकर पर हमला, लगी भीषण आग

मस्कट, एजेंसी। ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य में मंगलवार सुबह एक टैंकर पर हमला हुआ। ब्रिटिश सेना ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स सेंटर ने बताया कि टैंकर को जलडमरूमध्य में ओमान के लिमाह के पास निशाना बनाया गया।वहीं, ईरान के सरकारी टेलीविजन ने दावा किया है कि जहाज ने पहले जारी की गई चेतावनियों को नजरअंदाज किया था, जिसके बाद उस पर कार्रवाई की गई। फिलहाल जहाज की स्थिति, नुकसान या किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सेंटर के मुताबिक, यह हमला तब हुआ जब टैंकर जलडमरूमध्य से दक्षिण की ओर गल्फ ऑफ ओमान की तरफ जा रहा था। प्रोजेक्टाइल जहाज के बाईं ओर (पोर्ट साइड) लगा। इस हमले से पर्यावरण पर कोई नुकसान नहीं हुआ है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। इस हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी ने नहीं ली है, हालांकि हाल के दिनों में ओमान के पास के रास्ते से गुजरने वाले कम से कम दो अन्य जहाजों पर हुए हमलों के लिए ईरान पर शक जताया गया है। हालांकि, अमेरिका इस जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने के लिए ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ना चाहता है। अमेरिका का उद्देश्य ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना और 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध को हमेशा के लिए समाप्त करना है। लेकिन पहले हुए ऐसे हमलों के बाद अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई की थी, जिसके बाद ईरान ने खाड़ी के अरब देशों पर हमले किए। इससे तनाव बढ़ने का खतरा रहता है।

इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिलहाल रुकी हुई है। यह बातचीत ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के दफन होने तक रुकी रहेगी। खामेनेई युद्ध की शुरुआत में मारे गए थे। उनके अंतिम संस्कार में शामिल लोग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मौत की सजा देने की मांग कर रहे हैं। अधिकारी खामेनेई के शव को रात में शिया मदरसा शहर कोम ले गए, जहां मंगलवार को उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

चीन में घूसखोर अफसर को मिली मौत की सजा, 30 साल में जुटाई थी अरबों की संपत्ति

बीजिंग, एजेंसी। चीन की एक अदालत ने रिश्वत लेने के मामले में एक पूर्व स्थानीय अधिकारी को मौत की सजा सुनाई है। अधिकारियों के मुताबिक, उसने करीब 30 साल तक अपने पद का दुरुपयोग कर भारी मात्रा में रिश्वत ली। उन्होंने बताया कि दोषी अधिकारी ने रिश्वत के जरिए 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर या करीब 3 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति जुटाई थी। पूर्व अधिकारी की पहचान यांग यौलिन के रूप में हुई है जो चीन के पूर्वी तट पर स्थित जियांगसू प्रांत की राजधानी नानजिंग में आर्थिक विकास से जुड़ा था। चांगझोउ इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि यांग ने वर्ष 1993 से 2023 के बीच अवैध रूप से 2.21 अरब युआन (करीब 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 30 अरब रुपये) मूल्य की नकदी, संपत्ति और अन्य परिसंपत्तियां रिश्वत के रूप में स्वीकार कीं। कोर्ट के मुताबिक, यांग ने विभिन्न लोगों और कंपनियों से प्रोजेक्ट दिलाने, कारोबारी कामकाज में मदद करने, जमीन आवंटित कराने और फंड उपलब्ध कराने के बदले रिश्वत ली। कोर्ट ने यांग को केवल रिश्वतखोरी का ही नहीं, बल्कि गबन, रिश्वत देने, पद के दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग का भी दोषी ठहराया है। हाल के वर्षों में रिश्वत की रकम के लिहाज से इसे चीन के सबसे बड़े करप्शन केस में से एक माना जा रहा है। कोर्ट ने बताया कि सुनवाई के दौरान अपने अंतिम बयान में यांग ने अपने अपराध स्वीकार किए और अपने किए पर गहरा पछतावा और अपराधबोध व्यक्त किया। कोर्ट की ओर से जारी तस्वीरों में सफेद बालों वाले यांग गहरे रंग की जैकेट पहने हुए 2 वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के बीच खड़े दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि इस केस की सार्वजनिक सुनवाई मार्च और अप्रैल में 2 अलग-अलग दिनों में हुई थी। कोर्ट के मुताबिक, दोनों सुनवाई के दौरान 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि यांग की व्यक्तिगत संपत्ति जब्त की जाएगी। साथ ही अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि रिश्वत के रूप में ली गई पूरी रकम की वसूली की जाए। यांग के खिलाफ कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत हुई। यह अभियान पिछले एक दशक से जारी है।

ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस का नवीनीकरण अमेरिका के पुनरुत्थान को दर्शाता है

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि व्हाइट हाउस का रेस्टोरेशन अमेरिका के बड़े रिन्यूअल का सिंबल है. उन्होंने कहा कि देश की सबसे जानी-मानी बिल्डिंग को देश की ताकत, इतिहास और कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए. रोज गार्डन में ट्रंप ने अपनी बातों का एक बड़ा हिस्सा व्हाइट हाउस के रेनोवेशन पर दिया. और इस काम को बचाने की कोशिश और देश के भविष्य के बारे में एक बयान, दोनों बताया. ट्रंप ने कहा, 'हम व्हाइट हाउस में बहुत सारा प्यार वापस डाल रहे हैं क्योंकि, सच कहूँ तो, इसके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया गया था. राष्ट्रपति ने यह बताते हुए शुरुआत की कि रोज गार्डन में हाल ही में बड़े बदलाव क्यों हुए हैं, उन्होंने कहा कि साइट की दलदली जमीन के कारण असली लॉन काम का नहीं रहा. उन्होंने कहा, 'व्हाइट हाउस एक वेटलैंड पर बना था, और घास हमेशा

बहुत गीली रहती थी,' और कहा कि विजिटर्स के जूते उसमें धंस जाते थे जिसे उन्होंने क्विकसैंड पिट बताया. उन्होंने कहा, 'नई ग्रेनाइट की सड़क को जमीन को बचाने के लिए डिजाइन किया गया था, साथ ही ऑफिशियल सेरेमनी के लिए जगह को ज़्यादा इस्तेमाल करने लायक बनाया गया था.' ट्रंप ने प्रेसिडेंशियल वॉक ऑफ फेम को भी हाईलाइट किया. साथ ही वेस्ट विंग के रास्तों और व्हाइट हाउस के ऐतिहासिक कॉलम पर रेस्टोरेशन का काम भी किया गया. उन्होंने कहा कि वर्कर्स ने ओरिजिनल आर्किटेक्चरल डिटेल्स को ठीक करने के लिए एक सदी से ज़्यादा पुराना पेंट हटा दिया था. ट्रंप ने कहा, 'हमने कॉलम से लगभग 150 साल पुराना पेंट हटा दिया है. आप डिटेल्स भी नहीं देख सकते थे.' राष्ट्रपति ने कहा कि इस प्रोजेक्ट का मकसद सिर्फ व्हाइट हाउस को मॉडर्न बनाना नहीं था, बल्कि अमेरिका के सबसे जरूरी नेशनल लैंडमार्क में से एक को बचाना भी था. उन्होंने कहा, 'यह हर 200 साल में होगा. आपको कोई न कोई ऐसा मिल जाएगा जो इसे वापस लाएगा ट्रंप ने बार-बार व्हाइट हाउस की तुलना विदेशों की ऐतिहासिक इमारतों से की, विंडसर कैसल और चीन के ग्रेट हॉल के दौरे को याद करते हुए. विंडसर कैसल के बारे में बात करते हुए उन्होंने किंग चार्ल्स III के साथ विलियम द कॉन्करर के साथ हुई बातचीत को याद किया. तभी मजाक में कहा कि शायद ब्रिटिश राजा को 'चार्ल्स द कॉन्करर' कहा जाना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की दूसरी ताकतों के बराबर या उनसे बेहतर सेरेमोनियल सुविधाएं होनी चाहिए. ट्रंप ने कहा, 'मैं हाल ही में चीन के ग्रेट हॉल में था. उनके पास एक बहुत बड़ा बॉलरूम है. हम एक ऐसा बॉलरूम बनाने जा रहे हैं जो सबसे ऊपर होगा.' पूरे भाषण में ट्रंप ने व्हाइट हाउस को सिर्फ एक घर या काम की जगह से कहीं ज़्यादा बताया. 'प्रेसिडेंट ने नए जन्मे अमेरिकियों के लिए अपने एडमिनिस्ट्रेशन के 'ट्रंप अकाउंट्स' प्रोग्राम को लॉन्च करते हुए यह बात कही, लेकिन बार-बार उन इंस्टीट्यूशन को ठीक करने की थीम पर लौट आए। ट्रंप का लेटेस्ट रेनोवेशन प्रोग्राम जिसमें रोज गार्डन, ग्राउंड और एक प्रस्तावित नए बॉलरूम पर काम शामिल है।

मेलोनी पर ट्रंप के तंज को लेकर इटली ने दिखाया अमेरिकी राष्ट्रपति को आईना

रोम , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच जुबानी जंग एक बार फिर तेज हो गई है। तुर्किये में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से ठीक पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मेलोनी का मजाक उड़ाते हुए एक पोस्ट साझा किया। इसके जवाब में इटली ने कहा कि नेताओं के आने-जाने से देशों के रिश्ते नहीं बदलते। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर मेलोनी की एक संपादित तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे दूरी बनाए रखने का आदेश (रिस्ट्रेनिंग ऑर्डर) चाहिए।' यह पोस्ट ऐसे समय आई है, जब दोनों नेताओं की इस सप्ताह नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात होने की संभावना है।

इटली के नेताओं ने ट्रंप की टिप्पणी पर दिया क्या जवाब : ट्रंप की टिप्पणी पर इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेत्तो ने कहा कि इस पोस्ट पर उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं है। उन्होंने कहा, 'सबसे अहम बात अमेरिका जैसे महत्वपूर्ण सहयोगी देश के साथ रिश्ते बनाए रखना है। लोग आते-जाते रहते हैं, लेकिन रिश्ते बने रहते हैं। इटली के विदेश मंत्री अंतोनियो तायानी ने भी विवाद को ज्यादा तूल नहीं दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि दोनों देशों के संबंध किसी एक व्यक्ति की टिप्पणी से कहीं बड़े हैं।' हालांकि, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप की ताजा टिप्पणी पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जी-7 सम्मेलन के बाद शुरू हुई थी तल्खी : दोनों नेताओं के बीच तनाव की शुरुआत हाल ही में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद हुई थी। पिछले महीने ट्रंप ने दावा किया था कि सम्मेलन के दौरान मेलोनी ने उनसे कई बार तस्वीर खिंचवाने का अनुरोध किया था और उन्होंने सिर्फ इसलिए इसकी अनुमति दी क्योंकि उन्हें 'उन पर तरस आ गया था।' ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया था कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का समर्थन नहीं करने के बाद मेलोनी घरेलू राजनीतिक कारणों से अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही हैं। मेलोनी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था, 'ये लगातार और बिना किसी वजह के किए जा रहे हमले पूरी तरह निरर्थक हैं।' उन्होंने ट्रंप को जवाब देते हुए कहा था, 'आपकी दोस्त होने से मेरी लोकप्रियता नहीं बढ़ी है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें।' एक अन्य साक्षात्कार में मेलोनी ने कहा था, 'इटली और मैं कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते। मैं अमेरिका विरोधी नहीं हूं, लेकिन मजबूत रिश्ते स्पष्ट बातचीत पर भी टिके होते हैं और मैं साफ बात करने वाली व्यक्ति हूं।' ट्रंप और मेलोनी को लंबे समय तक समान विचारधारा वाला सहयोगी माना जाता रहा है। अवैध प्रवासन, रूढ़िवादी राजनीति और पश्चिमी देशों की सुरक्षा जैसे कई मुद्दों पर दोनों की सोच मिलती रही है।

चीन में कुदरत का कहर: हुबेई में तूफान और बिजली गिरने से 8 की मौत, अब सुपर टाइफून 'बावी' का खतरा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के मध्य हिस्से में स्थित हुबेई प्रांत में प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। सोमवार शाम को आए विनाशकारी आंधी-तूफान और गरज के साथ हुई भारी बारिश ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन और सरकारी मीडिया द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है। हुबेई के आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने जानकारी दी है कि यह तूफान इतना शक्तिशाली था कि इसने कुछ ही घंटों में पूरे क्षेत्र के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया।

कई शहरों में 149 किमी/घंटा की रफ्तार से चली हवाएं : शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार शाम को महज चार घंटों के भीतर हुबेई के कई प्रमुख शहरों में 149 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से विनाशकारी हवाएं चलीं। इन तेज हवाओं ने हुआंग्शी, हुआंगगांग , एझोउ और जियानिंग जैसे शहरों में भीषण नुकसान पहुंचाया है। सड़कों पर सैकड़ों पेड़ उखड़ गए, बिजली के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंची और कई घरों की छतें उड़ गईं, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन खराब मौसम बाधा बना हुआ है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी जारी की है कि खतरा अभी टला नहीं है और आने वाले समय में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, देश के उन विभिन्न हिस्सों में जहां लगभग 20 करोड़ लोग निवास करते हैं, वहां मूसलाधार बारिश और बवंडर आने की संभावना बनी हुई है। वहीं, दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के गुआंग्शी और पूर्वी प्रांतों जियांग्सू और शेडोंग में अगले 24 घंटों के भीतर 260 मिमी तक की अत्यधिक भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। यह भारी बारिश न केवल शहरी इलाकों में बाढ़ ला सकती है, बल्कि पहाड़ी क्षेत्रों में खतरनाक भूस्खलन भी हो सकता है। एक तरफ जहां चीन की मुख्य भूमि तूफानों से जूझ रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रशांत महासागर में उठा सुपर टाइफून 'बावी' ताइवान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, यह चक्रवात 180 मील प्रति घंटे की प्रचंड और विनाशकारी रफ्तार वाली हवाओं के साथ आगे बढ़ रहा है।

2,000 साल पहले थाईलैंड गए थे भारत के व्यापारी, खुदाई में मिले बहुत बड़े सबूत

बैंकॉक, एजेंसी। आज भारतीयों के बीच एक लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन बना थाईलैंड हजारों साल पहले भी भारत से जुड़ा हुआ था। हाल ही में एक खोज ने यह बात साबित कर दी है। दरअसल थाईलैंड में बीते दिनों इतिहासकारों को एक ऐतिहासिक कामयाबी मिली। यहां पश्चिमी थाईलैंड में चल रही खुदाई के दौरान करीब 2,000 साल पुरानी 2 सोने की अंगूठियां मिली हैं। इन अंगूठियों का संबंध भारत से बताया जा रहा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इनमें से एक अंगूठी पर प्राचीन भारतीय 'ब्राह्मी' लिपि में कुछ लिखा हुआ है। अब वैज्ञानिक इसे दो हजार साल पहले भारत और थाईलैंड के बीच मजबूत व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों का जीता-जागता सबूत बता रहे हैं।

थाईलैंड के फाइन आर्ट्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, ये अंगूठियां पिछले हफ्ते पेत्चाबुरी प्रांत के दोन याई थोंग साइट पर मिली हैं। वैज्ञानिक यहां मानव कंकालों की खुदाई कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक विशेषज्ञों ने जब इन अंगूठियों की शुरुआती जांच की, तो एक के बाद एक इतिहास के कई पन्ने खुलते चले गए।

अंगूठियों पर क्या लिखा है : एक अंगूठी पर ब्राह्मी लिपि में लिखे अक्षरों को डिकोड किया गया तो उस पर 'पुस रखितस' लिखा हुआ मिला। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका अर्थ होता है, 'वह व्यक्ति जिसे पुष्य का संरक्षण प्राप्त है।' बता दें कि भारतीय ज्योतिष और खगोल विज्ञान में पुष्य को सबसे शुभ और कल्याणकारी नक्षत्र माना जाता है। वहीं एक अन्य अंगूठी भी मिली है। इस पर कुछ लिखा हुआ नहीं है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों अंगूठियां प्राचीन भारतीय जाति व्यवस्था के 'वैश्य' समुदाय के किसी अमीर व्यापारी की रही होंगी, जो उस दौर में व्यापार के सिलसिले में थाईलैंड आया होगा।

पुरातत्व विभाग के हाथ लगा खजाना : थाईलैंड में यह खुदाई आखिर शुरू क्यों हुई? रिपोर्ट्स के मुताबिक बैंकॉक से लगभग 130 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित इस साइट की खोज इस साल की शुरुआत में ही हुई। यहां स्थानीय ग्रामीणों को एक धान के खेत में प्राचीन चीजें मिलीं। इसके बाद सरकार ने बड़े पैमाने पर खुदाई शुरू करवाई। फरवरी से अब तक यहां 8 मानव कंकाल, कांसे और सोने के गहने और प्राचीन मिट्टी के बर्तन मिल चुके हैं। वैज्ञानिकों ने इस साइट को थाईलैंड के आयरन एज के समय का यानी आज से 1,500 से 2,500 साल पुराना बताया है। अगले महीने खुदाई पूरी होने के बाद इन्हें आम जनता के प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा।

राखीगढ़ी के राज भी खुलेंगे : थाईलैंड में मिली बड़ी कामयाबी के बीच भारत में सिंधु घाटी सभ्यता को लेकर एक बड़ी हलचल हुई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने हरियाणा के ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी से खुदाई में मिले मानव कंकालों को वैज्ञानिक और डीएनए विश्लेषण के लिए भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण (को सौंप दिया है। संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक दोनों संस्थानों के बीच हुए एक नए समझौते के तहत अब राखीगढ़ी के कंकालों पर अत्याधुनिक मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च होगी। गौरतलब है कि राखीगढ़ी सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा ज्ञात स्थल है। यहां का ड्रेनेज सिस्टम, बेहतरीन टाउन प्लानिंग और अब इन कंकालों के वैज्ञानिक टेस्ट से प्राचीन भारतीयों के रहन-सहन और उनके जेनेटिक्स को लेकर कई बड़े और खुलासे होने की उम्मीद है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)